HRA की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 2, 1980 (माघ 13, 1901)

No. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 2, 1980 (MAGHA 13, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it my be filed as a separate compilation)

चाग Ⅲ—खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा भायोग

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग हे कार्यालय में निम्नलिखित सहायक श्रधीक्षक (हालरिष) को सिषव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-12-1979 से 29-2-1980 तक की धविध के लिए अयवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग धिकारी (त० सं०) के पद पर तवर्षु आधार पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:——

- 1. श्री एस० पी० बंसल
- 2. श्री भी० झार० गुप्ता
- 3. श्री एम० एम० शर्मा।

दिनांक 5 जनवरी 1980

सं० ए० 35017/1/79-प्रशा० II—सिवव, संघ लोक सेवा आयोग एतव् द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्भ के अनुभाग अधिकारी श्री के० एल० कटयाल को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के संवर्ग —43601/79

बाह्य पद पर 1-1-1980 से तीन माह की धवधि के लिए धथवा धागामी आदेश तक, जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

श्री के० एल० कटयाल लेखा धियकारी के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे श्रीर उनका बेतन वित्त मन्त्रालय के समय समय पर यथासंशोधित का० ज्ञा० स० एफ० 10(24)/ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में निहित धनुदेशों द्वारा विनियमित होगा ।

एस० बालचन्त्रम भवर सचिव, कृते सचिव, संघ लोक सेवा धायोग,

नुद्द मंज्ञासय

(का० एवं प्र० सु० विभाग)

केन्द्रीय भ्रन्येषण ब्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1980

सं॰ ए॰ 35018/6/78-प्रशासन-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना, एतदुद्वारा गुजरात राज्य पुलिस के

(1187)

मिधकारी श्री शार० जी० वूबे, पी० एस० शाई० को दिनांक 10-12-79 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय शन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग शहमदाबाद में प्रतिनियुक्ति पर श्रस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जनवरी 1980

सं० 22013/6/79-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय झन्वेषण क्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्हारा, श्री आर० डी० वर्मा, निरीक्षक (एफ० पी०), केन्द्रीय धंगुलि-छाप ब्यूरो, कलकत्ता जो झाजकल अंगुलि-छाप ब्यूरो, सी० छाई० डी०, हरियाणा में निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर है, को दिनांक 19-11-79 के पूर्वाह्न से झगले झादेश तक के लिए केन्द्रीय धंगुलि-छाप ब्यूरो में तदर्ष झाहार परपुलिस उप-सबीक्षक के पद पर प्रोफार्मा प्रोम्नति प्रदान करते हैं।

की० ला० ग्रोवर प्रजासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रान्वेषण क्यूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 जनवरी 1980

सं० ग्रो० दो-1279/75-स्थापना—कैन्टन मेहर सिंह (ग्रवकाशप्राप्त) ने पुर्नानयुक्ति की श्रविध समाप्ति पर उप-पुलिस श्रविक्षक, ए० डब्ल्यू० एस०, के० रि० पु० बल, हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 26-8-79 (ग्रपराह्म) को त्याग दिया।

विवाक 9 जनवरी 1980

सं० ग्रो० दो-76/76-स्थापना—श्री के० एस० चतुर्वेदी गुजरात संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा ग्रीवकारी जो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमाण्डेंट के पद पर प्रतिनियुक्ति पर चा, कि 120 दिन की ग्रीजत ग्रवकाश की समाप्ति पर, दिनांक 29-11-78 से भपने मूल राज्य में प्रत्यावर्तित हुए।

बी० के० करकरा, सहायक निवेशक (प्रशासन)

सहानिरीक्षक का कायीलय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 9 जनवरी 1980

सं० ६०-28013/1/79-कामिक — निवर्तन की मायु होने पर, श्री एन० एल० गुप्ता ने 30 नवम्बर, 1979 के मप-राहृन से के० मी० सु० व० क्षेत्रीय मुख्यालय (पूर्वी क्षेत्र) कसकता के सहायक कमाउट (क० प्र० म०) के पर का कार्यमार छोड़ दिया

Biving and

ह० अपठनीय महानिरीक्षक

Ace. of a Data

23 OCT 190

Coli aci

Chooked

Date of Lamefer

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० 10/32/79-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, वरदर्शन महा-निवेशालय में प्रमुभाग प्रधिकारी के पद पर कार्यरत श्री बी० डी० दरगन को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 24 विसम्बर, 1979 के ध्रपराह्न से भगले भावेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री दरगन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।
- 3. उनकी प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति विश्व मंत्रालय के समय-समय पर यथा संशोधित कार्यालय ज्ञापन सं० एक 10/(24)ई० III/60 तारीख 4 मई, 1961 में निर्धारित शर्तों के ग्रधीन होगी।

सं० 11/1/79-प्रशा० I-1112—विभागीय पदोन्नित समिति
की सिफारिश पर राष्ट्रपति जम्मू धौर कश्मीर, श्रीनगर में
जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य
(तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एस० पी० घरोरा को
तारीख 12 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से ध्रगले घादेशों तक,
वियमित घाघार पर, धस्थाई क्षमता में, उसी कार्यालय में
पदोन्नित पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहुषै
निषुक्त करते हैं।

श्री भरोरा का मुख्यालय श्रीनगर में होगा।

सं० 11/29/78-प्रशा०-I-1109—संघ लोक सैवा घायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री हरी किशन को तारीख 28 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह से धगले घावेशों तक, सीधी भर्ती द्वारा धस्थाई क्षमता में जनगणना कार्य निदेशालय, तमिलनाडु मद्रास में सहायक निवेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पव पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ह्र्सी किशन का मुख्यालय मद्रास में होगा।

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

वित्त मंद्रालय (द्यारिक कार्य विभाग)

वैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 9 जनवरी 1980

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिस्स्चना दिनांक 12-10-79 के ग्रनुकम में श्री ग्रामोक जोशी की तकनीकी ग्रिधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तबर्थ ग्राधार पर की गई नियुक्ति की ग्रवध उन्हीं मतौं पर दिनांक 12-1-80 से ग्रामामी तीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

> पी० एस० शिवराम, महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा वाणिज्य, निर्मीण कार्य तथा विविध मई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं प्रशासन I/8(14) II/4202—प्रिष्ठसूचना सं प्रशासन I/8(14) II/2501 दिनांक 15-9-79 में प्रांशिक संशोधन करते हुए भारत के नियंद्रक महालेखापरीक्षक विश्व मंद्रालय की सहमति से श्री एस प्रधानाभन लेखापरीक्षा प्रधिकारी को संगणक रख रखाव निगम लिमिटेड में स्थायी विलयन को तिथि में 1 जनवरी, 1979 से 1 अप्रैल, 1979 में संशोधन करने की स्वीकृति देते हैं।

महेन्द्र सिंह सरना, निवेशक लेखापरीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

कार्यालय: निर्देशक लेखा परीक्षा उत्तर रेलवे

्रिनई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1980 सं प्रणासन/17-22/73—निदेशक, लेखा परीक्षा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली ने श्री बालकृष्ण मित्तल, लेखा परीक्षा श्रधिकारी को लेखा परीक्षा श्रधिकारी के कैंडर में दिनांक 1-11-79 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> कु० भारती प्रसाद उप निदेशक लेखा परीक्षा, उत्तर रेलक्षे

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा श्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकला, दिनांक 8 जनवरी 1980

सं० 1/80/ए०/ई०-(एम० जी०)—वार्धक्य निवृत्ति म्रायु भाष्त कर, श्री कृष्णलाल देवनाथ, मौलिक एवं स्थायी सहायक स्थाफ भ्रफ्सर तथा हिमांगु भूषण सेनशर्मा, मौलिक एवं स्थायी सहायक, भ्रस्थायी सहायक स्टाफ भ्रफसर दिनांक 31-12-79 (भ्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> डी० पी० चक्रवर्ती, ए० डी० जी० ग्रो० एफ०/प्रशासन, कृते महानिवेशक, ग्रार्डनेंस फैक्टरियां

व।णिज्य एवं नागरिक ग्रापूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रकः, भाषात-निर्यात का कार्यालय नर्षे विस्ती, विनोक 11 जनवरी 1980 भाषात एवं निर्योत स्थापार नियंत्रण

स्यापना

सं० 8/1275/79-प्रशा० (राज०)/179-- मुख्य नियंसक, आयात-निर्यात, एतदद्वारा श्री एस० के० प्रसाद, समाज कस्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में सहायक को भगला आधेग होने तक, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में 18 दिसम्बर, 1979 के पूर्वीहर से स्थानापभ्र रूप से नियंत्रक, भायात-निर्यात (श्रेणी "ख") के रूप में नियुक्त करते हैं।

 श्री एस० के० प्रसाद नियंत्रक के रूप में नियमों के श्रंतगैत अनुमेंय 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

> सी० एस० ग्रायं, उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात

उद्योग मंत्रालय भौद्योगिक विकास विभाग विकास भागुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं०ए०-19018 (443) / 79-प्रशासन (राजपितत) — विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलीर के स्थायी लघु उद्योग संवर्द्धन प्रधिकारी (प्राधिक प्रन्वेषण एवं सांख्यिकी) श्री एन० श्रीनिवास को दिनांक 1 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से ध्रगल आदेश सक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (श्राधिक ग्रन्वेषण डाटा बैंक) के रूप में सब्धं श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं ए०-19018 (374) / 79-प्रणा० (राज०) — राष्ट्रपति जी, श्री पी० पी० पुरी को दिनांक 14 नवभ्बर, 1979 (पूर्वाह्र) से श्रगलें श्रादेश तक, केन्द्रीय पासुका प्रशिक्षण केन्द्र, श्रागरा में सहायक निदेशक, ग्रेड-र (चर्म /पादुका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं ० ए०-19018 (376) / 79-प्रशा० (राज०) — राष्ट्रपति की, श्री पी० पांडियन को वित्तांक 30 मार्च, 1979 (पूर्वाञ्च) से ग्रगले आवेश तक, लैंदर फिनिशिंग सेन्टर, इरोड, भन्नास में सहायक निवेशक, ग्रेड-I (चर्म पादुका) के रूप म निमुक्त करते हैं।

सं॰ ए॰-19018(415)/79-प्रशा॰ (राज॰)—राष्ट्र-पति जी, श्री एस० के० बिस्त्रास की लघु उद्योग शाखा संस्थान, सिलीगुड़ि में दिनांक 27 सितम्बर, 1979 (पूर्वाञ्च), से ग्राम्ने ग्रादेशों तक के लिए सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (गांतिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्र पाल गुप्त, उप निवेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय खान विभाग

नागपुर, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० ए० 19011 (185) 79-स्था० ए० संघ लोक सेवा स्रायोग की स्थितिरेश से राष्ट्रपति श्री सी० एन० बंसत, सहायक खान नियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 22-10-1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर पदोन्नति की जाती है।

्एस० बालागोपाल, ॄकार्यालय ग्रध्यक्ष, ॄभारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 7 जनवरी 1980

सं० सी० 5589/718-ए०--श्री के० वी० कृष्णा मर्ति, स्थानापन्न प्रधीक्षक (सीनियर स्केल) प्राक मानचित्र उत्पादन संयंत्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, 3 प्रक्टूबर, 1979 (पूर्वाह्र) से श्री एस० के० मजूमदार, स्थापना एवं लेखा प्रधिकारी जो सेवा निवृत हो गए हैं, के स्थान पर सर्वे० प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग हैदराबाध में स्थापना एवं लेखा प्रधिकारी (सा० के० सेवा ग्रुप 'बी') के पद पर 840-40-1000-६० रो०-40-1200 रुपये के वेतन मान में तवर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

के० एल० खोसला, भेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक, (नियुक्ति प्राधिकारी)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नर्ष्ह दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1980

सं० ए० 19019/8/79 के० स० स्वा० यो०-1— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने आ० कुमारी पी० एस० फाडके को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना बम्बई में 9-4-1979 पूर्वाह्य से श्रस्थाई श्राधार पर होमियोपेथिक फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19019/18/79 के० स० स्वा० यो०-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० प्रहलाय कुमार प्रप्रवाल को
केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना पटना में 28-11-1979
पूर्वाह्न से श्रस्थाई प्राधार पर श्रायुर्वेधिक फिजिसियन के पद
पर नियुक्त किया है।

दिनांक 10 जनवरी, 1980

सं० ए० 19019/9/79 के० म० स्वा० यो०-1— स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने डा० एन० धरूप्रा को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना पूना में 21 नवस्थर, 1979 पूर्वास से अस्थाई प्राधार पर होमियोपेथिक फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष्, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1980

सं० ए० 12025/22/78-एन० आई० सी० डी०/प्रणासन-1--राष्ट्रपति ने श्री अरुण कुमार चक्रवर्ती को 23 अगस्त, 1979 पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक काला अकार यूनिट, राष्ट्रीय संचारी रोगसंस्थान, पटना में सहायक निदेशक (गैर-चिकित्सीय) (पशु चिकित्सक) के पद पर अस्थायी तौर पर तैनात किया है।

दिनांक 11 जनवरी 1980

सं० ए० 12025/21/77-(एन० एम० ६० पी०)
प्रशासन-I---राष्ट्रपति ने श्री अशोक कुमार मुखोपाध्याय को
राष्ट्रीय मलेरिया उन्मलन कार्यक्रम निवेशालय में 2 नवम्बर,
1979 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक उप सहायक निदेशक
(कीट विज्ञान) के पद पर श्रस्थायी तौर पर नियुक्त किया
है।

सं० ए० 12026/32/79-प्रशासन-1---राप्ट्रपति ने श्री एस० महादेव श्रय्यर को लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपलानी श्रस्पताल, नई दिल्ली में 15 विसम्बर, 1979 पूर्वाह्म से श्रागामी शादेशों तक मुख्य प्रणा-सनिक श्रिधकारी के पद पर तद्वर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19019/15/77-प्रशासन-I—सेवा-निवृत्ति-पूर्व छुट्टी पर जाते हुए डा० इन्द्रजीत सिंह ने 8 प्रक्टूबर, 1979 पूर्वाह्म से सफदरजंग ग्रस्थाल, नई दिल्ली में दंत चिकित्सक मैक्सिलोफेंसियल (प्रोस्थोडेनटिस्ट) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सेवा निवृत्ति की श्रायु के हो जाने पर सफदरजंग श्रस्पताल, नई दिल्ली के दंत चिकित्सक (मैक्सिलोफैसियल) (प्रोस्थो-डेन्टिस्ट) डा० इन्द्रजित सिंह 30 नवम्बर, 1979 भपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

> शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुननिर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 10 जनवरी, 1980

सं० ए० 19025/28/79-प्र० III -- संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सी० एम० सभाने इस निदेशालय में नागपुर में सहायक विपणन श्रीक्षकारी (वर्ग 1) दिनांक 15-12-1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक नियुक्त किया गया है।

> बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन, कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० 7(14)/79-पुष्टि/4245—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को, जो इस समय क्रय और भंडार निदेणालय की नामावली में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक भंडार अधिकारी के स्थाई पद पर कार्यरत हैं, को 31-12-1973 से मौलिक रूप में नियुक्त करते हैं:——

क्रमांक नाम	वर्तमान पद	बी० ए० ग्रार० सी० में स्थाई पद
1. श्री टी॰ सी॰ जॉर्ज	सहायक भंडार श्रधिकारी	भंडारी
2. श्री के० के० शर्मा	भंडार ग्रधिकारी	भंडारी
3. श्री एन० एम० नायर	भंडार भ्रधिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक

सं० 7 (14)/79-पुष्टि/4246—नियंत्रक, माभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को जो इस समय भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में, ऋय और भंडार निदेशालय की नामावली में, सहायक ऋय अधिकारी के स्थाई पद पर कार्यरत हैं, को 31-12-1973 से मौलिक रूप में नियुक्त करते हैं:—

ऋमांक नाम	वर्तमान पद	बी० ए० झार० सी० में स्थाई पद
1. श्री सी० जे० मूलचंदानी	सहायक क्र य श्रधिकारी	ऋय सहायक
2. श्री एम्० न(रायणन्	सहायक कय ग्रक्षिकारी	उच्च श्रेणी लिपिक

एक० वी० भाषतरामाणी, उप-स्थापना श्रीधकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 3 नवम्बर 1979

सं० ए० 19012/3/79-हिन्दी---महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री जी० मणि की 24-10-1979 (पूर्वाह्म) से तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्य आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली, निदेशक प्रशासन, कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, विनांक 8 जनवरी 1980

सं० ए० 32013/9/78-ई० सी०—इस विभाग की विनांक 30-4-1979 की ध्रिधसुचना सं० ए० 32013/9/79-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित बार सहायक तकनीकी ध्रिधकारियों की तकनीकी ध्रिधकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की ध्रवध प्रत्येक के नाम के सामने वी गई तारोख के बाद छ: मास के लिए ध्रयवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने सक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की संस्वीकृति दे वी है:—

ऋम सं०	नाम	तैनाती स्टेगन	तदर्थ नियुधित रखने की भव		जारी
	स र्वेश्री				
1.	टी० ग्रार० गास्त	ती वै०सं०स्टेशन, वस्वई	29-11-79	के	बाद
2.	एम० ग्ररूलदास	वै० सं० स्टेश मद्रास	न, 28-9-79	के	बाध
3.	के० चन्द्र चौहाम	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	28-9-79	कें	बाद
	एन॰ ग्रार॰ एन ग्रन्थंगर	े बै ० सं० स्टेशन गोहाटी	28-9-79	के	वाष

सं० ए० 32014/4/79- ६० सी०--महानिदेशक नागर धिमानन निम्निलिखित चार संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से तदर्थ प्राधार पर सहायक संचार प्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं:---

कम नाम सं०	मौजूदा तैनाती स्टेमन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
सर्वेश्री			
1. बी० एस० गुप्त	बै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै ० स० स्टेशन, बम्बई	7-12-1979 (पूर्वाह्म)
2. विकटर चन्द्रन	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	ं वै० स० स्टेशन, बम्बई	7-12-1979 (पूर्वाह्म)
3. के० जी० नैयर	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै ० स० स्टेशन, मन्नास	7-12-1979 (पूर्वाह्म)
4. ग्रार०पी० बूर्टन	वै० सं० स्टेशन, बंगलौर	बै॰ स॰ स्टेशन, मद्रास	18-12-1979 🖔 (पूर्वाह्म)

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—िनर्वंतन झायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर श्री एल० पी० सिंह, तकनीकी अधिकारी, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली, ने दिनांक 30-11-1979 (अपराह्म) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> भ्रार० एन० वास, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1980

सं० ए० 32013/5/79-ई० ए०—राष्ट्रपति जी श्री एस० एस० बेंबली को दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 से छ: माह के लिए श्रथवा पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, तदथं भाषार पर उप निदेशक/विमानक्षेत्र नियमक के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

2. श्री बेबली को प्रिसिपल, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, बमरोली (इलाहाबाद) के रूप में तैनात किया जाता है।

> विश्वविनोदं जौहरी, सहायक निवेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, विनांक 11 जनवरी 1980

सं० 1/439/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा कलकता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री छी० पी० नास्कर को एकदम तदथं आधार पर श्रस्पकालिक रिक्त स्थानों पर निम्नलिखित श्रवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन रूप से उप परियात श्रवधिक नियुक्त करते हैं:—

- (1) 8-10-1979 से 31-10-1979 तक।
- (2) 5-11-1979 से 30-11-1979 सक।

एच० एल० मलहौता, उप निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहतीलय बढ़ीदा, दिनांक 7 जनवरी 1980

.सं० 1/80—केन्द्रीय उत्पादन शुरुक ग्रहमदाबाद ! के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक के वर्ग 'क', 'ब' के सहायक समाहर्ता—अधीक्षक श्री ष्च० भार० भाटिया वृद्धावस्था पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-12-1979 के भ्रपराह्म से निवृत्त ही गर्य है।

> **ह० अपठनीय** समाहती, केन्द्रीय उ**स्पादन मृहक, बढौ**दा

नागपुर, दिनांक 5 जनवरी, 1980

सं० 6/79—इस समाहर्ताक्षेत्र के श्री एस० डब्ल्यू० अगवान, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" की भारतीय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाएं, श्रेणी "क" में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (किनिष्ठ वेतनमान) के पद पर पदोन्नित होने पर, उन्होंने (श्री जे० टी० डींगरे, सहायक समाहर्ता) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-II, नागपुर को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर) सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, श्रमरावती का दिनांक 11-12-1979 के पूर्वाह्म में कार्यभार संभाल लिया।

के० शंकररामन, समाहती

नौवहन भौर परिबहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, विनांक 11 जनवरी 1980

सं० 2-एव० एस० (1)/78—संघ लोक सेवा ध्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति कप्तान ध्रार० के० ब्यास को तारीख 1 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से ध्रगले ध्रादेशों तक नौबहन महानिदेशालय, बम्बई में ध्रस्थायी तौर पर नाटिकल सर्वेक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० एम० म्रोवाणी, नौवहन उप महानिदेशक

विविध, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ब

कम्पनियों का रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 भौर सुबुधी ट्रेडरस एण्ड मैनुफैक्चरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 8 जनवरी 1980

सं० एस० घों० 4464 (2)—कम्पनी ग्रिप्तिनियम, 1956 की घारा 560 की उपघारा (3) के अनुसरण में एतषद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुबुधी ट्रेडरस एन्ड मैनुफैक्चरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा घोर उक्त कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर के॰ जगन्नाथ भीनराल्स 'प्राइवेंट लिमिटेड के विषय में।

कटफ, दिनांक 8 जनवरी 1980

सं॰ एस॰ भो॰ 683/79/4462 (2)—कम्पनी ग्रिश-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धन्सरण में एतदबारा सूचना दी जाती है की जगन्नाथ मिनरालस गाइबेट लिमिटेड का नाम, श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई हैं।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 भौर के॰ भ्रोडीसा क्रोमेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे। कटक, दिनांक 8 जनवरी, 1980

सं० एस० म्रो० 693/79 (2)—कस्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपभ्रारा (5) के अनुसरण में एतदबारा सूचना दी जाती है कि भोडीसा कोमेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है मौर उक्त कस्पनी क्विटित हो गई है।

डी० क्० पाल, कम्पनीयों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी श्रधिनियम 1956 तथा श्राशा लकी स्कीम ग्रीर फायनेंस प्राइदेट लिमिटेड श्री बार मारफत श्रीमती ग्राशा बस्त्री पत्नी श्री ए० के० बस्त्री बरजला भगत श्रीनगर के बारे में।

श्रीनगर, दिनांक 9 भ्रक्तूबर 1979

सं० पी० सी० 370—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत यह नोटिस दिया जाता है कि उपयुक्त तिथी से तीन माह की समाप्ति पर अगर कोई आपित नही प्राप्त होती है तो आशा लकी स्कीम और फायनेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम कम्पनी रिजस्टर से निकाल दिया जायेगा और उपयुक्त कम्पनी का विधटन कर दिया जायेगा।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 और होटल बुरजा इन्टरनेशनल लिमिटेड, नवा कदल, श्रीनगर काश्मीर के बारे में।

श्रीनगर, दिनांक 7 जनवरी, 1980

सं० पी० सी०/350—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रन्तर्गत यह नोटिस दिया जाता है कि उपयुक्त तिथि से 3 माह की समाप्ति पर ग्रगर कोई ग्रापत्ति नहीं प्राप्त होती है तो होटल बुरजा इन्टरनेग्नल लिमिटेड नवा कदल, श्रीनगर काश्मीर कम्पनी का नाम कम्पनी रिजस्टर से निकाल दिया जायेगा ग्रीर उपयक्त कम्पनी का विघठन कर दिया जायेगा।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर कश्मीर पायर इन्डस्ट्रीज प्राईविट लिमिटेड, निलोफर बिल्डिंग बर्जला श्रीनगर के बारे में।

श्रीनगर, दिनांक 7 जनवरी, 1980

सं० पी० सीं०/369--कम्पनी भ्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रन्तर्गत यह सूचित किया जाता है कि काश्मीर पायर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज कम्पनी रिजस्टर से काट दिया गया है तथा कम्पनी का विघटन कर दिया गया है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 तथा श्राणा लकी स्कीम श्रीर फायनेस प्राइवेट लिमिटेड श्रीनगर मारफत श्रीमती श्राणा बखशी पत्नी श्री ए० के० बखशी, भगत बरजला श्रीनगर के बारे में।

श्रीनगर, दिनांक 7 जनवरी, 1980

सं० पी० सी० (560)/370 कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रन्तगंत यह नोटिस दिया जाता है कि आशा लकी स्कीम धौर फायनेस प्राइवेट का नाम श्राज कम्पनी रजिस्टर से काट दिया गया है तथा कम्पनी का विघटन कर दिया गया है।

कम्पनी मधिनियम 1956 तथा रोमेता एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, लोवर रोड, जम्मू के बारे में।

श्रीनगर दिनांक 7 जनवरी, 1980

सं० पी० सी० 560/224—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा (560) की उपधारा (5) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि रोमेत्रा एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज कम्पनी रिजस्टर से काट दिया गया है तथा कम्पनी का विघटन कर बिया गया है।

एम० एम० सिंह, कम्पनी पंजीकार

कम्पनी मधिनियम 1956 श्रीर शिवरामं सि॰ एण्ड इस॰ (कोल) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी, 1980

सं० 28001/560 (3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदब्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर शिवराम सि० एण्ड बस० (कोल) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ग्याल्याई ईलेक्ट्रिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ग

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी, 1980

सं० 29253/560 (3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के ग्रवमान पर गान्याई ईलैक्ट्रिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजटस्र से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

> एन० **घार० सरकार,** कम्पनियों का रजिस्ट्रार सहायक पश्चिम बंगाल

कार्यालयः मायकर भायुक्त

पटना, विनांक 7 जनवरी 1980

सं० घो० १ ती० 3/XV-1/78-79/43215— केन्द्रीय सरकार की राय में यह जनहित की दृष्टि से धावश्यक एवं समीचीन है कि उन निर्धारितियों के नाम तथा उनसे सम्बन्धित अन्य व्योरे प्रकाशित कर दिए जाए जिनके उपर एक लाख रुपये से अधिक की धायकर की राशी बकाया है। मैं एतददारा, आयकर अधिन मि 1961 की घारा 287 के अधीन बिहार प्रभार-I और-II के उन निर्धारितियों के नाम तथा अन्य व्योरे प्रकाशन के लिए अधिसुचित करता

हूं जिनके पास (वित्तीय वर्ष 1977-78 के भ्रन्त तक) को वर्ष उससे ग्रक्षिक भ्रवधि से कर बकाया है।

ऋ० नाम तथा पता सं०	वकाया राणि
1. स्वर्गीय रहमत खान, रांची	হ ৹ 2,15,561/-
2. मेसर्स जगन्नाय नन्दलाल, रांची	रु० 1,06,159/-
3. मेसर्स जयसवाल ट्रेडिंग कारपोरेशन, रांची	•
4. मेसर्से लक्ष्मी नारायण रामनारायण, रा	
5. मेसर्स ग्रात्मा सिंह, राजेन्द्र सिंह, रांची	रु० 7,43,613/-
6. श्री भ्रब्दुल वसूद खां, जमशेदपुर	रु० 1,40,000/-
7. श्री गजानन्य चौबे, जमग्रेदपुर	₹∘ 1,13,000/-
8. श्री जी० सी० कपूर, रांची	₹∘ 1,03,295/-
9. सरकार सेवा सिंह, रांची	₹∘ 10,79,768/-

सुधाकर दिवेदी, ग्रायकर ग्रायक्त. बिहार-I. पटना प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर्नेक्षण) स्रर्जन रेंज बंगलूर

बगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्देण सं० सी श्रार 62/24130/79-80/ए० मी० नयू०/बी०—यतः मुझे पी० रंगनाथन आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/म्प्प से श्रधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे न० 133 है, तथा जो पहन्दूर श्रग्रहार गांव, के ० श्रार० पुरम होबली स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर दक्षिण तालूक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गपा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रबं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—
2—436G1/79

- श्री एस. रामचन्द्रन, श्रीनिवास स्रचारलू का बेटा,
 त. 30, "सुदर्शनम्," श्री कृष्णराव रोड़, बंगलूर-4।
- 2.
- (2) मैसर्स एम० श्रीनिवास ग्राचारलू श्रौर कंपनी नं० 74, नरसिंह राजा रोड़, बंगलूर-2।

(अन्तरक)

 मैंसर्स चुकेन इंडिया लिमिटेड वांइट् फील्ड रोड़ बंगलूर-48।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त नंक्ति के **ध**जन क सब्ध में कांद्रेशी शाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरों के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

(दस्ताबेज सं० 538/79-80 ता० 16-5-1979)

परिवर्तनीय जमीन तथा जो सर्वे नं० 133, पहन्दूर श्रग्रहार गांव , के श्रार० पुरम होबली, बेंगलूर दक्षिण तालूक, बेंगलूर जिला में स्थित है।

पूरा क्षेत्र 1943.37 चदर मीटर इसमें 958.82 चदर मीटर का हवेली है।

चकअन्दी---पू---में खरीदार की सम्पत्ति

प--में बेचने वाले की बची हुई सम्पत्ति।
 उ--में सर्वे न० 134 श्रौर 1365
 द---में सर्वे न० 122 श्रौर 131:

पी० रंगनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकर्∕द्वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 15-12-1979

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० सी० मार० 24491/79-80/ए सी क्यू /बी---यतः मुझे पी० रंगानाथन आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

र० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 3/1 है, तथा जो नाज टाकीज रोड़ नयी बमबू बाधार बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वाणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बसावनगुडी—560002 रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० 20-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्र प्रतिशत से श्रधिक है श्रोर अन्तरिक (अन्तरिकों) श्रौर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य से उन्त अन्तरिण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त म्रिधिनियम के म्रिधीन कर देने के म्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (ख) को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मुबिधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थांत:— श्री ग्रमीर ग्रमान उल्लीखान 441, दूसरा कास विलसन गारङन, बंगलूर।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स बी० एस० रिफीन्ड मारट मेटल मरचंटस 114/10, नाज टाकीज रोड़ बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्राच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्राच्याय में दिया गया है।

(दस्तावेज सं० 1123/79-80 ता० 20-7-79) घर सम्पत्ति जिसका मुनसीपल स० 3/1, नियो बमबू बाजार बेंगलूर-560002।

> पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक **प्रा**यकर **प्रा**युक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, वंगलूर।

तारीच: 19-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०--

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० 7266--यतः मुझे राधा बालकृष्ण भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जित्तका उचित वाजार मस्य 25,000/- ६० से ग्रौर जिसकी सं० 84, है, जो लायठस रोड़ मद्रास-14 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेलापुर (डाक्मेंट सं० 814/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख में 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मत्य, उत्रके दृश्यमान यतिफान प. ऐ.सं दृश्यमान प्रतिकान हा एउ: إ प्रतिशत से श्रधिक हैं और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—-

श्री राम के० सुद्रमनीयन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० रामलिनधम श्रीर श्रर्दस। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रष्टाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रष्टाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि म्रौर निर्माण 84, लायठस रोड़ मद्रास-14। (डाक्मेंट सं० 814/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-1-80

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एन०-----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज , मद्रास मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 19780

निर्देश सं० 10110—यत: मुझे राधा बालकृष्णन् श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 26/330 है, जो रनधे धौनडर स्ट्रीट कोयमबट्टूर में स्थित है (श्रौर इससे ज्याबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयबट्टूर (डाक्सेंट सं० 2806/79) में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः श्रज्ञ, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात् :— 1. श्री टी० वी० ग्रहनाचला नाठार।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वी० बालसुन्दरम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जुत के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होतो हा, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरणः ---इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

भूमि श्रौर निमाण-26/330, रनधे घौनटर स्ट्रीट कोयमबट्टूर (डाक्मेंट सं० 2806/79)

> राधा वालक्वष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 5-1-1980।

प्ररूप आई० टी० एन० एम०--

ग्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूबना

भारत सरकार

कार्यालप, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, महास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10110--यतः मुझे राधा बालकृष्णन् ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपर्मे इसके परवात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-म्पये से प्रधिक श्रौर जिसकी सं० 26/330है, जो रनघे घौनटर स्ट्रीट को यमबट्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टर (डाकुमेंट सं० 2805/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोका सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए धन्तरित की गई है धीर भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार स्ट्य, उसके दुण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ोे्मे ब्रन्तरण है लिए तप पापा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उसा प्रतारम निजित्ता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गपा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः, अत्र. उस्त प्रश्नित्यमं की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीतः— 1. श्री टी० वी० ग्रहनाचल नाठार

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस. राजगोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके ग्रर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (त) इस सूबना के राजपत्न में प्रशासन,की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचन। के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित कियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि ग्रोर निर्माण 26/330, रनधे घोंटर स्ट्रीट कोयमबट्रर (डाक्सेंट स॰ 2805/79)

> राधा बालकृष्णन् सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 5-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भद्रास मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10110--यतः मुझे राधा बालकृष्णन् श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है जिसकी सं० 26/330, है, जो रनघे घौनटर स्ट्रीट कोयम्बेट्टूर) में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बेटूर (डाक्रूमेंट सं० 2804/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--- (1) श्री टी० बी० ग्रहनाचल नाठार

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० मार्चामी।

(प्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूबना के राजस्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति से हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी हरण:---इसनें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूचो

भूमि भौर निर्माण 26/330 रनघे घौनडर स्ट्रीट कोयमबट्टूर (डाकुमेंट सं० 2804/79)

> राधा बालक्व**ण्णन्** सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 5-1-80

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज मद्रास

मद्रास' दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10096—यत: मुझे राधा बालकृष्णन आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000 / रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 30, हैं: जो कालिठास रोड़ रामनगर: कोयमबट्टूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनूसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है): रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालयः कोयमदट्टूर (डाक्स्मेंट सं० 2078/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन) तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरिकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

न्नतः भ्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :-- 1. श्री ए० जोसफ मुलुरियन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जी० वसनता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणित की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्तिं में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही मर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 30 कालिठाम रोड़: रामनगर:कोयम**बट्टू**र (डाक्मेंट सं॰ 3078/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजनरोज मद्रास

तारीख: 4-1-80

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन, रेंज मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1980

निदश सं० 10204---पतः मुझे राधा बाल्कृष्णन अत्यक्त शिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, िरवाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राये से अविक है, ग्रीर जिसकी मं० एम० एफ० मं० 1193 बी० है: जो सेना तिपा**लयसमें** स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है): रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. कानधयम (डाक्मेंट सं० 988/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुश्रेयक्तिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के वाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजिखित उद्देश्य से उना ग्रन्तरण लिखा में बासाबित रूप से रुथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपानें में संविधा के लिए '

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुषरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थीत्:—

- 1. श्री पी० के० कुमारस्वामी पोश्रुस्वामी पेरियस्वामी। (ग्रनरक)
- 2. श्री के० रा० मुब्बराय घौटर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पनि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां हरता है।

उक्त सम्यति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष :--

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अचित्र या तत्त्वंत्रंत्री व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध्न, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास जिखान में किये जा सकेंगे।

 क्रांडीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिमाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण एस० एफ० सं० 1193 बी० ौुसेनापती पालयम ।

(डाकूमेंट सं० 988/79)

्राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ृश्चर्जनरोंज मद्रास

तारीख: 4-1-1980

प्रकर वार्षः टी॰ एन॰ एव॰----

बायकर प्रवित्यम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-म (1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज महास
महास दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10106--मत' मझे राघा बालकृष्णन लायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त धविनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उवित वाचार मृस्य 25,000/- व॰ से मधिक दै शीर जिसकी सं० 47 बी०: कृष्णरायपुरम है, जो अवनाशी रोह में स्थित है (मीर इससे उपावस अनुसुधी में मीर पूर्ण रूप से वर्णित है): रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालयः कोयमबट्टूर (बाक्मेंटसं० 2734/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रविनियमः 1908 (1908 का 16) के प्रधीनः तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृह्य से कम के बुश्यमान प्रतिक्रम के निए धन्तरित की नई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यबापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से मबिक है भीर शन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा बवा प्रतिक्रक,

(क) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की बावत करत अधि-निवन के सभीन कर देने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविका के जिलें। सीर/या

निम्निकिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में यास्तिक

कप से कविन नहीं किया गया है:--

(था) ऐडी किसी आय या किसी धन या अश्व धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर घडिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर घडिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तियी द्वारा प्रकट नहीं किया थया वा, या किया जाना चाहिए वा, जियाने में स्विधा के बिवे;

अतः धव, उच्त अधिनियम भी क्षारा 269-म के धनुचरन में, मैं, उच्त अधिनियम, की घारा 269-च की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखिन गरिन्नमों, प्रजीत :---- 3---436 GI/79

1. श्री टक्कैट प्लासटिक्स लिमिटेड।

(ब्रस्तरक)

2. मैसर्स प्रामा ईनडस्ट्रीज (पी०) लिमिटेड। (धन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप:---

- (क) इत सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी जाने 45 दिन की सर्वाध या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की सर्वाध, जो भी प्रविध बाव में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धम्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास विकात में किये जा सर्केंगे।

स्पव्यक्तिस्य :--इसमें प्रयुक्त प्राव्दों भीर पदों का, जो उक्त अक्षितियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा, मो उस भव्याय में विया गया है।

यनुसूची

भूमि झौर निर्माण 47 बी: कृष्णरायपुरमः झबनाशी रोड़ः (बाकूमट सं० 2734/79)

राधा बालकृष्णन सक्तम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त, (निरीक्षण), द्यर्जन रॉज मद्रास

तारीष: 4-1-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ध(1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज मद्रास

मद्राम, दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10208---यत' मुझे राघा बालकृष्णन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संति जिसका उचित वाजार मृष्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5/38 है: जो नारतपेट रोड़ सतयमनजलम, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपानद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है): रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतयमनघलम (डाकू में टंस० 984/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यया पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है गौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उच्द धन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से काथत नहीं सिया गया है:—

- (क) अस्तरण से धुई किसी भाय की बावत चनत भ्रष्ठिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः सब, उकत अधितियम, श्री धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त सिंधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन िमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् म्— 1. श्रीमती रकमनी।

(श्रन्तरक)

2. श्री हाजी जनाबः हिदायस्तुला साहिसः टी०पी० एस० श्रबदुल जफार श्रनवारी श्रमानुस्ला। (श्रग्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अकृत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी पाक्षेप:--**

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वाडीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त ध्रितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ध्रह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण मशीनरी 5/38, नारतपेट रोड़ः सतयमनघलम (डाक्सेंट सं० 984/79)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैनरेंज मद्रास

ता**रीख: 4-1**-80

प्ररूप धाई ० टी ० एन ० एस ०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० 8611---यतः मृझे राधा बाल कृषन,
ग्रायकर घिषिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/६० से ग्रिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० करिकार निर्माण है, जो जवाहरलाल नेहरू स्ट्रीट पांडिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है): रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाक्सेंट सं० 876/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह श्रितशत से श्रिष्ठिक है और अग्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रग्तरण लिखित में वास्तक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षितियम, के भिन्नी कर वेने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- ंख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) हैं के प्रयोजनाय ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रव, उक्त घितियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मधितियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :— 1. श्रीमती राजी, सहसरम श्रीमती सीतालकरामी करिकार।

(श्रन्तरक)

2 श्रीमती जयशरी

(मन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्रक्षप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर समात्ति में हितबद्ध किसो प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण:--- इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्यं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि मौर निर्माण जवाहरलाल नेहरू स्ट्रीट पांडिचरी (6/25 शेर) (डाक्मेंट सं० 826/79) है।

राधा बालकृष्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्रजन रज-Ц, मद्रास

तारीख: 8-1-80

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० 7238---मतः मृक्षे राष्ट्रा बालकुष्त बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्त घिशनियम' कहा नवाहै), की छारा 269-वा के मधीन सवाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका चित्रव बाजार मूल्य 25,000/- ४० से मिक है **ब्रोर** जिसकी सं० 40, फरस्ट, मोविन रोड़ इन्दीरा नगर है, जो मद्रास-20 में स्थित है (भीर इससे उपाबक में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सैवापेट (डाक् मेंट सं० 2220/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरणः अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि पंचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ब्राधक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्तन, निम्नक्षियित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरथ निवित में गस्त-बिक रूप से कथित नहीं किया बना है।---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायिस्व में कपी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम, या धन-कर धिवनियम, 1957 (1987 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविज्ञा के निए;

भतः भव, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुव सरम में, मैं, जनत अधिनियम की बारा 269-म की अवधारा (1) के अधीन, निज्निकित व्यक्तियों, अधीत्:— 1. श्री के॰ पारतसारती।

(मन्तरक)

2. डाक्टर एस० महादेवन।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी लरके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत मंपति के घर्जन के संबंध में कोई मी घाडोप।--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी अपनितयों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हिन-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पद्धीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, श्रो जनत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, यहीं मर्थ होगा को उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

भूमि भ्रीर निर्माण 40, फरस्ट मियन रोड़ इन्दीरा नगर, मद्रास-20 (बाकूमट स॰ 2220/79)।

> राधा बालकृष्त स्वाम प्राधिकारी; स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीकण**); ग्रजैन रैज-II_, मक्रास ।

तारीख: 8-1-1980

अक्प धाई० डी० एत० एस०~~~~ आयक्तर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के सधीत सुवना

मारत स**रका**र

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्वेश सं० 10103--- मुझे राश्वा बालकृष्णन, प्रायकर मिलिनन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्बात् 'उन्त मिलिनन' कहा गया है), की बारा 269-ख के अश्रीत सभन प्राधिकारी हा, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

मोर जिसकी सं 17 है, जो कुरु ठमपालयम में स्थित है (मौर इससे उपावद में मौर पूर्ण रूप से विणत है): रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बदूर (डाक्मेंट सं 2810/ 79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उक्ति जा जार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है और मुझे यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूल्य, जसक पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पग्नह प्रतिगत से भिष्ठक है भीर भग्तरक (भग्तरकों) और अग्तरिसी (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिबित उद्देश्य से उक्त भग्तरक सिबत में वास्तिक रूप से किवत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धान को बाबत, इनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविज्ञा के लिए; बौर/मा
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी धन वा धन्य घास्त्यों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घंधिनियम, धा बत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए।

नतः घनः उन्त प्रक्षिनियम की बारा 269-य के प्रमुक्तरण में, में, उन्त प्रक्षिनियम की धारा 269-न की उन्हारा (1) प्रधीन निम्मनिष्ठित व्यक्तियों, अनौतः—

- 1. मै॰ बिहारी वैनकटेश्वरा मैटल इन्डस्ट्रीज (धन्तरक)
- मसर्स हिन्दुस्तान टैक्सटाइल।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प**ति के मर्ज**न केलिए कार्यगाङ्कियों करता हूं।

उन्त सम्वति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की भवधि, को भी मबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब क किसी अन्य व्यक्ति कारा, भधोहरता करी के पास निश्चित में किए जा सकते।

श्यक्तीकरण.----इसमें प्राकृत सक्तों और पर्वो का, यो उनत मिन-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही सर्थ होगा जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

प्रमुसुची

भूमि और निर्माण एस० एफ० सं॰ 292/1, कुइठम-पालयम (डाक्मेंटसं॰ 2810/79)।

> राधाबाककृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक सायकर भागुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज-ग्रा. मज्ञास

ता**रीख: 8-**1-80 मो**इ**र:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 4 जनवरी 1980

निदेश सं० 10339—यतः मुझे राधा नालकृष्णन् आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० एस० एफ० सं० 540 सीर 541/2 है, जो सेनघनूर में स्थित है (स्रोर इससे उपायद्व में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कांचिपुरम (डाक्सेंट सं० 1670/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 16 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर अन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के लिए;

भतः प्रव, उक्त भ्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण मैं, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रदीन, निम्मलिखित व्यक्तियों घर्षात् :--- 1. श्री जे० डी० बालाक्रुज्णन्।

(भन्तरक)

2. श्री एल० कवकमल्लान झौर एल० रामन। (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्बद्धि के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ब) इस सूबता के राजगत में प्रकाशत की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-वद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

भूमि एस० एफ० सं० 540 भीर 541/2, सेनभनूर, कोयम्बदूर (40 सेनहस) (डाक्स्मेंट सं० 1670/79)।

राधा बालक्वष्णन्, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त(निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-ग्रा, महास

तारीख: 4-1-80

मोहर

शक्य माई• टी० एत• एस•-----

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के सधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्वेश सं० 10205—यतः मुझे राधा बालकृष्म्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रतिवियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रतीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर नंपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृह्य 25,000/- व॰ से अधिक है

द्विधीर जिसकी सं० 12, 4, 19, है, जो चिकठासमपालयम
में हुपालयम में स्थित है (धीर इससे उपावद में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गेट्टूपालयम
(डाक् मेंट सं० 893/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दुश्यमान
अधिकत के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके
वृश्यमान अतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान अतिकत्त का पन्तह अतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया कया
अतिकत, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरक निचित में
बाह्यविक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, सबत अधि-निवम, के प्रधीन कर बेने के धन्तरफ के बायिरव में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा काहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, एक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, एक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्रीमती मेहरबीसा साहिक।

(मन्तरक)

2. श्री एस० रामकृष्णन्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति ने धर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अस्य व्यक्ति दारा, अवीत्स्ताक्षरी के पान लिखिन में किये जा सकों।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पद्यों का, को छक्त धिश्वित्यम के प्रक्रमाय 20-क में परिकाणित हैं, वहीं धर्ष होंगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि मौरनिर्माण 12-4-19 चिकठासमपालयम मेट्टूपालयम (जाकूमेंट सं० 893/79)।

> राधा वालकृष्न्, सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख 4-1-80 मोहर:

प्रकप नाई • टी • एत • एत •---

भागकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रयः, सहायक प्रायंकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनाँक 4 जनवरी 1990

निर्वेश सं० 10117--यतः मुझे राधाबालकृष्न् धिवनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के संधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मुख्य 25,000/- ध्यमें से धविक है भौर जिसकी सं० 4/2, सी० बी० ई० और एफ० कोनड-स्वामी ग्रम्थर है, जो रोड़, रोमनातपुरम कोयम्बद्दर में स्थित है (भीर इससे उपावद भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता झिकारी के कार्यालय, कोयम्बेट्र (हाक्मेंट सं० 2604/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के बुश्यमान प्रशिक्त के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सध्यत्ति का उचित बाजार मुक्य, बसके बुक्यमान प्रतिकत से ऐसे 🖢 बुश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिकत से प्रधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) धीर धन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच वेशे घरतरम के जिए तय पाया गया प्रतिकत, निकालिक बहेश्य से उश्त अन्तरक लिखित में वास्तविक अप से कविक नश्ची किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किशी प्राय की बाबत उपत श्रीविषय, के श्रीच कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविज्ञा के लिए; धीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्य आ किसी की, जिल्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम पा भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना कादिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उन्त अधिनियम, की बाख 269क्न के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269क्न की उप-ब्रारा (1) के अधीन, निम्हतिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— 1. भी० भी। राजसब्मी।

(अन्तरक)

2. श्री एम० मेरी तबमनी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की घनिंछ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी घनिंछ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीसर उक्त स्थायर सम्पत्ति
 में हिसबद किसी शन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्थानी करण :---इसमें प्रयुक्त शान्यों भीर पर्दों का, जो उनत जाधि-नियम के भक्ष्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा, को उस मन्याय में विज्ञा गया है।

वनुसूची

भूमि और निर्माण 4/2, सी॰ डी॰ ई॰ श्रीर एफ॰ कोनड-स्वामी श्रय्यर रोड़, रामनातपुरम कोयम्बट्र (डाक्सेंट सं॰ 2604/79)।

> राधा बालकृष्त् सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)**, ग्र**जैन रेंज-**II_, मद्रास

तारीख: 4-1-80

मोह्नर:

प्रकप भाई • ही • एन • एस • ----

मायकर मधिनियम, 1961 (1981 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-II मदास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10211--यतः मुझे राधा बालकुष्न आयकर ग्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका कारण है मूल्य 25,000/- **र**पये से ग्रधिक ग्रीर जिसकी सं० मुरूधन रैस मिल है, जो उतुकुली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उत्कुली (डाक्मेंट सं० 79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के **पु**रयमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दुक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से ग्रधिक है गौर धन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (घन्तरितियों), के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रभीत कर देने के भ्रन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (आ) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रषोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उम्न ग्रिशियम की धारा 269-म के ग्रमु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 4—436GI/79 1. श्री टी० एम० मृतुमारपप मुदलियार।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० मार० मारपपन।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कीई भी प्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अबिन या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवित जो भी श्रवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ स्थावन दारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ना मर्जेंगे।

अन्सको

भूमि भौर निर्माण—भी मुख्यन रैस मिल उतुक्तुसी (डाकू-मेंट सं० 301/79)।

> राधा बालकृष्णन् सक्षम प्राविकारी, सङ्घायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 4-1-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रामकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं॰ 10201--यतः मुझे, राधा बालकृष्न, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बॉजार मुल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 12 बी० है, जो बारती रोड वीरप्पन चटरम, ईरोड में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता कृधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाक्मेंट सं० 2148/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रविकाल के लिए अन्तरिय की गई है और मुझे य (विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफन का पश्चक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) बौर भग्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐंसे धन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकिल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में अध्यक्ति रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (६) यन्तरण से हुई किसी याय की बावत उपत अधि-मियम के प्रधीन कर देने के प्रायरक के दायित्व के कमी करने या उसने सचने में सुविज्ञा के खिए। धौर/या
- (क) ऐसी किसी भाव या किसी बन या भाव्य वास्तिनों को जिन्हें भारतीय आयकर घिषिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत ग्रिधिनियम, या धन-१९ ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ ग्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, छक्त ग्रजिनियम की श्राःर 2 29-ग के अनुसरण में, में उत्तत ग्रशिनियम की श्राःरा 269-व की छपशारा (1) के अज्ञीन निम्निविता व्यक्तियों, अर्थातः ---

- श्री ए० के० विस्थानातन , ए० के० भ्रलिघरिस्वामी । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री बी० के० रनघस्वामी।

(म्रन्तरिती)

की यह मूजना जारी करके र्भी न परानि के पर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त मंपत्ति के मर्जन के संबंध में छोई भी पाक्षेत :---

- (क) इप सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारी सा से 45 दिन की भविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ को भी जबिश्व बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बाद होती हो, के श्रीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बादा;
- (ख) इस सूवना के राजपन्न में न्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकन स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण --इसमें प्रयुक्त पार्वी और पर्दो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-मावित हैं, बही अर्थ हीगा, जो उस पान्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 12 बी० बारती रोड वीरप्पन चतर ईरोड। (डाक्मेंट सं० 2148/79)।

> राधा बालकृष्णनं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनाा, रेंज मद्रास

तारीख: 4-1-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंजा मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10203-यतः मुझे राधा बालकृष्नं, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपये भौर जिसकी सं० 114 है, जो कटचेरी स्ट्रीट ईरोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबन्द् अनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इरोड (डाक्मेंट सं० 2182/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से श्रधिक **है धौ**र भन्तरक (भन्तरकों) श्रौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भाष्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अध, जैनत मिनियम की धारा 269-म के सनुतरक में, में, जनत प्रधिनियम की धारा 269-म की खन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री ए० पी० नल्लस्यामी, एन० राधाकुष्नं, एन० रविशंकर।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री एम० सेलवराज
 - (2) एम० सौन-द्रराज
 - (3) एम० वेनुगोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण-114, कटचेरी स्ट्रीट ईराङ। \cdot (डाक्मेंट सं० 2182/79)

राधा बालक्वष्णन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षम आपुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मब्रास

तारीख: 4-1-80

प्ररूप भाई । टी । यून । एस ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रमीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायस आयसर आयुक्त (निरीकन)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 जनवरी 1880

निर्वेश सं० 7315---यतः मुझे राधा बालकुटनं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर महाति जिन्ना उधिक वाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 103 (घनपट निर्माण) है, जो नुनवनपाखम ईरोड मद्रास-34 में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, टी नगर (डाक् मेंट सं 698/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए पन्तरित की गई है मौर मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (प्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (भ्रम्परितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण, जिखित में बास्तविक कप से अधित नहीं किया गया है :──

- (क) प्रश्तरण से तुई किसी बाय की वावत, उनत प्रवि-निवम में प्रश्नीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या इससे वचने में बुविधा के बिए; सीर/या
- (च) ऐसी चिसी प्राय या किसी धन या प्रश्य प्राक्तिकों को जिन्हें भ्राय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उपत खिलियम, या अन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए जा, कियाने सुविधा के लिए;

धतः धवः, उन्त घषितियम की घारा 269-म के प्रमुतरण में, में उन्त घषितियम की घारा 269-म की उपधारा (1) वे घषीन निम्मसिक्ति व्यक्तियों, प्रचति:--- 1. होटल घनें (पी) लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री मृद्येश नरेन्द्रन।
 - (2) श्री नरेश नरेन्द्रन।
 - (3) श्री रमेश नरेन्द्रन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के सिए कार्यनाहियां कृषता हूं।

बक्त सम्प्रति के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकेंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उनत भिन्न नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पारेशन-945 स्कोयर फीट घनपट निर्माण-103, नुनमम-पाखम है ईरोड, मद्रास-34। (जाकुमेंट सं० 698/79)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन रेंजःII, मद्रास

तारी**च**: 5-1-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, विनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 7294—यतः मुझे राधा बालकृष्नं भागकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के भाषीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-द० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी स॰ 136/137, है, जो हबिबुल्ला रोड, मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूकी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी॰ नगर (डाकूमैंट सं० 603/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख मई 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तिरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है: ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशिनियम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ऋतः स्रव, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रयोत्:—-

- 1. भी डाम्टर के० नढराजन फार बी० सुन्दरराजन। (म्रन्तरक)
- 2. भी भी० रामचन्द्रन

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकह.
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरूताक्षरी के पास
 लिखिदा में किए जा सकेंगे।

हपक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों भौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के आध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

भूमि 136/137, हिबबुल्ला रोड, मद्राम-17 (डाकुमेंट सं॰ 603/79)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मन्नास

तारी**ख:** 5-1-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०→--

ज्ञायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के ग्राधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10224---यतः मुझे राधा बालकृष्नं भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

मौर जिसकी सं 0 30/209 है, जो सुखिखापेट स्ट्रीट कीयम्बट्ट में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्ट (डाक्मट सं 0 2464/79) में रजिस्ट्रीकरण मिंधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिफत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मौर प्रन्तरितों (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनयम के भ्रिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रवः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के धनुसरण में में, उक्तं ग्रिधिनियमं की धारा 269-घं की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अथौत्:— 1. श्री कुनजाहमद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एल॰ ग्रहनाचलम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (ह) इन सूबना के राजयत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्दो का, जो उक्त ग्रिश्विताम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण 30/209, सुखिखारपेट कीयम्बटूर (डाक्मेंट सं० 2464/79)

> राधा बालक्रुप्नै सक्षम द्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रज-II, मद्रास

तारी**च**: 4-1-1980

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•----

आयकर **घिनियम, 1961 (1961 का 43) की** घारा 269-च (1) के घधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-114/14क, असफअली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जनवरी 1980
निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/॥/मई-79/5392---

यतः मुझे, श्रार० वि'० एल० श्रग्रवाल, आयकर श्रिष्ठित्तम्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खन्त श्रिष्ठित्तमम' कहा गया है); जी श्रारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका दिवस बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिष्ठ है श्रीर जिसकी सं० 16/5 है तथा जो वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्तमम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 30 मई 1979 को

पूर्वोक्त नम्पलि के उबित बाजार भूरण से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यबापूर्वोक्त मम्पलि का उचित बाजार मूस्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत धिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती
(सन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निखित में
बास्तविक रूप से कथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आयकी बाबत उक्त श्रीधिनियम के श्रीकाल कर देने के श्रान्यरक के वाधिस्व में कमी करने या उससे श्राचमे में सुविधा के जिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी वन या घन्य भास्तयों को जिन्हें भारतीय मायसर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधितियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, जिन्ना म सुविधा के लिए;

नतः सन, उक्त धार्मानयम की घारा 269 में अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम, की घारा 269 च की उपधारत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रो सुभाष चन्द्र पुत्र श्रो हरबंश लाल वधवा श्रीर श्रीमतो स्वर्ण कान्ता पत्नी श्री सुभाष चन्द्र निवासो 16/5 वैस्ट पटेल नगर, नई विल्लो।

(म्रन्तरक)

2. श्री पृथ्यो राज कथातरा पुत्र श्री बिहारी लाल कवातरा नियासी 34/32 बैस्ट पटेल नगर नई, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से, 45 दिल के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पों का, जो उक्त अधिनियम के घड़्याय 20-क में परिचाणित हैं, नहीं घर्ष होगा, जो उस घड़्याय में विया गया है।

अमुसुची

सरकरी मकान नं० 16/5 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में हैं जो कि निम्नलिखित प्रकार से धिरा हुआ हैं:—

उत्तर—रोड

दक्षिण—सरकारी मकान नं० 16/4
पूर्व—विंवस लेन
पश्चिम—रोड

ग्रार० वी ० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 14-1-80

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

माध्यकर मिश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II नई दिल्ली,

नई दिल्ली:-110002, दिनांक 14 जनवरी: 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/मई-79/5330— यत: मुझे, म्रार० बी० एल० म्राप्रवाल भायकर मिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269—ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्म 25,000/— ६० से पश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० डों०-6/2-ए० है तथा जो राणा प्रताप बाग सब्जीमण्डो बिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप सेवसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रसिशत से घधिक है और अन्तरित (अन्तरितों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या घन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्तं भिधिनियम, की धारा 269--ग के भनुसरण में, म उक्तं भिधिनियम की धारा 269--थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथौत् :--- श्रो श्रोम प्रकास सिंगल पुत्र श्रो क्लिया राम सिंगल निवासी भकान नं०डी०-6/2-ए राणा प्रताप बाग, मञ्जीमण्डी, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती चालती देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री राम कुमार गोयल, श्रीमती नरबदा देवी धर्मपत्नी श्री बनवारी लाल गोयल श्रीर श्रीमती पारवती देवी धर्मपत्नी श्री भोला राम निवासी मकान नं० ए-11, सी० सो० कालोनी, दिल्ली।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण :--इलमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो अन्त श्रीधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2 1 मंजिल मकान नं० डी०- 6/2-ए उस के साथ मुनीस्पल नं० 604 राणा प्रताप बाग, गरांड ट्रंक रोड के ऊपर इलाका सब्जी मण्डी विल्ली में स्थित है। जो कि निम्नलिखित प्रकार से घरा हुआ। है:——

उत्तर--- मकान ण्लाट नं० डीं-6/1। दक्षिण--- मकान ण्लाट नं० डी०-6/2। पूर्व--- रोड। पश्चिम---- मकान ण्लाट न० डीं०-6/15।

> भ्रांर० बी० एल० भ्रभ्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज-II, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

ता**रीख**: 14-1-80

त्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रांयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, दिल्ली,

नई दिल्लों, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/II /मई-79/5292— ग्रतः मुझ ग्रार० बीं० एल० श्रग्रवाल ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है

धीर जिसकी सं० की-1/4 है तथा जो राणा प्रताप बाग दिल्लों में स्थित हैं (प्रीर इसमे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, जक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन किर देने के श्रम्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रस्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् — 5—436GI/79 1. श्रीमती संमा मनीचा धर्मपत्नी श्री वरिन्त्र कमार मनीचा निवासा डां 1/4 राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (ग्रन्तरक)

2. श्री दराये लाल कालरा पुत्र श्री लदा मिह कालरा मंजीव कुमार कालरा पुत्र श्री दराय लाल कालरा डी०-6/8 राणा प्रताप बाग, विल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त ने प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तों और पर्दो का, जो उक्त शक्षितियम के शब्दाय 20-क में परिभावित हैं, बही शर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान न॰ डी॰-1/4 राणा प्रताप बाग, दिल्ली, गांव का एरीया सयोरा कलान, महलदार खान गार्डन दिल्ली जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है: --

उत्तर—रोड़ 30'। दक्षिण—जीलावती का मकान। पूर्व—मकान प्लाट नं० डी-1/5। पश्चिम—मकान प्लाट नं० डी-1/3।

> श्रार०बी० एल० श्रप्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-1-80

वक्रव धाई• टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के भाषीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक घायकर घायुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज-II दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एनयू०/-11 मई-79/5307---यतः मुझे, भ्रार० बी० एल० भ्रग्रवाल, आयकर पश्चिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के पश्चीन सक्तम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, **व्यस**का उनित बाजार मृहय 25,000/- ४० में अधिक 🛊 और जिसकी सं० 30/15-ए० है, तथा जो वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली रजिस्दीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9 मई 1979 के उचित बाजार मृल्य को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए अस्तरित कम के दृश्यभान प्रतिफल गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उतित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे, से दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, ग्रीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्धरग के जिए तय पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अ तरण निवित में बास्थिक 🐙प संकथि। नहीं किया पमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वाबत उस्त प्रक्षितियम, के अधीन कर वेने के बन्तरक के वाबिश्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन वा प्रन्य शास्त्रियों को, जिम्हें भारतीय शाय-कर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनयम, या धन-कर ग्रामियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना वाहिए था, छिमाने में सुविधा के सिए।

ं अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री सुरजीत लाल पुत श्री राम लाल निवासी 30/ 15-ए० वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री भीम सैन पुत्र श्री भोला राम निवासी 90 वासदेव नगर, श्रन्धा मुगल, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के बर्जन के लिए नार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आयोग !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की सविधे या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की सबिध जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में धकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 ब्रितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिवित में किये का सक्रों।

स्पष्टीकरण: -- इसमें अयक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के सब्साय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

गर्वनमेंट क्याटर नं० 30/15-ए० बैस्ट पटेल नगर दिल्ली में है। जोिक निम्नलिखिन-प्रकार से घरा हुआ है:

उत्तर—रोड। दक्षिण—जी वी० पी० पूर्व--रोड। पश्चिम--सर्विस लेन!

> श्रार०बी० एल० भ्रग्नवास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-II, दिल्ली , नई दिल्ली ।

तारीख: 14-1-80

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ---

धायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/मई-79/5357— यतः मुझे, आए० बी० एल० अग्रवाल,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

म्नार जिसकी सं० 26-ए है, तथा जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23 मई 1979

ताराख 23 मध 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है ग्रार मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक
रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सब, सबत अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, भायकर सिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :--- श्री चिमन सिंह पुत्र श्री खेरा सिंह निवासी डब्ल्यू० जैड़-59 गुरू नानक नगर नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

- 2. श्री ओम प्रकाश
 - (2) श्री वेद प्रकाश
 - (3) श्री राजीव कुमार पुत्त श्री मालक राम ए-27 राजौरी गार्डन नई दिल्ली, राजीव कुमार नाबालिग जरिये गार्डियन, श्रीमती सुमित्रा देवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति हारा, घ्रधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्ववहीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

थनुसूर्या

एक प्लाट जिस का क्षेत्र फल 224} वर्ग गज है जिसका 3/4 हिस्सा नं० 26-ए० ब्लाक ए० राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है। जोकि निम्नलिखित प्रकार से घरा हुमा है:—

उत्तर—रोड

पूर्व-प्लाट नं० ए-27

दक्षिण--प्लाट नं० ए०-26 श्रीर ए०-27।

पश्चिम-प्लाट नं० ए०-26।

भ्रार० बी० एन० ग्रग्नवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ज**: 14-1-80

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/П मई-79/5294---यतः मुझे, भ्रार० वी० एल० भ्रम्रवाल, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० 7-ई० है तथा जो मानसरोवर गार्डन नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 7 मई 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से स्रधिक है स्रौर यह कि अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के निर्तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, भें उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- श्री हरी सिंह भयाना पुत्र श्री नानक सिंह भयाना निवासी 149 सैक्टर नं ० 116 फरीदाबाद हरियाणा । (श्रन्तरक)
- 2. श्री पवन कुमार गोयल पुत्र श्री बदरी दास गोयल निवासी 26/146 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डोकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक प्लाट नं० 7/ई० जिसका क्षेत्रफल 433.3 वर्गगज मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है। जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुम्रा है।

उत्तर—रोड पूर्व—प्लाट नं० ई√8 दक्षिण—लैन पश्चिम—प्लाट नं० ई√6।

> आर० वी० एल० ऋग्नवाल , सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I^I दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 14-1-80

प्रकप भाई॰ ही॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन-II रेंज दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ मई-79/5342 ---यतः मुझे, श्रार० बी० एल० अग्रवाल

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'जनत मिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-श्पये से श्रीधिक है

और जिसकी सं० सी-4 है तथा जो नेहरू रोड़ श्रार्दश नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 मई 1979

की पूर्वीतत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यद विश्वास इरने का कारण है कि यथापूर्वीतत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश से उन्त प्रन्तरण निवित में गस्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आप की बाबत उनत अधि-नियम के प्रश्रीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्त्र में कभी करते या उससे बचने में बुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यत: यव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:---

- श्री बिहारी लाल चावला पुत्र श्री सांगी राम चावला श्रीरश्री किशन पुत्र श्री बिहारी लाल चावला, निवासी सीं0-41 नेहरू रोड़ श्रार्दश नगर दिल्ली-33। (श्रन्तरक)
- 2. श्री राम कंवर कंशल, श्री जय किशन कंशल श्रीर रोशन लाल कंशल पुत्र श्री पाले राम कंशल निवासी वी-10 महात्मा गांधी रोड़ झार्दश नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 ब्रिंग की अविधि, ज भी अविधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे !

स्ववडीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो जक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० सी०-41 नेहरू रोड ग्रार्दश नगर, दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 200 वर्गगज है जिस के खसरा नं० 262/263/238/217/4 भरीला दिल्लो स्टेट दिल्ली में है। जिसके पांच कमरे, रसोई, टठीखाना, स्नानगृह, दो दुकानें ग्रीर कोर्ट्यार्ड, सीवर इलैट्रिक, ग्राउन्ड फलौर के ऊपर ग्रीर स्टेयर केश ग्रीर वरसाती पहली मंजिल में है। जोकि निम्नलिखित प्रकार से घरा हुग्रा है।

उत्तर—सर्विस लेन पूर्व—मकान नं० 42 दक्षिण—नेहरू रोड़ और पार्क पश्चिम—मकान नं० 40

> ग्रार० वी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-^{II}, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-1-80

अक्षप भाई • दी • एन • एस •---

आयकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के भिवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-II विल्ली

नई दिल्ली-1110002, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/II/मई-79/5301 — यतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल श्रायकर श्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-वा के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि न्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

७० से अधिक है

और जिसकी सं० वी-21 है तथा जो आवंश नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिका, तारीख 8 मई 1979

को पूर्वोक्त संयत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अश्रारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ट संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिलिख उण्ह्येय से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत सकत श्रीध-नियम के धर्धान कर वेने के सन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के श्रिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट ही किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिश्वा के लिए।

अक्षः न्यम, उनत आंध्रतियम की धारा 269-ग के जनु-सरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-र की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- 1. श्री रामा कांत वागरिया पुत्र श्री मातादीन वागरिया नं० 40 वी० डी० एस्टेट, लखनऊ रोड़, दिल्ली) । (श्रन्तरक
- 2. श्री प्रेम नाथ चोपड़ा पुत्र श्री जीवन दास निवासी 4532 ग्रार्थापुरा सब्जी मण्डी दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत् सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में अकाशन की तारीख से 46 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

भपन्तीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिमाणित हैं, बही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विषा गया है।

अनुसर्ची

एक प्लाट नं० सी०/21 जिस का क्षेत्रफल 400 वर्गगज कौटिज रोड़ के ऊपर म्रार्ट नगर दिल्ली में स्थित है।

> ग्रार० बी० एत० अग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज- विली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-1-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II दिल्ली

नई विल्ली-, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I मई-79/5312—
यतः मुझे, आर० यी० एल० श्रग्नवाल
श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'जिससे इसमें
इसके परवास् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है
और जिसकी सं० 24/21 है तथा जो शक्ति नगर दिल्ली में
स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिन है),
रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयनान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीध-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रजः, उक्तं मधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्तं मधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, मर्यात्:— श्री राम नाथ पुत्र श्री दाल चन्द निवासी गांव नांगलोई दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री सुख लाल पुत्र श्री लाहरी सिंह निवासी 23/3 जी० टी० रोड शक्ति नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :→→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक की होलंड भूमि का हिस्सा प्लाट नं० 21 ब्लाक नं० 24 (24/21) जिस का क्षेत्रफल $33'\times9'\times90'\times00$ 250 वर्ग मीटर शक्ति नगर दिल्ली में है (रोशनग्रारा एक्सटेन्शन स्कीम दिल्ली) जोकि निम्नलिखित प्रकार से घरा हुन्ना है।

पूर्व-सर्विस लेन पश्चिम--प्लाट नं० 24/20 उत्तर--सर्विस लेन दक्षिण---रोड़।

> ग्रार० वी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 14-1-80

प्रकप भाई। टी। एतः एसः ---

भायकर प्रधितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक प्रायक्तर अध्युक्त (निरीक्षण) प्रजन रंज-II दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० मी० /एक्यू०/11 /मई-79/5314 यतः मझे, श्रार० वी० एल० श्रग्रवाल आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मरूप 25,000/- व्यये से अधिक है और जिसकी सं० 24/20 है तथा जो प्लाट नं० 20 ब्लाक नं 0 24 शक्ति नगर दिल्ली में स्थित है (घौर इससे उपावड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 10 मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दुश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिस है और पन्तरक (अन्तरकों) पीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय

(क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधितियम के घंधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उशत प्रश्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए बा, छिपाने में सुजिधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिर्धिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री राम नाथ पुत्र श्री दाल चन्द निवासी गांव नांगलोई दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. चौधरी प्रताप सिंह पुत्र श्री कवर सिंह निवासी 25/103 शक्ति नगर, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के सर्वन के लिए कायवाहियां करता हूं।

वन्त सम्पत्ति के ग्रर्भन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तारी ख से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी अविधि द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के प्रीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसर्में प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 20 ब्लाक नं० 24 (24/20) जिसका क्षत्र-फल $33'\times9''\times80'-8''-250$ वर्ग मीटर शक्ति नगर में स्थित है जोकि निम्नलिखित प्रकार से बिरा हुआ है

पूर्व---ध्लाट नं० 24/21 पश्चिम----रोड़ उत्तर---सर्विस लेन विक्षण----रोड़

> श्रारः बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, विल्ली, नई विल्ली-1

तारीख: 14-1-80

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

श्रायकर प्रक्षिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज,-I दिल्ली

नई विल्ली-110002, दिनोक 10 जनवरी 1980

निवेंग सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/-1-1-80/986---यतः मुझे जी० सी० अग्रवाल द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात 'उम्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र० से अधिक है

और जिसकी सं॰ हिस्सा नं॰ 110 (पहली मंजिल) है, तथा जो डी० एस० एफ० हाऊस, 40 एथ कनाट पलैस नई दिल्ली में स्थित है (धीर इससे उपाबक्क अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीफरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिकल से ऐसे दूश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, अधिनियम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक दायित्य में कमी करने या श्वससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर मधिनियम, (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) यधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमीत्:----

6-436 GI/79

1. मैसर्स डी० एल० एफ० युनाईटिड लि० 21-22 नरिन्द्रा पैलेस पार्लियामैंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री शेख काशिजुद्दीन व शेख, ताजुद्दीन पुत्र श्री शिजाजु-हीन निवासी के०-116 होज खास इन्कलेय, नई दिस्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की प्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पध्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही भ्रथें होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा नं 110 (पहली मंजिल) सामने की बिरिडग, जी एस एफ हाऊस 40 एफ, कवाट पैलेस, नई दिल्ली क्षेत्रफल 365.06 वर्गफुट निम्न प्रकार स्थित है:---

उत्तर--रास्ता दक्षिण-नूसरे की प्रापर्टी पूर्व—हिस्सा मं० 109 पश्चिम---शिस्सा नं 111

> जी० एस० मग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-80 मोहर

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० श्रार्ड० ए० सी०/एक्यू०/- / 1-80/985---यतः मुझे, जी० सी० श्रग्रवाल

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रभोग एका गांचे हारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा नं० 104 (पहली मंजिल) है तथा जो० डी० एल० एफ० हाऊम. 40-एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसले उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधीन, तारीख 31 मर्ड 1979 को

पूर्वोक्त समानि के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समानि का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफत का पन्द्रह् प्रतिशत श्रीधक है और अनारक (प्रत्नरकों) और अनारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से. हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी हिमी प्राय या हिसी घन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय हर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम वा धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः श्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269म के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधितियम को बारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- मैसर्स डी० एल० एफ० युनाईटिड लि० 21-22, निरन्द्र पैलेस, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई बिल्ली। (म्रान्तरक)
- 2. श्रीमती कुसुम जैन पत्नी सुरेश चन्य जैन प्रो० गिफ्ट इम्पोरियम, बी०-1/30 ए; हौज खास इन्कलेय; नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उन्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुतूची

हिस्सा नं० 104 (पहली मंजिल) सामने की बिल्डिंग, डी॰ एल॰ एफ॰ हाऊस, 40 एफ॰, कनाट पैलेस, नई दिल्ली; क्षेत्रफल 461.22 वर्ग फुट निम्न प्रकार स्थित है।

उत्तर—दूसरे की प्रापर्टी दक्षिण—रास्ता पूर्व-—हिस्सा नं० 105 पश्चिम—हिस्सा नं० 103।

> जी० सी० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेज-I, नई दिल्ली- 110002

सारीख: 10-1-80

प्रकप याई॰ डी॰ एन॰ एस॰---

धायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-ण (1) के मधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक चायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजेन रेंज-I, 4-14 क, आसफअली मार्ग दिल्ली नईदिल्ली-110002,दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० झाई० ए० सी०/एक्यू०-1/1-80/982—यतः मुझे जी० सी० झग्रवाल धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसक परचात् 'उन्त अधिनियम'. कहा गया है,) की धारा 269-ख क अन्नान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाद्यार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है,

भौर जिसकी सं० हिस्सा नं० 101 (पहली मंजिल) है तथा जो श्री० एस० एफ० हाऊस, 40 एफ० कनाट पैलेस, नई विल्ली में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती भिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1906 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थात्:—-

1. मैं० डी॰ एल॰एफ॰ युनाईटिड लि॰, 21-22, नरिन्द्रा पैलेस; पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुरेश चन्द जैन पुत्र स्व० श्री नन्दू मल जैन निवासी बी-1/30 ए०; हौज खास; इन्कलेय; नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्भत्ति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी अक्षिप :- -

- (क) इस सूत्रता के राजात में न ताशत की तारीख ने 45 दिन की अन्धि या तत्तमबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्धि, जो भी अवधि बाद में पनाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनव में अक्राशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपन स्थावर संात्त में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त सब्दों और पदी जा, जो उत्तत ग्रिध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

हिस्सा नं० 101, पहली मंजिल, सामने की बिल्डिंग, डी॰ एल॰ एफ॰ हाऊस, 40-एफ॰, कनाट पैलेस; नई दिल्ली; क्षेत्रफल 630.75 वर्गफुट निम्न प्रकार स्थित है:-

उत्तर—दूसरे की प्रापर्टी दक्षिण—रास्ता व हिस्सा नं० 111 पूर्व—हिस्सा नं० 102 व स्टेयर केस पश्चिम—खुला।

> जी० सी० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज ^I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-80

प्र**चप घाई॰** टी॰ एन**॰ एत**०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक भायकर धायुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रेंज I, 4/14 आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 10जनवरी 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०एक्यू०/-I/1-80/983— यतः मुझे, जी० सी० अप्रवाल, अश्यकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख

इसके ६एआत् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-र• से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं ि हिस्सा नं 102 (पहली मंजिल) है तथा को ही । एल । एक । हाऊस, 40-एफ । कनाट पैलेस; नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूणें रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन, तारीख 31 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण जिखित में वास्तिन रूप स जावत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय को बाबत, उक्त अधि-निषम के सधीन कर देने के सन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविक्रा के किए। मीर/या
- (ख) ऐसी कितो थाय या किसी सन वा घन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मामकर मिस्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभ्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात् :---

- 1. मैं० डी० एस० एफ० युनाईटिड लि० 21-22, नरिन्द्रा पैलेस, नई विल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सुरेश चन्द जैन; पुत्र स्व० नन्दू मल जैन, निवासी बी०-1/30 ए०, हौज खास; इन्कलेव; नई दिल्ली। (धन्तरिती)

को यह सूचा। जासे करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में होई मी पाक्षेत :---

- (क) इस नुजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाडबीखरण: --- इसमें प्रवृत्तन मान्दों मीर पदों का, बी उक्त ग्रांतियम के श्रव्याय 20-क में यथा-परिमाधित हैं, वही गर्म होगा, जी उस जडबाय में दिया गया है।

अमुसूची

हिस्सा नं० 102 (पहली मंजिल) सामने की बिल्डिंग, डी॰ एल॰ एफ॰ हाऊस; 40-एफ॰, कनाट पैलेस; नई दिल्ली क्षेत्रफल 400.35 वर्गफुट निम्न प्रकार स्थित है:-

उत्तर—दूसरे की प्रापर्टी दक्षिण—स्टेयर केस पूर्व—हिस्सा नं० 103 पश्चिम—हिस्सा नं० 101

जी० सी० मप्तवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नर्भ दिल्ली-110002

तारीख: 10-1-80

प्रख्य भाई० टी० एन० एस०----

भागकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्रायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, 4/14क, आसफमली मार्ग, नईदिल्ली-110002,विनोक 10जनवरी 1980

श्रीर जिसकी सं० हिस्सा नं० 103 (पहली मंजिल) है तथा जो डी॰ एल॰ एफ॰ हाऊस, 40-एफ॰ कनाट पैलेस, नई विल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्ला बाजार पूर्व के हम के दूश्यमान प्रति-फल के निये प्रत्तित की गई है भीर मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का जिल्ला बाजार मुख्य, उत्त के दूश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दूश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से प्रधिक है भीर प्रत्तरक (प्रत्तरकों) भीर प्रस्तितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उत्तर प्रत्याण कि बिल्ला में भारतिकल कप से कचित नहीं किया गया है:——

- (स) भन्तरण सं हुई किसी धाय की नावत, अक्त प्रतियम के अधीर भर देने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे नचने में सुनिश्वा के लिए। भीर,या
- (अ) ऐती निर्मा अन्य प्रान्तियों की जिम्हें भाषतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थवा या किया जाता चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

बतः अंत्र, उन्तं धविनियम, भी धारा 269व्य के प्रमृष् वरण में, में, उन्तं प्रविभित्रम की बारा 269व्य की छपधारा (1) के स्थीन निम्मविधिक स्वभित्रमों, जनीत् !--- 1. मैं शी एस एफ एफ यूनाईटिड लिमिटेड, 21-23 नरिन्दरा पैलेस, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द जैन (हि० ग्र० प०,) इनके कर्ता सुरेश चन्द जैन पुत्र श्री नन्दूमल जैन बी०-1/30 ए०, हौज खास इन्बेलेव, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्वत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, भो उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क्र में परिभाषित हैं, वहीं श्रन होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

धनुसूची

हिस्सा नं० 103, (पहली मंजिल) सामने की बिल्बिंग "डी० एका एफा हाऊस" 40-एफा, कनाट पेलेस, नई दिल्ली क्षेत्रफल 416.86 वर्ग फुट निम्न प्रकार स्थित है:—

उत्तर—दूसरे की प्रापर्टी दक्षिण—रास्ता पूर्व—हिस्सा नं० 104 पश्चिम—हिस्सा नं० 102 व रास्ता।

> जी० सी० प्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारी**ख** । 10-1-80 मोहर: प्रकप साई°० डी • एत • एस • -----

कायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के समीत सूचना

मारत सरकार

्कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/1-80/987—अतः मुझे, जी० सी० ग्रायवाल, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

प्रौर जिसकी सं प्लाट नं 20, ब्लाक 1 पार्ट सी है तथा जो 7 पृथ्वीराज रोड, नई विल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 मई 1979 को प्रवासत संगति से उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्चह प्रतिश्वास से मधिक है भीर अन्तरफ (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिमनलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण किथा में वास्तिविक हर ने कथित नहीं किया गया है:...

- (क) सम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपत अधिक नियम से सबीन कर देने के सम्बद्ध के बायित्व में कशी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घोर/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या मन्य बास्तियों को, जिन्हें भामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए वा, जिया में सुविधा के सिए;

चनः अब, उक्न प्रतिनियम की बारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त प्रविनियम की बारा 269-म की उप-घारा (1) बद्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री नेमी चन्य जैन ए०-2/25 सफदरजंग इन्कलेव, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० पंजाब प्रोपरटीज लिं० बीं०-45-47, कनाट प्लेस नई दिल्ली।

(बन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की उामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में दिलाब किसो मध्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: --- १ ममें प्रयुक्त गन्दों घीर पदों का, जो उक्त धिंकिनियन के घड़्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं घर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुत्रूची

प्लाट नं० 20 ब्लाक 1; पार्ट सी जो 7 पृथ्वीराज रोड का पिछला हिस्सा है श्रीर श्रव 46, रिटनडन रोड, नई दिल्ली के नाम जानी जाती है, 574.93 वर्ग गज के प्लाट पर बना है साथ में तीन सर्वेन्टस क्वार्टर हैं।

> जी० सी० स्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सा**रीख: 10-1-8**0

मोहर

प्रकृष आई • टी • एन • एस • -----

माथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेंज-II, 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, विनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/1858/79-80/ 5-79/5280 - यतः मुझे, ब्रार० बी० एल० ब्रग्नवाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पण्यात 'उक्त मिश्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मृन्य 25,000/-क्यमें से घष्टिक है ग्रौर जिसकी सं० 8/3 है तथा जो ग्रलीपुर रोड दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुचीमें पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 2 मई 1979 को पृबंकित सम्पत्ति के उर्चित बाबार मूक्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई। है भीर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (ग्रन्तरकों) पौर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य मे उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भागकी कावत उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाणित्व में कमी करने या अससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी किया जाय या किसा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भ्रिप्तियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के मन्-सरण में. में उक्त पश्चिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् —

- मैसर्स एल० एन० गडोडिया एण्ड सम्ज लिमिटेड 1112 कुचा नटवा, चांदनी चौक, दिल्ली। श्री तेज पाल गड़ोडिया के द्वारा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री दमोदर दास सराफ पुत्र श्री मुरारी लाल सराफ श्रीमती परिमला सराफ धर्मपरेनी श्री दमोदर दास सराफ 10-ए/ 10 शक्ति नगर, दिल्ली। (धन्तरिती)

को यहमूजता जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्बक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी घाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इनमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उन्त ग्रधि-नियम के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्याय में विया गया है।

प्रमुखी

एक मकान नं० 8/3 म्रलीपुर रोड विल्ली के में स्थित जो कि निम्न लिखित प्रकार से घिरा हुमा है।

> भार० बी० एल० भग्रवाल सक्षम मधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 16-1-80

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-II /1859/79-80/ 5-79/5281---यतः मुझे, स्रार० बी० एल० स्रप्रवाल, बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- व्यवे से घविक है ग्रौर जिसकी सं० 8/4 है, तथा जो ग्रलीपुर रोड दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2 मई 1979 को पूर्वीका सम्पत्ति के उक्ति बाबार मृत्य से कम के वृत्यमान प्रतिकत्त के लिए यन्तरित की नई है **घी**र मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उतित बाबार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनाइ प्रतिज्ञत प्रधिक है भीर सम्बरक (भन्तरकों)भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नांसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक क्य से शिवत नहीं विवा नवा है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत, उपत बाधि-लियम, के ध्रधीन कर देने के सम्बद्ध के दाविष्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; और्राता
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया सामा वाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उत्तत प्रवितियम की वादा 269-व के प्रमुखरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उन्धादा (1) के प्रधीन, निक्निसिवित क्यन्तिमों, अर्थात्:— मैसर एल० एन० गढोडिया एण्ड सन्स लिमिटिड 1112 कुचा नटबा चांदनी चौक दिल्ली श्री तेजपाल गडोडिया द्वारा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती बदना सराफ धर्म पत्नी श्री विजय कुमार सराफ निवासी 10-ए०/10 शक्ति नगर, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोश्त सम्बत्ति के पर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीई ती प्राक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीब से 45 दिन की घवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की घवित्र, को भी सबिध चाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हारा;
- (ब्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ ते 45 दिन के घीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा घघोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सर्वेगे ।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, मो उक्त स्रिष्टि निवस के सक्याय 20-क में यका परिभाषित हैं, यही धर्म होना को उस प्रक्षाय में दिया नवा है।

प्रनुसूची

एक मकान नं 8/4 अप्लीपुर दिस्ली में स्थित है जो कि निम्न लिखित प्रकार से थिरा हुआ है:-

उत्तर—बंगला नं० 10 दक्षिण—अंगला नं० 6 पूर्वं—अलीपुर रोद पश्चिम—चर्च मिशन स्कल।

> म्रार०वी० एल० समयाल सञ्जान प्राधिकारी सङ्घायक मानकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-II, विली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-1-80

मोहर ।

प्रख्प ग्राई० टी० एन० एस०---

भाय कर श्रविनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2001—यतः मुझे, बी० एस० दहिया

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/ रुपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव गटा बदशह तहि० जीरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इ्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रीध-विषय के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम या धनकर ब्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन तिम्नविक्ति व्यक्तियों ग्रिमीत्:—

7-436GI/79

- 1. श्री गुरिंद्याल सिंह पुत श्री बसन सिंह पुत सुखा सिंह निवासी कंधवाला हाजर खौ तहसील फाजलका मारफत जुगिदर सिंह पुत गुरबचन सिंह मारफत आमवा गुरबचन सिंह पुत बसन सिंह पुत सुखा सिंह निवासी कंधवाला हाजर खौ तहसील फाजलका। (अन्तरक)
- 2. श्री मोहन सिंह ग्रमर सिंह पुत्र किशन सिंह पुत्र बधाया सिंह, गांव गटा बादशह तहसील जीरा। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सन्यत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति में जैसा कि विलेख नं० 1798 जून 1979 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 26-12-79

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2002--यतः मुझे, बी० एस० दहिया. म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पक्ष्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से श्रधिक है मल्य भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव कलर खेड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कशित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के भ्रशीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्रया किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किमा गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपध्रतरा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयौत्:— श्रीमती शान्ती देवी सपुत्री मवन चन्द उर्फ मदन लाल निवासी 22ई ब्लाक श्री गंगा नगर।

(मन्तरक)

 श्री गुरदेव सिंह नछतर सिंह पुत्र मखन सिंह गांव पानी वाला महल तहसील फाजलका।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभीग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के द्वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं॰ 1144 जुलाई 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भवोहर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जलन्धर

तारीख: 5-1-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रम, सहायक आधकर आपुनत (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, जालंघर जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2003---यतः मुझे, बी० एस० दहिया

भाग तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका छित बाजार मूल्य 25,000/ रुपसे से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव ग्राजीम गढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्मालय ग्रबोहर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राफीन नारीख़ अन्तर्ह 1979 को

के प्रधीन, तारीखं जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्येष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रग्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, याधन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

भंतः श्रंतः श्रंतः, उषत श्रधिनियम की श्रारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निखिल व्यक्तियों भर्षात् :--- श्री देव राज पुत्र भ्रमी चन्द गांव भ्रजीम गढ़ तहसील फाजलका।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रूक मल, श्री कृशन सपुत्र पुरखा राम गांव श्रजीम गढ़ तहसील फाजिलका।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशनकी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी क्रियन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं श्रर्थ होगा जो उन ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेखनं ० 1186 जुलाई 1979 में रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी, ग्रबोहर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5-1-1980

मोहर,

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2004—यतः मुझे, बी० एस० दिहिया, धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से

अधिक है।

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है, तथा जो गांव भगेवाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त झिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिवित्यमं, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिवित्यमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के भिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :— भ्रवतार सिंह पुत्र श्री चनन सिंह पुत्र बुड़ सिंह गोवः भगेवाला तह० भ्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रूड़ सिंह दीवान सिंह पुत्र मघर सिंह पौत्र श्री श्री नन्द सिंह गांव ददैर साहब तह० तरन तारन जिला श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्तित, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पडिताकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उकत ग्रिक्षितियम के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद औसा कि विलेख नं० 752 दिनांक 2-6-79 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी मुक्तसर में लिखा गया है।

> बी०एस० वहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्बर

तारीख: 5-1-1980

शक्य भाई० टी• एत• एस•~~

न्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायक्तर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर 1989

निर्देश सं० ए० पी०/2005---यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्र**ौ**र जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लि**खा है** तथा जो गांव जटा वाली त० जीरा में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के प्रतिफल के लिए मन्तरित की **बुश्यमा**न घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत्र निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भ्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण ने हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धस्तरक के दायित्व में क्षमी करने या चससे बचने में सुविधा के लिए; घीर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी घन या घन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाने प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रंथ, उन्तं ग्रीविनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रीविनियम की घारा 269-व की उपभारा (1) के ग्रीवीन निकालिकित व्यक्तियों अर्थात्: --- श्री नाजर सिंह, ग्रजीत सिंह पुत्र चूड़ सिंह पुत्र लाल सिंह गांव गाटी हरी के।

(भ्रन्तरक)

 श्री प्रीतम सिंह पुत्र इन्दर सिंह पुत्र इगर सिंह गांब जटा वाली तहसील जीरा।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पक्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति ने धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, गो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, ओ अक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही झर्य होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2235 जून 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> बी० |एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्मर

तारीख: 26-12-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर 1989

निर्देण सं० ए० पी०-2006---यत: मुझे बी० एस० वहिया,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है और जिसकी संठ जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव डोडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त श्रिधकारी के कार्यालय मुकत्तपर में रिजस्ट्रीकर्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भौरमुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (श्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-तरण में, के, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नतिबित व्यक्तियों, ग्रथीतु:—

- श्रीमती हरनाम कीर पुत्री श्री धियान सिंह पुत्र सामा सिंह निवासी हरी के कलां तिह० मुकत्तसर। (अन्तरक)
- 2. श्री अर्जैब सिंह, नायब सिंह, सरबन सिंह सपुत्र जुगराज सिंह पुत्र प्रेम सिंह वासी गांव डोडा तहि॰ मुकत्तसर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रीध भोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्ठवाय 20-क्त में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रष्ठवाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति:--जैसा कि विलेख नं० 1054 दिनांक ं 8-6-79 में रिजिस्ट्री कर्ती श्रधिकारी मुकत्तसर में लिखा है।

> बी॰ एस॰ वहिया सक्षम प्राधिकारी स**हायक घायकर घायुक्त** (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्ध्रर

तारीख: 26-12-79

ब्रक्ष माई• टी• एन• एस•---

भायकर धिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक साधकर प्रावृक्त (निरीक्त)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनोक 26 दिसम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 2007---यशः मृझे बी० एस०

दहिया

पायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त पश्चितियम' कहा गया है), की बारा 269-क के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द के संप्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मन्द गड़ा तड़ क सरवुल गढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य श्रृतसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय सरदुल गड़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सारीख जून 1979

(1908 का 16) के श्रधान, ताराख जून 1979
को पूर्वोस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान अतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का करण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक हैं और प्रम्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल निम्नानिधित
अहेश्य से सम्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कर से कवित नहीं
किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत धनत अधि-वियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाित्व सँकमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय का किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उकत अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उना प्रधिनियम की बारा 209न के बनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम को धारा 269व की उपबाद (1) के अधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री सन्ता सिंह पुत्र नरेण सिंह पुत्र सहिया सिंह गांव नन्दगढ़।

(झन्तरक)

 श्री बाग सिंह पुत्र श्री नरेण सिंह पुत्र सिंहता सिंह गांव नन्धगड़ तहसील सरदूल गड़।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिन रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाजन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त व्यावर सम्प्रांस में हिसब क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहरूताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों हा जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बद्दी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 463, जून 1979 में रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी सरद्ल गड़ में लिखा है।

> **बी० एस० द**हिया सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालस्घर

वारीख: 26-12-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः श्रायकर <mark>भ्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर 1989

निदेश सं० ए० पी०-2008---यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयंकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-वपए से मधिक है

मीर जिसकी सं० जैसा कि घनुसूची में लिखा है तथा जो सरदूल गढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरदूल गढ़ में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री जय सिंह पुत्र शेर सिंह, लाल सिंह पुत्र जय सिंह, पाला सिंह पुत्र जय सिंह गांव सर्थूल गढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बांता सिंह पुत्र गुरवख्ण सिंह गांव सरदूल गड़। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं० 2 में लिखा है।
 (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षपः--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिन नियम के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथ होगा, जो उस श्रष्टपाय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 687, जून 1979 में रिजस्ट्रीय-कर्ता ग्रिधिकारी, सरदूल गढ़ में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 26-12-79

प्रकप आईं• टी• एन• एस•----

अलहर विविद्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

गालन्धर, विनांक 26 दिसम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 2009——यतः मुझे बी० एस० १ इहिया प्रायकर प्रक्रितिसम् 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्से

सायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अश्वितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत सलन पालिकारों को, यह विकास करने का कारण कि स्थावर नश्यति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-

रपए ने भिष्ठक है।

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव कलर खेड़ा तहसील श्रबोहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1979 को

(1908 का 16) के प्रधान ताराख जुलाई 1979 को
पूर्वोकत पर्मात्त के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान
प्रितिक के लिए प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मन्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रत् प्रतिगत प्रधिक है घौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों)
भीर पन्तरिती (प्रन्तरितिमों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण
निश्चित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है: →-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या;
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुमरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भवीं :--- 8—436 GI/79

 श्रीमती णान्ती देवी सुपुत्री श्री मदन लाल जो बोरड़ वामी श्री गंगा नगर-1ई० बलाक।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सरबन सिंह पुत्र प्रेम सिंह, नष्टतर सिंह गुरजन्ट सिंह पुत्र सरबन सिंह गांव पनी वाला महला नहसील फाजिलका।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 अो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

जनत सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में को**ई भी ग्राक्षेप**:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की ग्रविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविश्व, जो भी ग्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

रपब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का जी उश्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20—क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1215, जुलाई 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, श्रबोहर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम**प्राधिकारी** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखः : 26-12-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ् ग्रर्जंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी०-2010—यत: मुझे, बी० एस० दिह्या, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो सागा गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सरदूल गढ़ में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1909 का 16) के ग्रधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी वात या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ं स्रतः स्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- श्री जरनैल सिंह पुत्र हरबंस सिंह गांव सागा। (अन्तरक)
- 2. श्री बजीर सिंद् पुत्र लशनन सिंह गांव बेहावदीन। (ग्रन्तरिती)
- जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह मुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्शन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किपी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्स प्रधिनियम' के ग्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्य होगा, जो उस ग्रद्ध्याय में दिया गया है !

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 185 जून 1979 में रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी सरदूल गढ़ में लिखा गया है।

> बी० एल० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 5-1-1980

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2011—यतः मुझे, बी० एस० दिह्या,

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंव पार्ने इसके पश्चात् 'उक्ष प्रथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सिकर खेड़ा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के विचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यपान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह तिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यजान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत सिंधक है और मन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (मन्तिनितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्देश्य से उन्तर प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण सें∫ हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भण्डरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाष या किसी जन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (-1922 का 11) या उन्त मिधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

ग्रशः भय, उनक भिर्मानयम की धारा 269-न के अनुसरण में,में, उनक भिर्मानयम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निकासिक्षण व्यक्तियों, अर्थात् !-- श्री बलिबन्द्र सिंह, महिन्द्र सिंह सपुत्र हरनाम सिंह गांव किकर खेड़ा तहसील फाजिलका।

(भ्रन्तरक)

 श्री भैरा राम पुत्र श्रासा राम गांव किकर खेड़ा तहसील फाजिलका।

(श्रन्तरिती)

3. जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति है हितबद्ध है)

का यह सुवना जारी सरम पूर्विका सम्मत्ति के अर्जन के निए सार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के धर्मन हे मन्द्रन्य में कोई भी प्राप्तेप---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में शकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध जो भी अत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पश्चें का, जी उन्त सिंदियम के सध्याय 20-क में परिनाधित हैं, वही सपं होना जो उस सध्याय में दिया मया है।

अनु नु बं।

सम्पत्ति जो कि विवेख नं ० 1088 जुलाई 1979 में रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी, श्रवोहर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी स**द्धायक श्रायक्षर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्र**र्जन रेंज**, जालन्धर

तारीख 5-1**-19**80 मोहर :

प्ररूप आहि टी एन एम ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-घ (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या**जय, सहा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० 2012—यतः मुझे, बी० एस० दहिया.

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- रुपये से श्रिधिक हैं श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव खोखर तह० मुक्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक हैं ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितिमों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से चुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दामिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अरुत:, सब, उकत श्रिधितयम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, म, राज्य श्रिधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रिधीन निस्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री शाम सिंह पुत्र काला सिंह पुत्र सजान सिंह ारा पुरन सिंह पुत्र पलु सिंह खोखर तह० मक्तसर। (भ्रन्तरक)
- श्री गुरदित सिंह पुन्न नरेण सिंह पुन्न शेर सिंह ढ़िमाँ बाली तहसील फरीदकोट।

(श्रन्तरिती)

- 3. जसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के निएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुमुची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 1475 जुलाई 1979 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मुक्तसर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी तहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

ता**रीख: 26-12-79**

प्रारूप आई० टी० एन० ग्स॰---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2013—-यतः मुझे, बी० एस० दहिया

भ्रायंकर अधिनियत, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इत्रतें इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उत्ति ।। जार मूह्य 25,000/-रुपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिवन पाजार भून्य से का के दृश्यपान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिवन बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐंने अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित जद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राप्त को बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरम में, मैं चक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:--- श्रो मदन लाल पुत्रं श्री मिल बी राम पुत्र राधेमल वासी भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री हंस राज पुत्र साधु राम पुत्र शंकर लाल

(2) श्री पाल चदपुत बृज लाल पुत्र भगत राम

(3) श्री मदन लाल करिशन कुमार सपुत्र हंस राज वासी माऊउ मण्डी मारफत बृज लाल पाल चन्द माऊड मण्डी।

(भ्रन्तरिती)

 जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
 (जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करते पूर्वाना सन्वति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के पम्जन्य में कोई भी खाद्धेप :--

- (क) इस सूबता के राजवत्र में प्रकांगत की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद ने समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो जक्त ग्रिध-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

सपत्ति:--जसा कि विलेख नं 1505 दिनांक 7-6-7-9 ित्स्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, भटिण्डा में लिखा है।

बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-1-80

प्रकप आई• टी• एन॰ एस•---

भावकर मिकिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रावकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 2 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2014—यतः मुझे, बी० एस० दहिया, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त प्रवितियम' कहा भया है), की धारा 269-ख के अधीर गक्षण गाविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिलत बाबार मृश्य 25,000/- कपए से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची से लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के बुश्मसान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि बबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत धिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल्न, निम्नतिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण जिखित में वास्तावक हम सक्तरण निम्नतिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण

- (क) बन्तरण में हुई ज़िनों आप की बाबत उपत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसा जाय या किसी धन या धम्य प्रास्तियों को, जिन्हें प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रक्षिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, फिराने में सुनिद्या के लिए;

अत: धव, उदत प्रक्षि नियम की धारा 26ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रक्षितियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थीस्:-- श्रीमती दुगौ देवी विश्ववा मिलखी राम पुत राधे मल वासी भटिण्डा।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री पाल चन्द पुझ बूज लाल पुत्र भगत राय
 - (2) श्री मदन लाल करिशन कुमार सुपुत्र हंस राज वासी माऊड मण्डी मारफत बृज लाल पाल चन्द माऊड मण्डी।

(म्रतरिती)

3. जसाकि ऊपर नं० 2 में है।

(वह ध्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को अह सूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के तिए कार्यवादियों सरक्षा हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाय में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में दिवक किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोइस्ताकारी के पास चिकित में तिए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इतमें प्रयुक्त अन्धे और पर्वो का, जो उक्क धिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्ष होना जो उस प्रध्याय में विया गया है।

ग्रमुखो

सम्पत्ति:---जैसा कि विलेख नं ० 1692 दिनांक 14-6-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीकः 2-1-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आभागतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रें ज जालन्धर

जालन्धर, विनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2015—स्वतः मुझे, बी० एस० दहिया,

श्रायंकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पम्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव गुलाबेवाला में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जुलाई 1979

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसपे बबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रनः ग्रन, उस्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- 1. श्री साजान सिंह पुत्र हरनाम सिंह
 - (2) श्रो समपुर्ण सिंह, जंग सिंह सपुत्व वयम सिंह पुत्र हीरा सिंह
 - (3) श्रीमती दलीप कौर विधवा शाम सिंह पुत हरि सिंह श्रौर मुकन्द सिंह पुत्र शाम सिंह पुत्र हीरा सिंह मक्तसर सग० भाई मेजर सिंह गुरदित्ता सिंह मपुत्र शाम सिंह निवासी चक्ष नं० 5 एम० पी० श्रो० पुरेवाला तहसील श्री कर्नपुरा जिला गंगा नगर।

(अन्तरक)

2. श्री जंबर जग सिंह, शेर सिंह सपुत्र किशन सिंह पुत्र फते सिंह निवासो गांव गुलाबेवाला डाकखाना मुक्तसर तहसील मुक्तसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह मम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बालेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाजन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध आह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में द्वित-बद्ध किसी प्रस्थ ब्यक्ति द्वारा अश्रोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वण्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त राधों भीर वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिशा गया है।

ग्रनुमुची

सम्पत्ति औसा कि विश्व नं 14278, जुलाई 1079 में रजिस्ट्रोकर्ती कृधिकारो , मुलसर में लिखा गया है।

> बी॰ एस॰ दहिया सझम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, जालम्बर

तारी**ख**: 5-1-1979

मोहर ३

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जान्लन्धर जालन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० 2016—पतःमुझे, बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिसका उतित वाजार सूच्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसुंची में लिखा है, तथा जो प्लाट नं० जी० 526/2 महला मुराज गंज तहसील जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसुंची है श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मृखे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्राघीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- मैसर्म लागलपुर जालगा हायर सैकैंडरो स्कूल नको दर रोड़ जलन्धर, द्वारा हुऐ सिंह वकील।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री राम प्रताप
 - (2) श्रो राम सरूप
 - (3) श्री रमेण कुमार अथवा राज वल्द फर्कार चन्द, मार्फत भारद्वाज फर्नीचर हाऊस नकोदर रोड़, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (बह ब्यक्ति, जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में कृति रखता है।
 (अह व्यक्ति, जिनके वारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानजा है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवित जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति में जैसा कि विलेख नं 1169 मई 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिहारी जालन्धर में लिखा है।

> बरे० एस० दहिया सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालत्क्षर

तारीख: 26-12-79

प्रकृष भाई० टी॰ एन० एन०----

आयतर पर्वितिया, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-व (1) ते प्रश्चीत भूचना

मारत गरशार

कार्यानय, यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० 2017—यतः मुझे, बी० एस० दिह्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो ग्रदंश नगर, जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई 1979

को 16) के अवात, मह 1979
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है
और यन्तरक (गन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के
नोच ऐसे पन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविद्रत
उद्श्य से उन्ना प्रन्तरण विज्ञित में जान्तिक रूप से कथित नहीं

- (च) अन्तरराण हुई किया गार की बाबत, उक्त अधि-णियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ये कमी करने या उखसे बचने में सुविधा के लिए;
 श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षितियम, प्रा धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अत्यात जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाइए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः ४ ब. उक्त आंधानसन की आरा 269-म के अनुसरण में, मैं इक्त ग्रिशिनसम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः— 436 GI/79

- 1. मैंटगुमरी गुरू नानक एजुकेशन ट्रस्ट प्यारा नान रौटरो श्रो चरन जीत सिंह ग्रदेश नगर जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- 2. डा॰ श्रोमती श्रदंश कालड़ा, 94 शहीद ऊधम सिंह नगर जालन्धर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षर)
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की भवधि या तन्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किया ज्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्चितियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही श्चर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्र**न्स्**ची

सम्पत्ति में जैसा कि विलेख नं० 830 मई 1979 रजिस्ट्रेकर्ती ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस०दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 26-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रश्विनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

हासीता, वहुराज यायाजर प्रायुक्त (विरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एस पो०नं० 2018—यतः मुझ बो०एम० षहिया भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ.समें इसके पश्वात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से श्रधिक हैं उचाति बाजार मुल्य भ्रीर जिसका सं० जैमा कि भ्रनुसूचा में लिखा है तथा जो गांव शकरपुर में स्थित है (श्रौर इसस उपाबद अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दू कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्र:करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **प्रध**ान, तार्राख मई 1979 को पूर्वोक्त परात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

को पूर्वोक्त पर्गात के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान पतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रोर ग्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए लग्न पाया प्रात्मक्त, निस्तिविद्यत उद्देश्य में उक्त प्रत्तरण कि विद्र निर्मा प्रात्मक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई िक्सी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उत्तमें बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी प्रत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धत-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजाार्थ अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या खिराने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रम, उता प्रजितियम की धारा 269-म के प्रत-सरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीत, निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- लैपटीनैन्ट कर्नल नरिन्द्र सिंह भीलख पुत्र करतार सिंह वासा गांव शकर पुर सहसाल जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्री साधु सिंह शिशपाल सिंह श्रमृत सिंह दर्शन सिंह पुत्र बरैन सिंह बासी गड़ी वखशा तहसील तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुखो रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रहाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अश्रोहश्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्तिः; -जैसा कि विलेख नं० 1171 दिनांक 19-5-1979 को रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारो जालन्घर में लिखा गया है।

> बी० एस० वहिया सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रैंज जालम्बर

तारीख: 26-12-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुवत (निरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर 1979

निदेश सं ० ए० पी० नं० 2018--यत: मुझ, बी० एस० दहिया श्रायरुर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से श्राधिक है श्रीर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव शकर पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्राकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, ताराख मई 1979 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिकत थे, हैसे दुरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर

- इश्यत वाजार नूरन, उत्तन दूरानान वालकल न, एस दूरपमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम नामा गमा प्रतिकत, तिन्तिलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:→
 - (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, श्रम, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण मे, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निस्निखित ध्यक्तियों, श्रयत्:—

- लैफ्टीनेन्ट कर्नल नरीन्द्र सिंह श्रौलख पुत्र करतार सिंह निवासी गांव शकर पुर तहसील जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री साधु सिंह शिशपाल सिंह अमृत सिंह दर्शन सिंह पुत्र नरैन सिंह निवासी गड़ी बखश तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 - (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील प 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका ध्यक्ति में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोंकर गः - -इसमें प्रयुक्त गब्दों और पशें का, जो उक्त खि-तिशन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

स रजिस्ट्र

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी ुसहाबक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 26-12-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज जालन्धर जालन्धर, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० ए० पी० 2020—यतः मुझे बी० एस० दहिया

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रिधिक है और

भौर जिसकी सं० जसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है भौर (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घौर अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या प्रत्य द्यास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- 1. भी सुरिन्द्र सिंह पुत्र भगत सिंह निवासी 271-एन० एम० मोहला कराड़ खाना जालन्धर। (अन्तरक)
- 2. श्री प्रीतम सिंह , रिजन्त्र सिंह सुपुत्र जोत सिंह् निवासी 4-बी० माडल हाऊस जालन्धर। (अन्तरिती)
- जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिनसके भ्रधिभोग में सम्पित्त है)
- 4. जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबद्ध है)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त जुम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के समबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवह िसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः—∹इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधितियम', के ग्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुची

सम्पत्ति:--जसा कि विजेख नं० 1139 दिनांक 18 जून 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी जालन्नवर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

त्रजंन रेंज आलन्धर कार्यालय जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2021—यतः मुक्ते बी० एस० दिहया

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'जन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— ६० से ग्रिधिक है

ग्रोर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव खुरला किंगरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण के हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-तियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बजने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आम मा किसी धन मा श्रत्य श्रास्तियों को, जिन्हें श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सवा था वा किया जावा चाहिए था, श्रियाने में सुविधा के खिए;

श्रतः सव, उपत स्रिधिनियम, की धारा 269—ग के सनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269—व की उपघारा (1) के श्रदीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, सर्वात् :——

 कुमारी रेन पुत्री कैप्टेन हरवर्णन सिंह वासी जऊ सिधा द्वारा पी० ए० भुतिन्द्र सिंह पुत्र जगजीत सिंह निवासी कपुर पिंड।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती श्राशा क्षींगरा पत्नी दलीप कुमार कींगरा निवासी खुरला किंगरा।

(भ्रन्तरिती)

3. जसाकि ऊपर नंसें 2 में है।

(बह व्यक्ति,जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

2 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षप :---

- (क) इप पूरा के राजरत में प्रकागत की भारी ज से 45 दिन की अर्राध या जित्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजरत में प्रकागन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरनाकारी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रवं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसा कि विजवा नं 0 1187 दिनांक मई 1979 को रजिस्ट्री कर्ती ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस. वहिया सक्षम प्राधिकारी, सद्दायक भ्रायकर भायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजन रेंज जालन्धर

सारीख: 11-1-1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 209-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2022-यतः मुझे बी एस० दहिया कायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 13) (जिस इपर्मे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2 89-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरूप 25,000/- ६० से पश्चिक है। श्रोर जिस की सं० जसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सिकन्दरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) मई 1979 के स्रधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उजिल बाजार मृत्य से कम के दृध्यभाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायुओंका लम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का उन्द्रह प्रतिभत से मधिक है और अन्तरक (क्लरकों) और प्रन्तरितीसे (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरक के वेदव त**य पाया गरा पतिफाग, विमानिखित उद्देश्य** से उक्त अन्तर्भ लिखित में बास्ति कि रूप से कथित नहीं **क्या गया है** :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिक्षियम के अधीन घर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीष/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य सास्तिमों की, जिन्हें भारतीय सायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1987 (1957 को 27) के प्रयोजनार्यं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उनत अधिनियमं की बारा 269-ग के बनुसरम में, में, उक्त प्रक्षितयमं की अरा 269-म की उपबारा (1) अधीन निकालिखित व्यक्तियों अर्थात् :— भी रखा सिंह पुंद्र ज्याला सिंह गांव व डाकखाना सिकन्दरपुर।

(मन्तरक)

 श्री हरभजन सिंह पुक्त श्री शंकर सिंह निवासी सिकन्वर पुर तह्नसील जालन्धर।

मन्तरिती)

3. औसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ठिच रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्य सम्बंति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (ह) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 4.5 दिस की भवित या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समान्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इन नूनना के राजान में प्रकाशन की वारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधीद्रव्याकारी के पास निधात में किए जा सकेंगे!

स्वव्होकरण: --- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्वो का, को उनस प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्व होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

अञ्**स्**ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति:---जसा कि विलेख नं 967 विनांक मई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० विद्या सक्षम प्राधिकारी, जहायक भाषकर सामुक्त, (निरीकण), सर्जन रेंब, कानपुर

वारीच: 11-1-1980

महिर:

प्रश्नपः शार्षक टोक्स्पन च्यान---

आयक्तर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर भागुक्त (निधीक्षण)

धजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2023—यतः मुझे बी० एस० दिह्या आयकर प्रधिनियम, 1961 + 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा क्या है), की धारा 269-ख के घन्नीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25000/- वपए से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोकत नस्पति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रिष्ठ-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का का ण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उनके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत प्राधक है और अन्तरक (अन्तरकों) गोर भन्तरिती (अन्तरित्तों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दाशिस्य में उसी करन या उससे बचने में सुविधा के सिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या शम्ब धारिसयों को, जिन्हें भारतीय सायकर ग्रिबिनियम, 1922 (1922 का: 11) या उक्त शक्षितियम, के धन्न चर्च श्रिबितियम, 1957 (1957 का 22) के उन्ते ज्लार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट श्लीकिया ग्या था या किया जाता चाहियं था, स्थिपने में सुविधा के निए;

भतः अब; उक्त भाष्यिनियम की धारा 289-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिन गम की बारा 389-प की जप्रधादा (1) के अधीन, विश्वतिक्षित व्यक्तियों, अर्वीत् :---

- 1. भी बाबा सिंह पुष फेब गाव केंग्राला गुर । (अन्तरक)
- श्री रतन चन्द पुत्र बंता राम अजीत कौर पत्नी रतन चन्द निवासी सुधाना।

(ग्रन्तरिती)

3. जसा कि ऊपर 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह मुचना जारो करके पूर्वाकत सम्पनि के अर्जन हैं। सिए कार्यथाहियां करता है।

इक्त सम्पत्ति के अर्थेन के सम्बन्ध में बोई भी धालेप :---

- (क) इस सूचना के राजयक में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की भविष्ठ या सरमञ्ज्ञको व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की धविष्ठ, को भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के सातर पूर्वोहर क्ष्यित्वां में से किसी व्यक्ति ज्ञारा;
- (ख) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड कियो मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्तरी के पास विक्रित में किए जा सक्षेत्र ।

विष्टी करणः --इसमें प्रमुक्त शन्दों मौर पदों का, जो उवत प्रधि-नियम के यव्याय 20-क में परिचावित है, बढ़ी धर्व होगा, यो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्तिः — जसा कि विलेख नं० 899 मई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, तहायल भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजैन रेंज जालन्धर

तारीख: 11-1-80

264-1 (1) क अधीन भूभनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रामुक्स (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जान्लन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० ए० पी० 2024—यतः मुझे, बी० एस० दहिया

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के धन्नीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख 25,000/- चप्प से प्रक्रिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो नकोदर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता कृधिकारी के कार्यालय मकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वों के सम्पत्ति के विचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रश्नीर को गई है और मृभे यह विश्वास करते का कारण है कि यवापूर्वों के सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्षण धिक है और पन्तरक (धन्तरकों) भौर प्रस्तरिती (श्रम्लरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (धन्तरकों) भौर प्रस्तरिती (श्रम्लरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त धन्तरण निम्बत में बास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उपत बाधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए। बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धार्धिनियम या धन-कर अधि यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया का या किया ख!ना चाहिए या या, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त प्रवितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में. मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के क्यीन निक्तिविद्या व्यक्तिमों, अर्थात्:---

- 1. भी जरनैल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह सुत्र गंगा सिंह निवासी शंकर पुरा , करम सिंह पुत्र सुरजीत सिंह श्री मुखतार श्राम वासी डीगरीया जिला जालन्धर (अन्तरक)
- 2. श्री निर्मल सिंह दलवीर सिंह दिलवाश सिंह पुत्र चनन सिंह पुत्र रन सिंह निवासी भंडीयाला तह० नकोदर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख में 45 दिल की मबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, त्रों भी मबधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्स स्वावर सम्पत्ति में हिनवह किसी . प्रम्य व्यक्ति द्वारा, महोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो जक्त ध्रिष्टिनयम, के मध्याय 20-क में परिषाणित है, बढ़ों अर्थ होगा, को उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्तिः — जैसा कि विलेख नं० 509 मई 197.9 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नकोदर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 11-1-80

प्रकप साई • टी • एन • एस • -----

आजिंकर प्र**मिनियम, 1961 (1961** का **4**3) का छारा **269**-घ **(1)** के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्याला, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदश सं० ए० पी० 2025—यतः मुझे, बी. एस० दिह्या उ अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है। तथा जो नकोदर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 की पूर्वोक्त सम्मत्ति के वित बाबार पूर्व से कम के वृष्यमान प्रतिकृत के लिए बन्तरित की गई है और पृष्ठे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापुर्वोक्त पम्पत्ति का उचित बाबार वृष्य, उसके वृष्यमान प्रिक्ति से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का स्टाइ गियत से १६३६ है और सन्तर्क (प्रस्तरकों) भीर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त भन्तरण जिख्लिस में गस्तविक रूप से किथान नहीं ज्या गया है।—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियन की धारा 269ग के पन्सरण में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—10—436GI/79

- श्रीमती बखणीण कौर पुत्री सोहन सिंह पुत्र बन्ता मिं श्रुजैंब सिंह पुत्र बन्ता सिंह पुत्र गंगा सिंह सुखबीर कौर पत्नी ग्यान सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह निवासी णंकर जरनेल सिंह पुत्र करतार सिंह द्वारा कर्म सिंह पुत्र मुरजीत निवासी डीगरीयां जिला जलन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री निर्मल सिंह, दलवीर सिंह, दलबाग सिंह पुत्र चनन सिंह निवासी मनष्टीयाला, निर्मल सिंह सुरवचैन सिंह, इकबाल सिंह पुत्र बत्तणीश सिंह निवासी मोहन गौर तीरथ राम पुत्र तेलु राम पुत्र राजा राम निवासी नकोदर।

। (भ्रन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवंत के लिए कार्यसिद्यों शुरू करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की घवधि या तस्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में दिवबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सक्रेंगे।

स्पब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पर्वो का, जो उत्त प्रधिनियम के जन्माय 20-क में परिचालित है, वही पर्व होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तम्पत्ति तथा व्यक्ति:—जैसा कि विलेख नं० 510 दिनांक मई 1979 की रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी नकोदर में लिखा हैं।

> बी०एस०ंदहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन, रेंज जालन्धर

तारीख: 11-1-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश, सं० ए० पी० 2026—स्दतः मृझे, बी० एस० दहिया आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

श्रायकर द्वाधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से श्रिधक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
 - (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— श्री अर्जन सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह पुत्र गंगा सिंह निवासी शन्कर तहसील नकोदर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री निर्मल सिंह सुख्वचैन सिंह इकबाल सिंह पुत्र बखशीश सिंह निवासी मोहन सिंह तहसील नकोदर। (धन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति इचि रखता में हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में मधोइस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाबोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में ∤किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनु सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति :--जैसा कि विलेख नं० 366 दिनांक मई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी नकोदर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-80

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस∙-

ग्रायकर ऋषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

का**र्वोलय, सहायक ग्राय**कर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2027---यतः मुझे बी० एस० दहिया भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त प्रश्निनियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्त जिसका उचित 25,000/→ रुपमे स्रधिक बाजार मूल्य ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुष्यमान प्रतिफन के लिए प्रत्तरित की गई है भौर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे **ब्र**थमान प्रति**फ**ल का पन्द्रह् प्रतिशत मधिक है मौर **अ**न्तरक (प्रत्तरकों) श्रीर श्रत्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिर तम याया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है:----

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त व्यक्षि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दामिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (स) देती किती बाब गा किती बा या प्रत्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर मिलिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिलिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्तिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने म सुनिया के लिए;

अतः धव, एकत अधिनियम की बारा 269-न के बनुबर्क में, में छक्त प्रधिनियम की बारा 269-न की प्रपश्रारा (1) के मधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थात् :--- श्री बखणीश कौर परनी सोहन सिंह पुत्र बन्ता सिंह बासी णंकर तहमील नकोदर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती शशी कान्ता संघु पत्नी कुलवंत सिंह संघु पुत्र चनन सिंह तीर्थ राम कालीया पुत्र तैलु राम बासी नकोदर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि अपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. भी व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
गानसा है कि बह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तमात्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूजना के राजाब में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवाधे या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के मोतर पूर्वीका स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस मूधना के राजात में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन हे भीतर उकत स्थावर सम्मति में हितवद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-तियम क श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रमुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्तिः — जैसा कि विलेख नं 365, मई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी में नकोदर ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रा**थुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**य**: 11-1-80

नोद्वर:

प्रकप धाई • टी • एन • एस०----

आयशर मधिनियम, 1981 (1981 की 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्दोग सं॰ ए० पी० 2028—यतः मुझे बी॰ एस० दहिया

भायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-क ने प्रोत्त सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कार है कि स्वावर संपत्ति, जिसका बजित बाजार मूख्य 25,000/-४० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1979

की पूर्वीक्त मंति के जिन बाबार मूहा से कर के बृह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उवित बाबार मूह्य, उसके बृह्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्निलिखित अहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाहतिबक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबन उक्त श्रीवियम के प्रशीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने प्र इससे अवने में मुजिबा के लिए। और/मा
- (ख) ऐसी तिसी आय या किसी धन या पन्य अल्टिन्यों को, जिन्हें भारतीय सायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या रुक्त श्रिष्ठित्यम, या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व भन्तरितौ द्वार अकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: प्रन, उन्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उन्त सक्षितियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात !--

- ं 1. श्रीमती सुखबीर कौर पत्नी ज्ञान सिंह पुत्र बन्ता सिंह निवासी शंकर तहसील नकोदर जिला जालन्धर। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री प्रीतम सिंह टाईगर पुत्र सन्ता सिंह पुत्र वीर सिंह जसप्रीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी ग्रजीत नगर ग्रमतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जोरी करके दूर्वोश संगति के अर्जन के लिए कार्यग्रिहर्यों करना हूं।

उक्त संपत्ति के बार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप :--

- (क) इस सुचना के राजाब में प्रकाशन को ठारीख से 45 किन की अबधि या तत्सबधा व्यक्तियों पर सूचना के तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजपत्र मं प्रकाशन की नारी कि से 45 दिन के भीतर जान स्थावर संपत्ति में हिन्द में किसी भ्राप्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वत्रहोक्करण :--इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अब्दें होगा जो उस कश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्तिः—जैसा कि विलेख नं० 551 मई 1979को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सङ्खायक भ्रायक र भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिमांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2029—यतः मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बापा राये में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भोलथ में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1979

- को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरिक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक एव से कथित नहीं किया गथा है :—
 - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रांधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

 श्री श्रमर सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह निवासी बुट्टर नहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पाल सिंह, गुरदीप सिंह, तरसेम सिंह पुत्र श्री ग्रबचन सिंह, गांव बृदूर।

(अन्तरिनी)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्राधिशाम में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजनंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ िक्सी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोहस्ताक्षणे के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरणः - - इनम प्रयुक्त गब्दों श्रोर पदों का जो छक्त ग्र'धिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

भ्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति:—जैसा कि विलेख नं० 324 दिनांक मई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भुलथ ने लिखा है।

> बी०एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-80

प्ररूप ग्राईं॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवण सं० ए० पी॰ 2030——यतः मुझे बी॰ एस॰ दिह्या भ्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु॰ से

ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रानुसूची में लिखा है तथा जो सिकन्दरपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धंन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रायीत्ः — श्री रक्षा सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह गांव व डाकखाना सिकन्दरपुर, तहसील जालन्धर ।

(म्रन्तरक)

 श्री गुरमीत सिंह पुत्र श्री शंकर सिंह गांव व डाकखाना सिकन्दरपुर, तहसील जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरलम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उनन स्थागर नंपत्ति में हित-वढ़ किसी व्यक्ति द्वारा अप्रोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढडीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति:—जैसा कि विलेख नं० 971 दिनांक मई 1979 को रजिल्ट्रीकर्जा अधिकारी जालन्धर ने लिखा है। बी० एस० दहिया सक्षम प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-1986

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० पी० 2031—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया

प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उचित बाजार मून्य 25,000/-वर्ण से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो फीरोजपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय फीरोज पुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमाम प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, जननिच्चित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिख्यत में शास्त्रिक हो ने कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षित्यम के मधीन कर देने के भन्तरक के दामिला में भूमी करने ना उससे बचने में सुनिधा के सिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसां किसी आय या किसी धा या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर संधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

मत: भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री रिवन्द्र नाथ सेठ पुत्र जगन्ननाथ, किपल देव रमेण, सुपुत्र श्री बाल किणन सेठ निवासी कुचा काह्न चन्द फीरोजपुर शहर ग्राज कल बम्बई में। (ग्रन्तरक)
- श्री नन्द किशोर पुत्र श्री दीवान चन्द निष्धि कांशी नगरी फिरोजपुर शहर। (श्रम्तरिती)
- 3. जैसा कि नं 0 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीचा से

 45 दिन की घविष्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी
 पविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त ध्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिधाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उद्य अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति—जैसा कि विलेखनं० 896 दिनांक मई 1979 को रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी फीरोजपुर ने लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-1-80

प्रका आहेव टी र एन र एम ------

प्राप्तर ग्रजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/सब० ,रिजिस्ट्रार/सोलापुर/79-80 /464—यत: मुझे एस० के० त्यागी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित साजार मूल्य 25,000/- क॰ मे प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० टी० एम० क० 6160/1 है तथा जो सोलापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सोनापुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 15 मई 1979

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के यूक्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत घिक है बीर घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के वीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त उन्तरण निक्ति में वास्तिविक्त रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रस्तरण से हुई जिसी प्राय को बाजन, उन्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या जससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी बार या अन्य अन्स्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या विया जाना चाहिए वा, पिकाने में सुविधा के लिए।

बतः बबः, उनः अधिनियम की धारा 269-च के झनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती शोभाबाई श्रार० मोगवी 295, मंगलवार पेठ, मोलापुर।

(भ्रन्तरक)

 सोलापुर शहर भादीरवाना ट्रस्ट 294, मंगलवार पेठ, सोलापुर।

(म्रन्तिंग्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यगहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्वन के संबंध में कोई भी धान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्थीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर परों का, जो उकत प्रधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रषं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान: सी० टी० एस० क० 6160/1 सोलापुर। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख कं० 1115, दिनांक 15-5-79 को सब रिजिस्ट्रार सोलापुर के दर्पतर में लिखा है)।

> एस० के० त्यागी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-12-79

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 28 विसम्बर 1979

ए० सी०/सी०ए० 5/एस० धार० हवेली निर्देश सं० जुलाई 1979/465-यतः मुझे एस० के० त्यागी भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की घारा 269-वा के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- वपये से घछिक है भौर जिसकी सं० फा० प्ला० ऋ० 554/1, 554/2 है तया जो शिवाजीनगर पूना में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में भीर पूर्णं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय एम० न्नार० हबेली 1 में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण निखित में वास्तविक इप से इचित नहीं किया गया है :--

- (क) अंग्वरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उत्तत प्रश्नित्यम के धवीन कर देने के घन्तरक के बायिस्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय का किना धन वा अन्य आस्तियों, की जिन्हें भारतीय भागकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के मयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उपत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपघारा (1) के अधीम, निम्नलिखित क्यक्तियों अर्थात् :—— 11--436@1/79 मैसस माडनं बिल्डसं 1187/20, धोले रोड, फिवाजी नगर, पुता-5।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स क्वानेश को० श्रापरेटिव होसिंग सोसाइटी 1179, ज्ञानेश श्रपार्टमेंटस शिवाजीनगर, पूना-5। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्यत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भार्कीय :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी सन्य व्यक्ति क्षारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिकिट में किए जा सकेंगे।

स्पक्की खरवा:---इसमें प्रयुक्त कब्बों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त ग्राहि-नियम के प्रध्याय 20-छ में परिभाषित हैं, वहीं जबं होगा, जो उस ग्रध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी:—फायनस प्लाट कं० 554/1, 554/2 **णिवाजी** नगर, पूना-5।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1934 दिनांक 31-7-1979 को सब रजिस्ट्रार हवेली-I के दश्तर में लिखा है)।

> एस० के० त्यागी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, पूना

ता**रीख**: 28-12-1979

प्रक्प आई० टी• एत०एस०---

भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० यू०-24/म्रार्जन—यत. मुझे म्रामरसिंह बिमेन पायकर प्रश्नियम, 1961(1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृष्य 25,000/- क्यये से पश्चिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० 21 व 22 प्लाट संख्या 447, 454, 1762/51762/6 है तथा जो भो० मिबिल लाइन सुस्तानपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय सुस्तानपुर में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के स्रधीन, तारीख 21-5-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकान के लिए प्रश्वरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रश्वरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाष को बाबत, उक्त भाषिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐनी किसी बाय या किसी धन या अश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम पर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधां के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :--- सर्वश्री मो० नासिरखां, मो० बगीरखां, मो० अमीरखां, श्रीमती मसरा वीबी।

(श्रन्तरक)

2. सरदार उत्तम सिंह, सरदार दर्शन सिंह , सरदार महेन्द्र सिंह, सरदार दलजीत सिंह, सरदार राजेद्रपाल सिंह।

(श्रन्तरिती)

उपरोक्तकेता व किरायेदार मो० कलीम , मो० खुरशीद,
 मो० सादिक, राजाराम, यादव, गोविन्द प्रसाद, गिरधारप्रसाद,
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती कमग्लनिसा।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताआरी के पास लिखित में सिए जा सर्जेंगे।

रुपण्डोकरण: ---इसमें प्रयुक्त जन्दों झोर पर्दों का, जो उनत सिंधितियम, के शन्याय 20-ए में परि-माचित हैं, नहीं धर्म होना, जो उस धन्याय में दिया नया है।

अनुसूचो

मकान नं० 21 व 22 व प्लाट नं० 447, 454, 1762/5 व 1762/6 स्थित मोहल्ला सिविल लाइन्स मतालिका छावनी सदर परगना मीरानपुर तहसील व जिला सुलतान पुर व वह सारी इमारत व भूमि म्रादि व सारी सम्पत्ति जिमका वर्णन सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 1011/79 के वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार सुल्लतानपुर के कार्यालय में दिनांक 21-5-79 को हो चुका है।

श्रमरसिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज लखनऊ

तारीख: 19-12-1979

प्रकप आईं वी • एम • एसं • ——

आयकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा 269-**ष (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज लखनऊ लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० जी०-40/म्रर्जन—यतः मुझे म्रमर सिंह बिसेन आयकर मिंदिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० प्लाटनं० 17 है तथा जो श्रजाहाता होटल बालडो फॅमल्लीताल नैनीताल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-5-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के जिए भन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूषमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक अप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उनता अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिवियम, या बन-कर धिवियम, या बन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भ्रतः धव, सक्त भश्रिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त भश्रिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित स्पन्तियों, श्रवीत्:--- श्री रामप्रकाश, विषानुग्रीतार, श्रोमग्रीतार , सूरज ग्रीतार राजीव कुमार, सुरेश कुमार, ग्रनिल कुमार ग्रशोककुमार गोयल।

(स्रन्तरक)

- श्री गोविन्द लाल शाह, देवीलाल शाह। (म्रन्तरिती)
- 3. विश्वेता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्यति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस भूवता के रामरत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की घवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी घवधि बाद में स्वान्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इप पुषता के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी पन्य व्यक्ति द्वारी, पक्षोहक्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण : -- इनमें प्रपृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधितियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही मधं होगा जो उस सक्याय में दिया गया है।

अनुसुन्दो

एक किता प्लाट नं० 17 क्षेत्रफल 1531.79 वर्गफीट स्थित ग्राहाता वाल्डोक होटल मल्लीताल नैनीताल व सम्पत्ति का वह सब विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 262/79 में विणत है जो कि 9-5-79 को सब रिजस्ट्रार नैनीतालके कार्यालय में पंजीकृत हो चुके हैं।

> अमर सिंह बिसेन ्सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज **लखन**ऊ

नारीख: 15-12-1979

प्ररूप माई० टी० एम० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**घ** (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 15/दिसम्बर 1979

्निदेश सं० पी-7*3|*म्बर्जन—यत[ँ] मुझे, स्रमर सिंह

बिसेन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिशीन सञ्जय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 5 वालडोर्फ होटल, है तथा जो मरुलीताल, नैनीताल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से व्रणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिका तिनालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: →

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात: ग. नी राम जनात, विषानू घोतार, सुरव घोतार घोम फ्रोतार, श्रतिल कुमार, राजीम कुमार, राकेश कुमार, श्रशोक कुमार गोमल।

(ब्रन्तरक)

2. श्री प्रेम नगर श्राश्रम (जि∙) नगर

(भ्रन्तरिती)

3. विक्रेता ।

(बह न्यमित, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- - इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वालडोर्फ होटल मल्लीताल, नैनीताल के प्रहाते में स्थित प्लाट नं० 5 क्षत्रफल 1342.13 वर्गफीट व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 263/79 में वर्णित है जो कि सबरजिस्ट्रार नैनीताल के कार्यौलय में दिनांक 9-5-1979 को पंजीकृत हो चुकी है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-12-1979

प्ररूप झाई • टी • एम • एस • ---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निवेश सं० पी-74/अर्जन--यतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से म्रधिक है मुल्य 25,000/-रुपए भ्रौर जिसकी सं० दो मंजिला मकान मय प्लाट खसरा नं० 7 है जो ग्राम मौजा शिवदासपुर वाराणसी में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे प्रधिक है ग्रौर दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उकत ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
- (ंख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनिथम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, स्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— सर्वेश्री रामकी व लालकी ।

(भ्रन्तरक)

- 2. मैसर्स पंजाब आटामोबाइल्स, नदेश्वर, वाराणसी। (भ्रन्तरिती)
- उपरोक्त विकेता व दो किरामेदार।
 (बह व्यक्ति, जिसके क्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचता के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम के ग्रध्याय 20 कमें यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6½ डिसमल (एक विसवा) पैमाइस वाला प्लाट खसरा नं० 7 व उस पर बना दो मंजिला मकान स्थित ग्राम व मौजा शिवदास पुर परगना दोहात श्रामानत जिला बाराणसी तथा वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड ग्रौर फार्म 37-जी संख्या 4197 में विणित है जिनका पंजीकरण मब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 30-5-79 को हो चुका है।

श्चमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-12-1979

प्ररूप ग्राई∙ टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निवेश सं० पी-75/अर्जन—यतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० दो मंजिला मकान व मय भूमि है तथा जो वाकम गांधीनगर, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इसहे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-5-79 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के

पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रौर

भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भ्रन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— 1. श्री भूरे सिंह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पार्वती देवी।

(श्रन्तरिती)

3. विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्तात्ररी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक किता मकान पुख्ता दो मंजिला उत्तर रुखा मयं जुमला श्रमला व इमारत व श्राराजी तहती व सहनी तादीदी 167.225 वर्गमीटर वाके गांधीनगर मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 2902/79 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार म्रादाबाद के कार्यालय में दिनांक 23-5-79 को हो चुका है।

श्चमर सिंह बिसेन सक्षम **प्राधिकारी** महायक श्रायकर श्चा**युक्त (निरीक्षण)** श्च**र्जन** रेंज, ल**खन**ऊ

तारीख: 18-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निधेश सं० पी-76/श्रर्जन—पतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक हैं श्रौर जिसकी मं० मकान नथा जो मो० कूचा मोती मनसुख, बरेली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-5-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रग्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—-

- श्री अक्रीत कुमार व श्रीमसी जगदस्या देवी। (ब्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेम प्रकाश।

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तन्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल मकान याके मोहरूला कूचा मोती मनसुख शहर बरेली व वह सब सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड घ्रौर फार्म 37-जी संख्या 24.98/1/79 में वर्णित है जिनका पृंजीकरण सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 16-5-79 को किया जा चुका है|

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-12-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 57 रामतीर्थमार्ग लखनऊ, लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेशमं० एम०-III/श्रजंन—यत: मुझे अमरसिंह बिसेन आथकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 239-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व॰ से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1 क्षेत्रफल 1568,60 वर्ग फीट वाडोंफोर्ड होटल है तथा जो मैल्लीताल नैनीताल में स्थित है (और इससे उपायड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (आन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी ज्ञाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रणीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शुंबधा के लिए;

अतः थव, उस्त अविधित्यम् की धारा 269 म के अनुतरक में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मन्नीन निम्नलिखित स्पनितमों, अर्थात् :---

- श्री राम प्रकाण। सूरज श्रोतार, विशव श्रोतार, श्रोम श्रोतार, श्रानिल कुमार, राकेण कुमार, राजीव कुमार, श्रणीक कुमार गोयल।
 - (अन्तर्क)
- 2. श्री मसूद अहमद।

(ग्रन्तिरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी विकेता।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध नो भी प्रविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत पें प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त क्यांवर सम्पत्ति में दितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गर्ध्यों श्रीर पर्यों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट नं० 1 क्षेत्रफल 1568.60 वर्गफीट (145.79 वर्गमीटर) जैसा कि साईट-प्लान में लालरंग से दिखाया गया है जो कि वाडोक होटल मल्लीताल जिला नैनीताल के ब्रहाते में स्थित है। तथा सम्पत्ति का बह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म संख्या 260/59 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार नैनीताल के कार्यालय में दिनांक 9-5-79 को पंजीकृत हो चुके हैं।

श्रमर मिह बिसेन सक्षम <mark>प्राधिकारी,</mark> स**हामक श्रामकर श्रामुक्त (निरीक्षण)**, श्रर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

नारीख: 15-12-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 15 दिसम्बर 1979

निदश सं० एम०-112/प्रार्जन--यत: मुझ प्रमर सिंह बिसेन धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 क्षेत्रफल 197.61 वर्गमीटर है तथा जो मल्लीताल नैनीताल में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद प्रमुस्ची में प्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 9 मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है थौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तकों) घौर धन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रंधिनियम, या धन-कर श्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :— श्री राम प्रकाण, सूरज स्रोतार विश्वन स्रोतार, स्रोम स्रौतार, स्रिनिलकुमार, राजीव कुमार, राकेश कुमार, स्रशोक कुमार गोयल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मसूद श्रहमद, दवाराईस श्रहमद।

(भ्रन्तरिती)

3. विक्रेता।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्तं ग्रब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रक्षित्यम', के श्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्नाट नं ० 4 जो होटल बालडोर्फ मल्लीताल जिला नैनी-ताल के महाते में स्थित है और माईट प्लान में लाल रंग से दिखाया गया है जिसका क्षेत्रफल 2.126.30 वर्गफीट (197.61) जिसकी हद नीचे दी गयी है। पूर्व-फिट की पट्टी जो बालडोर्फ होटल की उठी हुई भूमि की है।

उत्तर--- फिट का कामन पैसेज जिसके बाद वाल्डोई होटल के प्लाट है।

दक्षिण--वालडोर्फ होटल की शेष भूमि।

सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 261/79 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजिस्ट्रार नैनीताल के कार्यालय में दिनांक 9-5-79 को पंजीकृत हो चुका है।

> ग्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-12-79

मोहर:

-436GI/79

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ कार्यालय लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एम०-113/प्रार्जन—यत: मुझे प्रमर सिंह बिसेन, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त ग्राधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधि हारी की यह विष्णाम करने का तार्ण है कि स्थावर सम्मान, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

स्रीर जिस की सं० प्लाट श्राराजी 239.52 वर्ग मी० है तथा जो मुरादाबाद में स्थित है (स्रीर इस से उपायद्ध श्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 9 मई 1979

को पूर्णोक्त सकाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारज है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है मौर मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (अलारितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है 1---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त भिक्षित्यम के अधीत कर देने के प्रात्तरक के दाविश्व में कमी करने या कबसे बचने में सुविश्वा के लिए; धीर/ का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को शिन्हें पारनीय आय-कर अधिनियम, 1922 / 1922 का 11) या एक्त प्रधिनियम, गा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजन ये प्रश्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया पाना पाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उस्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1 श्री ठाकुर जितेन्द्र पाल सिंह ।

(भ्रन्तरक)

- श्रीमती मीनादेवी व श्री राकेण कुमार।
 (श्रन्तरिती)
- विकता
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपति के प्रर्जन के संबंध में कोई मी आक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में द्वितवड किसी भन्य व्यक्ति द्वारा ग्रष्टोइस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्युक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रबंहागा जो उस अध्याय में विचा गया है।

पनुसूची

एक किता श्राराजी तादादी 239.52 वर्गमीटर वाषव मोहत्ला कटधरबीच जिला मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 2552/79 में विणित हैं जो सब रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 9-5-79 को पंजीकृत हो चुके हैं।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-12-79

त्रक्य साईं । ही । एन । एस -----

भायकर द्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के द्यीन सूचना

भारत सरकार

नार्याचय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एस०-185/ग्रर्जन---यतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त सिवित्यम' कहा गया है), की बारा 269-ख के समीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 147-डी०-7 है तथा जो मो० किमरोल मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम में बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिगत भविक है भीर धन्तरक (खग्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निष्वित में बाक्तक कर से कवित नहीं किया गया है:—

- क) सन्तरण से हुई किसी यान की नानत, उनत श्रीवित्यम के स्वीत, कर देने के सन्तरक के नावित्य में क्यी करने या क्यसे मचने में सुनिधा के विद्या सीत/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भाय भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिष्ठियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष्

यत: ग्रव, उनत प्रविभियम की बारा 268-ग के धनुस्रक में, में, एक्ट प्रविभिवम की बारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्मविधित व्यक्तियों, सर्वात:--- 1. श्री विकारल इस्लाम

(ग्रन्तरक)

2. श्री शब्बीर श्रहमध

(अन्तरितीं)

3. उपरोक्त विकेता

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीक से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिन्ध-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित है, वही धर्व होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुछता | दो मंजिला नम्बरी 147डी-7 वाके मोहल्ला किमरोला णहर मुरादाबाद व सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 1310/7 में विणित है जिनका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार है मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 29-5-79 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-12-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

शासकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रर्जन, रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० बी०-88/धर्जन—यतः मुझे, ध्रमर सिंह बिसैन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचान् 'उक्त घि वियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसहा उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन है तथा जो मो० फूलबाग सालेह-नगर बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 20 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

श्रत श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपश्रारा (1) के स्थीन, निम्निसिस स्थितयों, श्रयीत्:—

- श्री कुवर काली मोहन मिश्रा व श्रीमती माधुरी मिश्रा। (प्रन्तरक)
- 2 श्री बूज बिहारी लाल जोहरी, (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप : ---

- (ह) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध िसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी तरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जनीन रक्या 1493.869 वर्गमीटर जो कि मो० फूलबाग साल्हेनगर बरेली में स्थित है तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि फार्म 37-जी व सेलडीड में वर्णित है ग्रौ सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 20-5-79 को दर्ज है।

> अमर सिंह बिसेन सवाम प्राधिकारी सङ्घायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 20-12-1979

प्रकृप माई॰ टी॰ एत॰ एत॰-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की कारा 269-न(1) के मिनियम

मारत सरकार

कार्यांत्रय, त्रहायक भायकर भायन्त (विरीक्षण)

मर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, विनांक 19 दिसम्बर 1979

भौर जिसकी सं० मकान 17/6 है तथा जो विन्डसर पैलेस लखनऊ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 29 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूक्य से कम के बृष्यमान
प्रतिफत के लिए अस्तरित की गई हैं। और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्व
प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिपुक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त धरि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के धधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्वात् !--- 1. श्री भूषण लाल बहरी

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री जी० पी० शर्मावश्रीमती पार्वेती शर्मा। (ग्रन्तरिती)
- उपरोक्त केता व विकेता:
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूवना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में शितश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घषोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रमुक्त कक्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही भ्रषे होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनु सूची

मकान नं० 17/6 विन्छसर पैलेस हवलकरोड (हैदर अली कैनाल के किनारे) लखनऊ व वह कुल सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड एवं फार्म 37-जी संख्या 2813 में वर्णित हैं और जो सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय के में दिनांक 29-5-79 को पंजीकृत हो चुके हैं।

> श्चमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी; सङ्घायक भायकर मायुक्त, (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-12-79

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० जी०-42/ग्रर्जन—यतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन ग्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्राधिक है

श्रौर जिसकी सं० दूकान नं० 43/136 का मय इमारत के हैं तथा जी मो० नवल किशोर रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 मई 1979

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ंघंठ: बंब, उंबत "अविनिधंत्र की आरा 269-ए के बन्-सरण में, जे, बंबत अविनिधंत की आरा 269 व की स्थानारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ।---

- श्री सुन्वर दास ग्ररोरा थ श्रीमती विमला देवी। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गिरीश कृमार रस्तोगी।

(भ्रन्तरिती)

3. उपरोक्त विश्रेता।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिकोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा श्रम्भोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पन्डोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भायकर अधिनियम के अध्याव 20-क में परिमाधित है, ∫ वही अर्थ होगा जो जस भ्रव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूषी

बुकान नं० 43/136 का मय फीहोल्ड जमीन 400 वर्ग फुट व इमारत के स्थित मोहल्ला निवल किशोर रोड शहर लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जिनका वर्णन सेलडीड व फार्म 37जी संख्या 2256/79 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5-5-1979 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-12-79

मोहरःः

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1979

निर्वेश सं० बी-43/धर्णन—यतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयक्तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ध्रा० नं० 57/15 व 57/13 है तथा जो मो० भोजपुर तह० चन्दोली वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्त्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रामनगर वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 25 मई 1979

को पूर्वोक्त जम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुले यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत से अधिक है और प्रन्तरिक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (अन्तरितिगो) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नजिधित बहेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्विक रूप से काबत नहीं किया वया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐंसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तिगों को जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भव, उक्त भिधिनियम, की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयात्:—

- श्री अब्दुल गली, इक्बाल ग्रहमद, मुश्ताक ग्रहमद तथा इश्तयाक आहमद द्वारा सुरेण चन्द्र व सुभाष चन्द्र। (अन्तरक)
- 2. मैं ससं विष्णु दैषसटाइलस मिल्स। (भन्तरिती)
- 3. विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिमोन में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूँ।

उत्त तम्पति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घर्वांध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वांध जो भी धर्वांध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवह किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए, जा सकेंग।

हरवधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पयों का, वि उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिधाबित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदायया है।

अनुसुची

खुली जमीन 1.69 एकड़ जो कि मोजा भोजपुर परगना रान्ह्रपूपुर तहसील चन्दोली जिला नाराणसी में स्थित है तथा सम्पत्ति का वह सब निवरण जो सेलडीड न फार्म 37जी संख्या 435 में बॉणत है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार रामनगर जिला वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 25-5-79 को पंजीकृत है।

> ग्रमर सिंह बिसेन संभम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज संखनऊ

तारीख: 20-12-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० श्रार०-141/ग्रजैन—यतः मुझे ग्रमर सिह बिसेन श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान 45-ए(ए) है तथा जो कृष्णानगर लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित स्पक्तियों, धर्यातु:--- 1 श्रीमती शान्ती देवी वोहरा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती राम देवी यादव

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उ₹त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इन सूत्रना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगें।

स्थण्टोकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया

अनुसूची

एक किता मकान नं० 45-ए(ए) तावादी 12000 वर्ग फीट वार्के मोहल्ला कृष्णा नगर महर लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 2382/79 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 10-5-1979 को हो चुका है।

ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-12-79

मोह्ररः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 ं 1961 का ४३) की धार। 264-घ । 1 के अवन सूचना

ं शु∵्र

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 151 ए०/पी०एन०/मेरठ/79-80—यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अिनियन, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उकत अधितियम' कहा का है), की धारा 269-छ के अर्थात सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास ाज का का गण है कि जावर सम्बंध, जिसका उचित बाजार बूक्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 89 है तथा जो कल्याण नगर गढ़ रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के टिचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दक प्रतिगः । गिक है और प्रति के (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (यन्तरितियों) ं बोच ऐसे गन्तरण के लिए त्य सारा गा गिक से निम्नितिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिक हम से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से इंड किसी खाय की बाबत खबत इधिनियम के प्रणीत कर देते के मुन्तरक के दाधित्व में कभी अरते या उससे बचन में पुलिधा के निष्; भौर/बा
- (ल) ऐती तिथी आय या किलो धन या सम्य धास्तियों

 तो, जिन्हें भारतीय आयकर धिवित्यम, 1922
 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम या धन-कर धिवित्यम, 1957 (1957 का 27)

 प्रधोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गवा था या विधा जाना नाहिए था, खिपाने में

अतः श्रव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-य के धनुमरण में. में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की जपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- श्री देव शर्मा कश्यप पिसर श्री सी० एल० शर्मा साकिन कल्याण नगर गढ रोड मेरठ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्याम सुन्दर व श्री किशन चन्द्र पिसरान लाला ढालूराम साकिनान 64/7 चैपल स्ट्रीट मेरठ कैन्ट कल्याण नगर को० ग्रापरेटिव हा० सी० साई० टी० लिमिटेड, मेरठ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना इं।

उनत सम्पति ण अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

एक मकान नं० 13 जिसका हाल नं० 89 हो गया है मय ग्राराजी तहती 256 वर्गगज के लगभग वाके मोहल्ला कल्याण नगर गढ़ रोड, शहर मेरठ।

> वी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी ृसहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-12-79

मोहर :

13-436GI|79

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 792/म्नर्जन/म्नागरा/79, 80——यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्थेदी,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त यिवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-क्पये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 43 है तथा जो नगर महापालिका श्रागरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरिन को गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पत्त्रक् प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तरिक का से कथिन नहीं किया गया है:---

- (स) प्रश्नरण नि हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर बैने के भ्रम्तरक के दायित्य में कमी करने या उनसे बचने में सुविका के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त भिष्ठिनियम की घारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त पिष्ठिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्रीमती रनजीत कौर बेवा रतन सिंह व गुरुथरनिस्ह बल्द रतन सिंह व जसबीर कौर व कमलजीत कौर पुत्री रतन सिंह निवासी 67/1 वस्केश्वर कालोनी श्रागरा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कस्तूरी जाल तनेजा पुत्र श्री तारा चन्द व लाजपत राय व जसबन्तराय वल्द श्री कस्तूरीलाल निवासी 117 इन्डस्ट्रीयल स्टेट नुनिहाई ग्रागरा।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भार्नेत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रजाशन की तारीखं से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

रपच्छीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उसत अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाधित हैं, नहीं भर्छ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बरी 43 नगर महापालिका आगरा नं० 33/155 बी॰ एख॰ डब्ल्यू॰ शिवपुरी बल्केश्वर रोड आगरा।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-12-79

प्रकृष शाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर घिष्ठिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 52/म्रर्जन/फीरोजाबाद/79-80—यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी भागकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (निषे

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिय इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खसरा न० 116 ग्र है तथा जो मोजा रूपसपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25 मई 1979 को पूर्वीक्त सम्पति के

उचित बाजार पृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह ने बीर हुने यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्त का उचित याकार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रथिक है और अन्तरक (अन्तरकां और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखिन में वर्शनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिया के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी भन या भन्म भ्रास्तियां की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, बा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ याचारी द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया काना वाहिए बा, कियाने में सुविधा के लिए;

चतः श्रम, उक्त श्रिष्ठिनियम की श्रारा 269-च के चनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रचीत्:——

- श्री हरिम्रोम हरी शंकर राधेश्याम पुत गण भगवती प्रसाद व श्रीभगवान पुत भरत सिंह व वासदेव, ज्यान विहारी पुत्रगण झुन्नीताल म्रकाम ब्राहण निवासीगण रूपसपुर फिरोजाबाद, म्रागरा। (म्रन्तरक)
- 2. श्री कीर्तराम पुत्र श्री नंदलाल हरपाल सिंह भुजबीर सिंह पुत्रगण कीर्तराम व श्रीमती हरप्यारी धर्मपत्नी कीर्तराम निवासीगणन मोजा रुपसपुर गुदाऊ तह० फिरोजाबाद, श्रागरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी लरह र्स्ट्रामध्यान के अर्जन के लिए कार्यग्रियां शुरू हरता हूं '

उस्त प्राति के अर्जन के जन्मता वे बोई भी पाक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की नारीख है 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी अपक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अवधि, तो भी शबधि बाद में समान होती हो, के गीनर प्रक्रित अवधितयों में से किसी काक्ति हारा;
- (४) इस पूचा के राजर में प्रकागा की तारीख से 45 दिन के भीनर दक्त स्थावर सप्पत्ति में हितबह कि ने अस्य अपान द्वारा, घष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोहरण - - इनमें त्रमुक्त नहीं और नदीं मा, जो उक्त अधिनियम के किनाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रबं होगा जो उस परवास में दिना गया है।

अनुसूची

म्राराजी भूमि धरी वो कमौजा रूपसपुर तह० फिरोजाबाद म्रागरा खसरा न० 116म्र रकवा 30/बीघा छः विस्वा का एक बटा चार भाग दक्षिण साईड यानी रकवा सात बीघा ग्यारह विस्वा ग्यारह विस्वा ग्यारह विस्वा ग्यारह विस्वान्सी लगानी 56/10 पैसा सालाना।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-12-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रावकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रश्नीत सूचना

भारत मरकार

जामी स्य, सहायक अध्यक्तर प्राप्तुरन (निधीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 272-ए०/कानपुर/79-80---यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इगके पश्चात् 'उन्त प्रश्वितियम' कर्ग गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्रम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है। हिस्थात्र नानि जिसका गोचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 12/470 है नथा जो गुवालटोली कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण स्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 29 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के तृष्यमान प्रसिक्त के लिए मस्तरित की गई है और मुझं यह निष्या करने हा परग है दि यथापूर्वोक्त मंगत्ति का उजित काला मूस्य, उत्तके दृष्यमान प्रतिफल ऐसे, सृष्यमान प्रतिपत्त का पत्नह प्रसिक्त अधिक है और मन्तरिक (अन्तरिकों) भीर मन्तरिकों (अन्तरिवयों) के बोन ऐसे पत्नरिण में लिए नव पाया गया रिनिका विस्ता निश्ति उद्देश्य से छक्त प्रस्तरंग लिजित में बास्तिक का से कथित रहाँ किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण पंतृष्ठे जिस्सी प्राय जी जानत उत्तर धिन निसम के प्रश्नीन कर देने के श्रन्तरक के वासित्य में क्रमा करने सा उससे सनने में सुविधा के जिए; श्रीर/सा
- (ख) ऐसी किसी त्राय या जिसी धन या अन्य घोस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधनियम, या धन-कर घिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त अधितियम, की धारा 269-न के अनुसरण में. में, उन्त अधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिचित व्यक्तियों, अर्थीष :--- श्री ग्रब्दुल हमीद पुत्र श्री हाजी ग्रब्दुल रज्जाक, निवास 96/37 करनैल गंज, कानपुर।

(भन्तरक)

 सर्वश्री खेमचन्द पुत्र श्री सीतल दास, निवासी 11/254, सुटरगंज, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचरा जारी करके पूर्यांका सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अरक्षयः ---

- (त) इन सूचता के राजनत्र नें प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की नापील में 30 दिन की भविध, जो भी अविधि याद नें प्रपाद होती हो, के बीतर पूर्वीका व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इत सुवता ह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उना स्थावर संगास में जिल-गढ़ किसी पान पार्टिंग हारा अभोड्स्ताझरी है गत निक्षित में सिए जा पहेंगे।

स्यब्दीत्तरण: --इसने नवुका मन्दां भीर नहीं का, जी छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाधित हैं. बड़ो अर्थ होता साउन अध्यास ने दिया 'का

मनुसुची

एक किता मकान नम्बर 12/470, ग्वाल टोली, कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-12-79

(अन्तरिती)

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्थालय, सहायक श्रायकर ग्राय्युक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 337-ए०/मंसूरी/79-80—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अश्विनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अभोत सक्षत महिकारों को, यह विश्वास करते का हारण है कि स्थानर स्वानेत जिनका उच्चा माजार मूच्य 25,000/-रुपए से श्रीधिक है

भ्रौर जिसकी सं के कि है तथा जो टेहरी रोड़, मंसूरी में स्थित है (यौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मंसूरी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 जुन 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नजिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त स्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों
 को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या
 धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविद्या के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

मंसुरी, उ० प्र०।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्यम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजधन में नकागन की नारीख़ में 45 दिन के भीतर उन्त स्थागर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोर्श्नाझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, ओ उका श्रधि-नियम, के ग्रज्याय 20क में परिमाधित हैं, वहीं ग्रार्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

अवल सम्पत्ति जिसे 'पाइन पुश्राइन्ट' स्टेट कहते हैं तथा जो म्यूनिसिपल की हद में है जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ के लगभग है श्रीर जो टेरी रोड, मंसूरी में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-12-79

प्रकृप आईं विराग्न एस०---

आयकर अधि ायम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 12 विसम्बर 1979

निर्वेश सं० 981/ए०/मेरठ/79-80---यतः मुझे, बी॰ सी॰ भत्ववी

भाग हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर बंग्नि जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

प्रधर जिसकी मं० 26 नं० 11-सी है तथा जो पटेल नगर मेरठ में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रन्मूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसेदृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिक्षत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितिगों) के तोच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत कि विस्तिविद्या उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं. किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रायीत्:—

- श्री डा० के० एन० सेठ पुत्र सर्वश्री पारसराम सेठ निवासी मुं० पटेल नगर जली कोठ, मेरठ सिटी। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रमृत कौर पुत्री डा॰ सरदार वरेन्त्र सिंह पुल श्रौर डा॰ सरदार वरेन्द्र सिंह पुत्र मेजर सरदार नरेन्त्र सिंह पुल श्रवकासप्राप्त निवासी डफरिन श्रस्पताल मेरठ सिटी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -द्यमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी क्यार्टर नं० 11-सी० म्यूनिसिपल नं० 26 जली कोठी कालोनी पटेल नगर, मेरठ शहर के नाम से जानी जाती हैं। बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-12-79

मोहरः

प्रकृष साई० ही॰ एन॰ एस॰----

सायकार पश्चितियम 1961 (1961 का 43) की मारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सायौनव, महापक भावकर भावृक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 267-ए०/कानपुर/79-80—-यतः मुझे, बी० सी० वतर्षेषी

स्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इवके रश्वान् 'उकत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्रोन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्षम संप्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 8/48ए० है तथा जो श्रार्य नगर कानपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबग्र श्रन सूची में श्रौरपूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 22 मई 1979

को र्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पृथ्यमान प्रितिकत के लिये धन्तरित की गई है धीर मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकत की पृथ्यमान प्रतिकत का पण्डह प्रतिगत से पश्चिक है धीर धन्तरका (धग्तरकों) और धन्तरिती (धग्तरितयों) के बीच ऐसे धग्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धग्तरण लिखित में वास्तिक सप पे अधित नहीं किया गया है।

- (क) प्रशारण में हुई जिसी प्राय की वाजत, उकत प्राध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (अ) ऐसी गिसी जात सा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें सारतीय ज्ञाप-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा लिए।

मतः भव, उन्त भौबिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :--- बीमती गोमती देवी, जीजे लाल भी राम निवासी गुवाल टोली 12202 शहर कानपुर

(अन्तरक)

2. श्री रामनरेण नाबालिग पुत्र श्री विनय नारायण द्विवेदी व विलायत श्रीमती छुन्नी देवी निवामी सुरिजता पर० धामटीपुर जिला कानपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचता जारी तरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीक्ष-नियम के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उम श्रव्याय में दिया गर्या है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 8/48ए० श्रार्य नगर कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ज**: 12-12-79

मोहर ।

प्रह्म भाई० टी० एन० एस०----

त्राम हर त्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 236-ए/गाजियाबाद/79-80—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, पायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपण मे अधिक है और जिसकी सं० वी 164 है तथा जो लोहिया नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख 16 मई 1979
को पूर्वोक्त प्रस्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का
उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान गिकल में, ऐसे
दृश्यमान गिकत का पन्दर् गिगत में अभिक है मौर
गन्तर (अन्तर)ों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण निजित में वास्तिक रूप से काथत
नहीं किया गया है।

- (त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय हर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-हर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— श्री नरेग्द्र कुमार जैन पुत्र श्री रघुवीर सरन निवासी बी-164, लोहिया नगर, गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष जैन पत्नी श्री जय भगवान जैन, निवासी बी-164 लोहिया नगर गाजियाचाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायेवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यनि के ग्रावी के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रताणन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में रो किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखसे 4 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्मत्ति में हिनवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में पारमाणित हैं, वहीं श्रिका जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर बी-164 लोहिया नगर गाजियाबाद क्षेत्रफल 376 वर्गगज का ½ भाग पट्टों की।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, कःनपुर

तारीख: 18-12-79

मोहरः

entantin mentantan mentuat in kanan darah mentantan dalam kendilan darah darah

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ध ः 269-च (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 275-ए/कानपुर/79-80--यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

मायकर प्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इनके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), को झारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रोर जिमकी सं० 7/152 है तथा जो स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्ष्म के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में बान्तविक क्या मे किया नहीं किया गया है

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धाधि-नियम, के धाधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविष्टा के लिए; और/पा
- (ब) ऐसी किनो भाष या किनो बत या अन्य पालित्यों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गांधा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2%) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहां किया प्याचाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में पूर्व धा के लिए;

भतः, उत्र अवत अधिनियम को धारा 269-त के अनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एप० सी० मितर, निवासी 7/152 स्वरूप नगर, कानजुर, श्रीमती ज्यामली परिजिप "णान्ती" श्राप्टे रोड पूना, श्रीमती श्रंजली रैना डी-150, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम नारायण ग्रवस्थी निवासी 8/2-डी ग्रार्य नगर कानपुर, अधन नारायण ग्रवस्थी, निवासी 8/2-डी, ग्रार्य नगर, कानपुर।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्मित के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५२ सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

7/152 स्वरूप नगर कानपुर का भाग क्षेत्रफल लगभग 1184 वर्ग मीटर।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्ष<mark>म प्राधिकारी,</mark> सहायक <mark>ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 12-12-79

मोहर:

14-436GI/79

प्ररूप धाई० टी• एन• एस•---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन कूचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निवेश सं० 276-ए/कानपुर/79-80--यतः, मुझे, खी० सी० यत्वेंदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विक्यास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृह्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 7/152 है तथा जो स्वरूप नगर, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30 मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मृश्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण कि लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण कि लिखत में बास्तिक्ष कप से किया नहीं किया क्या

- (य) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के ध्वीत कर देने के प्रस्तरक के दायरव में कमी करने था उससे वचने में तुविधा के किए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तिकों को,
 जिन्हें भारतीय भाग कर प्रवितियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
 या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ यन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था था किया जाना थाड़िए था,
 क्रियन में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के भनुतरण में, मैं, तक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपवारा (1) के भवीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, भवीत:—

- श्री एम० सी० मित्तर 7/152 स्वरूप नगर, कानपुर श्रीमती श्यामली पराजपे "शान्ती" श्राप्टे रोड पुता, श्रीमती श्रंजली रैना डी-150, डिफेन्म कालोनी, नई थिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. ओ तमन प्रकाण श्ररोड़ा, जुगलिकशीर श्ररोड़ा विजय कुमार श्ररोड़ा व हर्षवर्धन अरोड़ा निवासी 111ए/250 श्रगोक नगर, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्मावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी घन्य क्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

क्पक्टीकरणः—इसर्ने प्रगुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त भविनियमः के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थे होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

यम् सुखो

मकान नम्बर 7/152 स्वरूप नगर, कानपुर का पीछे का भाग क्षेत्रफल लगभग 1566 वर्ग मीटर है।

बी० सी० चतुर्वेदी स**क्षम प्रा**धिकारी **क्ष**हायक **प्रा**यकर **प्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-12-79

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्मालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, धिनांक 1 जनवरी 1980

निदेश सं० 320-ए/पी० एन०/मेरठं/79-80-यतः, मुझे

ब्री० सी० चतुर्वेदी प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 740,758 है तथा जो ग्राम नगला गोसाई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मधाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राप या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रम, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— श्री जगदीश सिंह पुत्र हंसराज सिंह व राजेन्द्र सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी नगला गोसाई, परगला किठौर तहु० मवाना जिला मरठ।

(भन्तरक)

2. श्री राजकमार सिंह, महणपाल सिंह, श्रसपाल सिंह, बीर सिंह, बालिंग व जयपाल सिंह, श्रजम कुमार (नावालिंग) पुत्रगण वढ सिंह, धीर सिंह, श्रोमवीर हिंह (नावालिंग) पुत्रगण दलेल सिंह निवासी नगला गोसाई परगना किठौर तह० मवाना जिला मेरठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजात में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है

जनुसूची

740 का 758

कृषि भूमि नम्बर 20)2 व ६3111)3 वाक ग्राम नगला गोसाई परगना किठौर तह्न० मवाना जिला मेरठ में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी स**द्यादन धायकर प्रायक्त** (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-1-80

मोह्रर :

प्रकृप माई । टी । एत । एस । ----

भायकर शिव्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जनवरी 1980

निर्देश सं० 231-ए/मेरठ/79-80--यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भागकर बिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'वक्त मिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर मन्द्रति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/रुएए से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० 126 है तथा जो वाके पुरवा फैयाज गहर मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 18-5-79

को पूर्वोक्त सम्मित के उत्तित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, विष्कृत से उत्तर अन्तरण जिखित में वास्तवित्तं क्ष्य से किंबत नहीं किया गया है ।——

- (क) मन्तरण वे हुई किती भाष की बाबत, उकत अधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी हिनी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूप् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्न मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्न अधिनियम की धारा 259-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— श्रीमती नूर जहां बेगम पत्नी श्री रफीग इलाही निवासी हाल मकान नं 85 मोहल्ला गंज बाजार, सदर मेरठ कैन्ट।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रहमत पत्नी श्री यामीन व श्रखतर व मोबीन पुत्रगण श्री हफीज निवासी गण पुरवा श्रहमद नगर शहर मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता है।

उक्य सम्प ते के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मानेय:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्धारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ~~इसमें प्रयुक्त भावते भीर पदा का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उत्तरी हिस्सा श्रज एक ग्रदद मकान वर्तमान नं० 126 जिपमें मकानियत तीन दुकानात व मकान हैं मय श्राराजी तहती 1407 वर्गफीट वाके पुरवा फैयाज श्रली शहर मरठ में स्थित है।

> बी०सी० चतुर्वेदीं स**क्षम प्राधिकारी** सहायक **ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 1-1-80

प्रकृप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एत॰---

आरकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० टी०ग्रार० 788/एक्वी))छाटा/79-80—-यतः, मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,900/- द० से अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० 565, 645, 762, 763, 765 है तथा जो रजला हमनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ग का से वागत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 14 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिये प्रन्तरित की गई है भीर मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उनके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवात से प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिति। अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, जिलाखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक लिखत में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविशा के जिए;

अतः अब, उक्त याँ बनियम की धारा 269-म के समुसरण में, एक्त याँ बनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चीत :--

- 1. श्री दुल्ली पुत्र श्री राम स्वरूप मौजा गदपुरी ति (ग्रन्तरक) पलवल जि॰ गुड़गांव। (ग्रन्तरक)
- श्री हरीकिशन , किशन लाल व मथुरा पुत्र श्री चेत राम निवासी मौजा त० छाता जि० मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्वन के सम्बन्य में कोई भी ग्राञ्चेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब छ किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

कृषि भूमि मौजा नगला हसनपुर त० छाता जिला मथुरा जिसका रकवा 10.15 एकड़ तथा संख्या 565,645, 762, 763 तथा 765 है। जिसका उचित बाजारी मूल्य 65000/- है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 21-12-79

प्रकृष भाई॰ टी॰ एत॰ एस॰———— भागकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के भन्नीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 771-ए/कानपुर/79-80---यतः, मृझे, बी० एम० चतुर्वेदी.

थामकर धिविषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इमके प्रवाद (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अप्रोत मन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जि स्थावर प्रमास, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-चपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 46/112 हिट्या कानपुर है, तथा जो हिट्या कानपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपायद धनुसूची में और पूर्ण हम में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घष्टिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण विविचा में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भित्रिनियम के भिर्मीत कर देने के भन्तरका के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रम्य भारितशें को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिमिनियम, या धन-कर मिमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिका के निए;

ग्रतः धव, उन्त अधिनियम की बारा 269-न के धनुसरण में, में, जनत अधिनियम की बारा 269-न की अपचारा (1) के बधील, निम्नलिबित व्यक्तियों, सर्वात् !---

- 1. श्रीमती इन्द्ररानी देवी, य श्री राधेलाल व श्री बाबूलाल पुत्रगण स्व० ज्वालाप्रसाद 46/112 हटिया, कानपुर। (अन्तरक)
- 2. श्री रामदयाल पुत्र श्री बलधारी प्रसाद 46/112 हटिया, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सुचना वारी करत पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत द्यधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

वनुसूची

एक किता मकान नम्बर 46/112 जिसका क्षेत्रफल 80 वर्ग गज है तथा हटिया में स्थित है।

> बी०सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

तारीख्ः 28-12-79 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 773(एक्यू)/मथुरा--यतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्याप करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मल्य 25,000/-रुपए से मिधिक है

स्रोर जिनकी मं० कोठी नं० 14 है तथा जो जगन्नाथपुरी मथुरा में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध ध्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 30 ज्लाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिए तस करने का कारण है कि यथादूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफत से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल क पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण निखित में वास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/ग्रा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाते हें सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उत्ता श्रविनियम, को धारा 269-ग के श्रनुपरण मं, मैं, उक्त प्रविनियम को धारा 269-य को उपग्रारा (1) के प्रयीम निमानिधिन व्यक्तियों, अथीत् .--

- अीमतो राधेरानी जोहरी पत्नी स्वं० श्री गोपी मार्न जोहरी नि० 11, जगन्नाथगुरी, मथुरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्रोनती निर्मला देवी पत्नी ग्रांम प्रकाण, गली दुर्गा चन्द, किस देवी पत्नी बिहारी लाल, गली दुर्गा चन्द मयुरा, नगेन्द्र मोहन पुत्र दाऊ दयाल एडबोकेट, 15 जगन्ताथपुरी, सथुरा।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राओं :--

- (क) इस सूत्रता के राजात्र में प्रकाशन की नारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रश्रोत्स्ताक्षरा के पास
 लिखित में किए जा सहेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एह कोटी एक मित्रिता बादर रेट 158 जिनका क्षेत्रफल 1170-24 वर्ग मी० वालें जगन्नाथपुरी मयुगा।

> बी०सी० चतुर्देदी, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज, कानपुर

नारीख: 22-12-79

प्रकृष भाई व टी • एन • एउ •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-घ (1) के अधीन दूचना

शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनाक 22 दिसम्बर 1979

निदेण सं० टीग्रार8 675/ग्रर्जन/ग्रागरा — यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

पायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रुपए सं प्रधिक है,

स्रौर जिमकी सं० 6/95 है तथा जो कचौडा वाजार बेलन गंज स्नागरा में स्थित है (स्रौर इससे उपावड अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स्नागरा में, रजिस्ट्रीकरण स्नधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्नधीन, तारीख 8 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए सन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्रण लिखित में बास्तिविक रूप से क्षित नहीं किया गया हैं :-~

- (क) अन्तरण से हुई किसा आप की बाबत, उक्त शिक्षिनियम. के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्वं में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भीर/या
- ्ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की विन्हें अपसीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अिक्तियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना नाहिए या लिएनो में सुविधा के लिए।

अतः ग्रव, उक्त ग्रिक्षिनियम की धारा 269-ग के अवसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-ध की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु :—

- श्रीमतो किएन देवी विश्वत ए मचल्द पुत्ती मोहन लाल तित्ति 6/95 कचीड़ा वाजार वेलनगंत स्नागरा। (स्रन्तरक)
- 2. श्री पुरन बन्द ग्रग्नवाल व मत्येन्द्र कुमार ग्रग्नवाल व कैला जचन्द ग्रग्नवाल व श्री कृष्ण कुमार ग्रग्नवाल पुत्रगण स्व० रामचन्द माकिन 6/95 कचौड़ा बाजार, बेलनगंज ग्रागरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्गवाहियां करता हूं।

उक्त सन्तति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस न्वा के राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह। रा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नम्बर 6/95 कचौड़ा बेलनगंज स्नागरा।

बी०सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख. 22-12-79

प्रह्रप धाई०टी०एन०एस०---

बायकर प्रवितिष्यम्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) के मधीन स्वनः भारत सरकार

कायीनय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 675/म्रर्जन/ग्रागरा ——यतः बी० सी० चतुर्वेदी

बायकर उधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर प्रधाति, जिसेका उदित बाजार मूस्य 25,000/ ३० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 6/95 है तथा जो कचौड़ा बाजार बेलनगंज ग्रागरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 8 मई 1979

को र्शेक्ट जमाति के उचित्र बाजार पूर्य में क्रम के ब्र्यमान प्रांतफल के लिए प्रस्तरित की गई है बीर मृत यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्णोंका सम्मत्ति का उचित बाजार कृष्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, ऐसे दृश्यमीन प्रतिफल का बन्द्रह इतिज्ञत से प्रक्रिक है, जोर प्रन्तर्क (अन्तर्कों) धीर प्रन्तरिती (अन्तरितिणों) के बीच ऐसे प्रन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अम्तरण निखित में बास्तविक कर में कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) प्रशासन वे हुई किसी प्रश्य की बाबत उपन प्रश्वित्यम के अधीन कर देने के बन्तरक के श्वित्क में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए। भीर
- (ख) ऐसी किनो आग या भिन्नो धन या भन्य धारितवाँ को, जिन्हें भररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते प्रश्निनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1955 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथाँत् :—— 15—436GI/79

- 1. श्रीमती किरन देवी विधवा रामचन्द पुत्री मोहन लाल निवासी 6/95 कचौड़ा बाजार बेलनगंज श्रागरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री पूरनचन्द ग्रग्नवाल व श्री सत्ययेन्द्र कुमार श्रग्नवाल व कैलाणचन्द ग्रग्नवाल व श्री कृष्ण कुमार श्रग्नवाल पूत्रमण स्व० श्री रामचंद्र साकिन 6/95 कचौड़ा बाजार बेलनगंज श्रागरा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाबेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के सम्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस सम्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

एक मकान नम्बर 6/95 कचौड़ा बाजार बलनगंज आगरा।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-12-79

प्ररूप धाई कटी क्एन क्एस क्---

ग्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंन-I, श्रहमदाबाद

सहमदाव।द, दिनांक 26 श्रक्तूबर 1979

नितेश सं० एसीक्यु-23-I-2627(876)/16-6/79-80---यत: मुझे, एस० सी० पत्रीख,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से श्रिष्ठक है

ग्रीर जिनकी स० गर्वे तं० 374 है तथा जो जयन्त सोमाइटी राजकोट में स्थित है (श्रीर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीक 8 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिविनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्री नलीनीबेन चन्दुलाल भाग्नलीयाः भाग्नीनगरः धोबा टान्ड, धनबाद-002 (बिहार) । (अन्तरक)
- 2. श्री दीपकभाई वस्पाभाई नोंधणवदरा, जयन्त सोगाइटी मण्डी प्लाट, राजकोट।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तम्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो छक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसची

560 वर्गगज जमीन पर खड़ा मकान जिसका सर्वे नं० 374 हैं जो जयन्त सोशाइटी, राजकीट में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 2580/8-5-1979 से राजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी राजकोट द्वारा राजिस्ट्रेड किया गया है याने प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

> एग० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाट

तारीख: 26-10-79

पक्षप आई० टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद

धहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० ग्रार० नं०740 ए**क्वी** ०/23/73/79-80---यनः मुझे, एप० सी० प**रीख**,

प्रायकर अधिनिषत. 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें उन्हें प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-खं के अधीन सक्षय अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि इयावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- कु से स्थित है

स्रोर जिनकी एगं० नं० 412/2 की स्रतिरिक्त सा० सं० नं० 3046 है नग जो देपरा बीतीमीरा में स्थित हैं (स्रीर इसमें उनाबड़ स्रमुर्ची में स्रीर पूर्ण का से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता क्षिणारी ने जार्यालय गनदेवी में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख़ 31 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के खिनत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शिक्ष है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिता (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया भया अतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में बाश्तिका छप से अकित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसो माय को वाबत सक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उसमे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (3) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रत्य धास्तियों की, जिन्हें भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ना के अनुसरण में, में, ाक्त अधिनियम की धारा 269-च की छपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्रीमती गार्याबेन दौलनगाः देनाई पील ए० होल्डर किशोर कुमार दौलतराय देसाई महादेवनगर, बीलीमारा। (शालरा)
 - श्री जयंती ललुभाई पृमर्था मिस्री महादेवगर, बिलीमीरा। (अन्तरिकी)

को पह सूबता बारी करक पुर्गीका सम्मति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करका है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में काई भा आक्षार:--

- (क) इस सूचना के राजात में पकातत में आरोख से 45 दिन की ध्रविधा तत्सम्बन्धी काक्षित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना क राजपन्न में त्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पण्डीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पक्षीं का, जा उनत प्रधिनियम के प्रवस्य 20 के में परिमाधित हैं, बही प्रयं होंगा, जो उस प्रवसाय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सा० नं० 412/2 कि प्रतिरिक्त श्रीर स० नं० 3046 है। जो माप में 1200 स्क्वायर मीटर्स हैं। ये जमीन देसरा बीलीमोरा में है। श्रीर रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्रकारी गनदेवी के द्वारा ता० 31-5-79 को रिजस्टर्ड की गई है।

एस० नी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^{II}, ग्रह्मदाबाद

तारीख: 15-9-79

प्ररूप भार्ष टी० एन० एस०----

भ्रायकर ुमिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश मं० पी० आर० नं० 787 एमीक्यू 23/19-2/79-80— यतः मुझे एम० सी० परीख, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 173 है तथा जो गांव-बाव ता० कामरज में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कामरेज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत:—

- डाहीबेन गणेणभाई बनमाली गांव बाब ता० कामरेज (श्रन्तरक)
- 2. श्री बाबुभाई भगुभाई पटेल गांव वाब, ता० कामरेज। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्मित के अर्वेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणित की तारी का में 45 दिन की प्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिनब्रुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरण--इसमें प्रयुक्त मध्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उप ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 173 वाली जमीन जो गांव वाब तालुका कामरेज में स्थित है तथा ता० 11-5-1979 को कामरेज में रजिस्टर्ड हुम्रा है।

> एस०सी०परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीख: 27 सितम्बर 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 भक्तूबर 1979 निदेण सं० पी० श्रार० 792 एसीक्यु०/24/79-80---यतः मझे एस० मी० परीख

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 18 पैकी बी० नं० 1 है तथा जो स्वामीनारायण मंदिर के सामने, श्राभानगर, नवसारी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 31 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त श्रधितियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब उपत श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यातु:--- श्री इश्वर लाल जगजीवन दास भायेला फोर्ट, बसार स्ट्रीट बम्बई-1।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रणछोड़भाई सुख्याभाई पटेल धाशानगर स्वामी नारायण मंदिर के सामने नवसारी। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाक्षन की तारी से से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्छिकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रष्टयाय-20क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

378-02-36 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाली जमीन भौर मकान जो ग्राशानगर स्वामीनारायण मंदिर के सामने नवसारी में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवसारी द्वारा ता० 31-5-1979 को. रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदानाद

तारीख: 10-10-1979

प्ररूप ऋाई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज II, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० पी० म्नार० नं० 793 एसीक्यू०-23/19-7/ 79-80---यतः मुझे एस० सी० परीख श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इत्रके परवात् 'उक्त प्रधिनिथम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से अधिक हैं। मूल्प श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 96, 97--127 पैकी है तथा जो गांव सुलतानाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन, तारीख 22 मई 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यतात प्रतिकत के लिए प्रातिरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथानूर्वीवत सम्वत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है स्रौर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) **के** बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गरा प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उसा प्रतारम निखित में यस्तविक छन से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उपने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:→

- (1) श्री चीमन लाल मूलवन्द, नवापुरा, फकीरपुंजानी णेरी, सूरत।
 - (2) श्री चन्द्रकान्त मृलचन्द दास, नवापुरा, नागरदासकी गेरी, सूरत।

(अन्तरक)

 श्री गोविन्द भाई डाह्याभाई पटेल भीमपोरना घोर्यासी।

(ग्रन्तरिती)

को यह युवना जारी हरके पूर्वी≇न गमाति के स्रर्गन के लिए कार्यब्राहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षी :---

- (क) इस सूचता के राजपल में प्रकाशन की तारीख ले 45 दित की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचता को तासीत से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध निसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- - इसमें प्राप्तन गर्ब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 96, 97—127 वाली जमीन पैकी गांव गुजनाना-बाद में 13378.08 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली जमीन, सूरत के रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी द्वारा ता० 22-5-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ^{II}, श्रहमदाबाद

तारीख: 16-10-1979

प्ररूप प्रार्ध० टी० एन० एम०-----

आय हर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायाः आधार आधार्यका (निरीक्षण)
अर्जन रेज-U, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 16 अक्नूबर 1979

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 794 एक्बी 23/19-7/ 79-80----यतः मुझे, एस० सी० परीखा, बायकर प्रवितियन, 1981 (1981 का 43) (जिले इसमें इनके परवात् उकत अजिलितमं कहा गया है), की धारा 2 69-ज के प्रजीत सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रवित याजार मृत्य 25,000/- अपन् से ग्रधिक है। ग्रौर जिसकी सं० नोंध नं० 1962 वार्ड नं० 10 है तथा जो . हनुमान पोल, मोनी फलीग्रा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुमुची में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सूरत में र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के द्यधीन, नारीख 30 मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्ति बाजार मुख्य से कम के बुश्यभाव प्रतिकत के निर्धन्तिरी को गई है भीर मुझे पर्विषतान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मुन्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिकत्र में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्र का पस्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं। भौर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय याया गया प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश्य से चनत प्रश्तरग लिखित में बारतियक अप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वाबत, वक्त प्रधिनियम क प्रधीत कर देशे के प्रश्तरक के वायित्व में कमी वरने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/मः
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अकिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या जिया जाना चाह्निए था, छिपाने में सुविका के लिए;

मतः अरू, उक्त प्रधिनियम को बारः 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारः 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नतिथित व्यक्तियों सर्थात्:—

- (1) श्री जयंती लाल गीरधरलाल 3 नव निर्माण सोसाइटी तीमालीवाड सूरत ।
 - (2) श्री नटवर लाल गीरधरलाल पिकनिक पार्क, रांदेर रोड सूरत।
 - (3) श्री अशोक कुमार गीरधरलाल बी-6970, के लासनगर, गूरत।
 - (4) श्री हसमुख लाल गीरधरलाल 47, कोटयार्क नगर, भुरत।
 - (5) श्री महेण कुमार गीरधरलाल 47, कोटयार्क नगर, सूरत।
 - (6) श्री मनोज कुमार गीरधरलाल 47 कोटयार्क नगर, सुरत।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री दलमुखभाई विरचन्द पारेख।
 - (2) पदमाबेन धीरजलाल पारेख श्रंबाजी रोड, सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील छे 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस मूजता के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हित-बद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे!

स्वष्टीकरण: - - इससें प्रयुक्त क्रम्बों भीर पदों का, जो चयत प्रशितियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही मर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है !

अमुसूची

जमीन श्रौर मकान जो हनुमान पोल सोनी फलीग्रा सूरत में हैं जिसका नोंध नं० 1962, वार्ड नं० 10 है। ये रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में ता० 30-5-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख मक्षम **प्रक्रिकारी** महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ता**रीख**ः 16-10-79

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सुंचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 778 एक्वी 23/7-4/79-80—यत: मुझे एस० सी० परीख, प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राया (उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्वति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिधिक है

भौर जिसकी संब्द्राट नंव 12-ए, टीकावनंव 69 सीवटीव नंव 4002 है तथा जो पैकी नंव 248 भ्रालका सोसायटी, छप्परा रोड़ नवसारी में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध भ्रानुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 30 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखिन में वास्त्रिक रूग से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से दूई किसी प्राय की वाबन उक्त प्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय ना किसी धन या प्रश्न प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त प्रधिनिन्नम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त श्रक्षिनियम, की धारा 269-ग के श्रतुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों भर्मीतः --- श्रीमती सुशीलाबेन निरंजन गलीग्रारा 721, उमीं निकेतन, श्रणानगर नवसारी।

(ग्रन्तरक)

 श्री णणीकान्त हरीलाल परीख प्रदर, बापुनगर नवसारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका पमानि के प्रजीन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त समात्ति के भ्राजैंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूजता के राजनत्र में प्रकाणत की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजगत में प्रकागत को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संति में हिनबद्ध किसी यास व्यक्ति द्वारा प्रत्रीहरनाक्ष्मरों के गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इममें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही प्रयंहीण जो उन प्रशास में दिया गा। है।

अनुसूची

जमीन जिसका प्लाट नं० 12 है श्रीर टीका नं० 69 श्रीर सी० टी० नं० 4002 कि श्रनालकन सं० नं० 248 है थे जमीन श्रलका सोसाइटी छापरा रोड़ नवसारी में है श्रीर नवसारी के रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी द्वारा ता० 30 मई 1979 को रजिस्ट्रों की गई है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी स≰ायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमधाबाद

तारीब: 24-9-1979

मोह्रर:

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II श्रहमधाबाद

श्रहमधाबाध, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० श्रार० नं० 779 एक्व 23/7-4/79-80— श्रतः मुझे एस० सी० परीख

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- स् से म्रिक है

ग्रौर जिसकी सं० 256 की श्रितिरिक्त प्लाट नं० 28 है। तथा जो 4182, नुतन को० आ० हाऊसिंग सोमायटी नवसारी में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 24-5-79 को

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के सन्तरक के दास्तिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घोर/या
- (ब) ऐसी किसी आर या किसी धन या भन्य भाक्तियों को, जिन्हें भागकर मिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विद्या ने निए;

अतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपबारा (1) के धारीन, निक्नविकित क्वक्तियों, वर्वात् र--16--436GI/79

- (1) श्री कीर्तभाई दोलतराय देसाई 2/4377, सगरामपुरा छपगर गैरी सूरत (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गीताबेन प्रबोधभाई देसाई, े 2. प्रबोध मनीभाई देसाई, नवसारी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की भविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, को भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा मसोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पर्वो का, को उसत घांधिनियम के धध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा को उस ग्रध्याय में विका गया है।

अनुसूची

जमीन सं० नं० 256 पैकी प्लाट नं० 28 स० नं० 4182 टीका नं० 68 जो नुतन को० घो० हा० सो०, नवसारी में हैं। नाप 6232 स्के० फिट हैं घौर जो रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी नवसारी द्वारा ना० 24-5-79 को रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II ग्रहमवाबाध

दिनांक 24 सितम्बर 1979

प्रकथ धाई० टी० एन । एस ----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भागत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर माम्कत (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 26 ग्रक्तूबर 1979

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 802 एक्वी० 23/4-1/ 79-80--श्रतः मुझे, एस० सी० परीख अधिनियग, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के ग्रंथील सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000 कि से अधिक है। श्रीर जिस की सं० नं० 32/1 है सथा जो श्रंकलेण्वर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रन्गुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रंवलण्यर मे रुजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **अधी**न 2-5-79 को पृत्रीक्त संपक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फन के जिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और धन्तरक (चन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से छन्न प्रस्तरण लिखित में बास्तविक ऋप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई असी भाग की बाबत अकत धीमियम, के भड़ीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नविधा के लिए;

अतः अब उनत प्रशिविषम की धारा 269-ग ने अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री **झवेर** ला**ल सकरलाल गांधी,** किंचन लाल सकरलाल, **गोया ब**ाजार, श्रंकलेश्वर (अन्तरक)
- (2) श्री इमेल इशाक जी पटेल. उमरवाडा, 2. श्रंतालाल चमनलाल गांधी, श्रंकलेश्वर (श्रन्सरिनी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (त) इस सूबता के राजपक्क में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्षवब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यो का, जो उक्त ग्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसकी सं० नं० 32/1, जो माप में 3 एकड गुंठा 00 है। ब्रीर जो श्रंकलेश्वर में है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रंकलेश्वर द्वारा ता० 2-5-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एम० सी० **परीख** मक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमकाबाद

दिनांक 26-10-1979

प्रश्रप भाई•टी•एन•एस•----

आयकर **मधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के शमीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ablaर्जन रेंज- $\Pi_{i}^{\hat{\omega}}$ म्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं०प० मार्० नं० 812 एक्बी० 23/19-7/79-80 ——म्रतः मुझे, एस० सी० परीख,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क• से प्रक्रिक है

ग्रीर जिसकी मं० जमीन अथवा लाइन सूरत है तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिङ्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-5-79

की पूर्वीकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके पृष्टयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाह प्रतिक्रत से अधिक है भीर भ्रम्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रम्तरिती (भ्रम्तरितयों) के बीच ऐस अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण निश्चित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के घन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अवस्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिलो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिता के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों, मर्चात्:— (1) राजेण जयंतीलाल डा॰ दयामूर्ती गांतीनिकेतन सोलायटी सुनुल डेरी रोड़, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री सीताराम नन्दलाल साबुबी० नं० 97 णाती-निकेतन ।
 - भगवती देवी सीताराम सोसायटी सुमुल डेरी रोड़, सुरत ।
 - ताराचन्द रंग लाल गोयेन्का अनुपम श्रपार्टमेंट सूरत
 - सुगीलाबेन नाराचन्द अनुपम ग्रपार्टमेंट सूरट (श्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वांका गम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के अर्जन के संबंध, में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत में बकायन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूबना की तामील में 30 दिन को अवधि, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखिन में किये जा सकेंगें।

स्वब्हीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के ग्रध्याय 20-क में परिसाधित है, बही वर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत जिसका माप 330 चोरस मिटर्स है और जो आदर्श सोश्चोपाटी के सामने प्रथवा लाइन सूरत में है और जो रिजिल्झी कर्ता अधिकारी सूरत द्वारा ताल 16-5-79 की रिजरटर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- श्रहमदाकाद

दिनांक: 5 नवम्बर 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निदेश सं० एसी म्यु-23-2-2408 (887) | 1-1 | 79-80-- प्रतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर प्रक्षिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचाद् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की घारा

269-ख के मधीन सक्षम श्रभवकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से मधिक है

2/5,000/- **२०स भावक ह** प्रौर जिसकी सं० टी० पी

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० 4 का फायनल प्लाट नं० 127/5 है तथा जो खोखरा श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1979 को

को पूर्वोक्त सम्पति के उलित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उलित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रक्षिक है भौर वह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रग्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत जबत प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

भातः प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरम में, में उन्त श्रक्षिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यविक्यों, वर्षात् :---- (1) श्री जयदेवलाल पुंजालाल पृंड्या मांडवीनी पोल पृंडीपोल, अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रकुमार भगवानदास रावल मणीनगर चार रस्ता गणेणगली, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त श्रिः नियम', के श्रद्धवाय 20-क में परिचाषित हैं, वही अथ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, जो 1062 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है जिसका फायनल प्लाट नं । 127, सब प्लाट नं । 5 टी । पी । एस । 4 का खोखरा महेमदाबाद ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं । 4539 मई 1979 से रजिस्टर्ड बिकी दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया ह ।

एम० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

विगांक: 13 नवम्बर 1979

प्रकष बाई > टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के घड़ीन सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, संग्रायक प्रायकर धायुरत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

ग्रेंहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निदेण नं० एसीक्यु-23-1-2697 (885)/16-6/79-80→-श्रतः मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से प्रक्षिक है

श्रीर जिस की सं० मकान जो 158-3-0 वर्ग गज पर 14-7-72 वर्ग गज के साथ है। तथा जो धर्मेन्द्र रोड राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979 को पूर्वाक्त सम्मति के अवित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अभारित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, ससके दृष्यमान प्रतिकल के लिए अभारित को एसे दृष्यमान प्रविक्त का पण्यह प्रतिशत से श्रिक है और अन्तरक (अग्रारकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अग्रारकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक ध्रायण निक्त में वास्त्रिक एस से कथित नहीं किया गा है:—

- (क) नश्तरण से हुई किसी साम की बाबत खकत साध-नियम, के सधीन कर देने के सन्तरक के बाबिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सीर/या
- (ज) ऐसी किसी नाय या किया धन या अन्य प्रास्तियों को, निस्त्रें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर भिविषम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, ज्याने में सुनिधा के शिए।

अतः अब, उन्तं अधिनियम को घारा 269-ग के यनु-सरण में, में, उन्तं अधिनियम को धारा 26 क्र-च को उपकारा (1) के अधीन निम्नजिखित गांकितभी, अर्थात्:— (1) भी प्रमुदास जेठासाल मेह्सा श्रमेंन्द्र रोड, महाराणामिल्स रीटेल गोप के पास राजकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लितिकुमार हरीलाल वसाणी तथा श्रन्य 10, मोहनलाल हरीलाल में लाटी प्लोट, राजकोट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ग्यन्ति धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास बिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण 1--इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के झड़याय 20-क में परिभावित है. वही अर्च होगा, जो उस भड़याय में विया गया है।

अमुसूची

मकान (पिछला भाग): 158-3-0 सथा 14-7-72 वर्गगज जमीन पर जो धर्मेन्द्र रोड राजकोट में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 2632/10-5-79 से रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें जैसे प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रहमदाबाद

दिनांक: 13 नवम्बर 1979

प्रकप बाई• ही • एन• एस•---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ण (1) के भ्रभीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवसर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निदेण नं० एसीक्यु 23-Ĭ-2697 (886)/16-6/79-80----श्रतः मुझे, एस० सी० परीख

धायकर प्रिवित्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खके प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 78-2-4 (श्रगली साईड): जमीन पर खड़ा मकान हैं तथा जो धर्मेन्द्र रोड, राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की नई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाबार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के स्वत धन्तरण निखित में वास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उनत अधिनियम के अभीन कर देने के भन्तरक के बायिस्य मकसी करने या उससे वचने में सुविधा के सिष्; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य घारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर ग्रीवेनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के निए;

भतः अव, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-म के भनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री प्रभुदास जेठालाल मेहता तथा ग्रन्य धमन्द्र रोष्ट्र, महेन्द्र मिल्स रीटेईल शोप के पास राजकीट। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ललितकुमार हरीलाल वसाणी तथा ग्रन्य 10, हरीलाल मोहन लाल में लाटी प्लाट राजकोट। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की धनिष्ठ, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिष्ठ. जो भी धनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वबरोक्तरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उपत ग्रिवियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान (म्रगली साईड) जो 78-2-54 वर्ग गज जमीन पर धर्मेन्द्र रोड राजकोट में स्थित हैं तथा बिकी दस्तावेज नं० 2633/ मई 1979 से रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें जैसे प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -I, श्रहमदाबाद

विनांक: 13 नवम्बर 1979

प्रारूप ग्राई० टी० एन०एस०----

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 20 नयम्बर 1979

निदेश नं० पी० भार० नं० 817 एसीक्यु-23-II/19-2/79-80---श्रतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- कु से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 515 है, तथा जो गांव वाव तालुका कामरेज में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कामरेज में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, खक्त आधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गक्षा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रवं, उक्त श्रिक्षितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :—

- (1) 1: श्रीमती गौरीबेन, बेचरभाई जिवानजी पटेल की पुती।
 - 2. जमनाबेन, जिवानजी डाह्याभाई पटेल की पुत्नी, कडोदरा तालुका-कामरेज

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रवीबेन, जेठानन्द हरपालदास मीटीयाणी की विधवा, सुनीतनगर कोलोनी, घर नं० 20 रांबेर सुरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रज़ेन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ा किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रश्रोह्स्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

जमीत जिसका ब्लोक नं० 515 है जो मोंब-बाब तालुका कामरेज में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 319 ता० 8-5-1979 को सब-रजिस्ट्रार कामरोज द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एन० मांडल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

विनांक: 20 नवस्थर 1979

प्ररूप द्याई० टी० एन० एस०----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 20 नवम्बर 1979

निवेश नं० पी० धार० नं० 818 एसीक्यु 23-II/19-2/ 79-80---- प्रतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूस्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 615 है तथा जो गोंव-वाव तालुका कामरेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-5-1979

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भविक है भौर प्रन्तरक (प्रस्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल विश्नतिवित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) प्राप्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उन्त, ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; भीर/या
- (आ) ऐसी किसी माय या किमी घन या अन्य आहितयों की, जिन्हें, भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

अतः, धन, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, धक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों धर्षात् :--- (1) गजराबेन रतनजी देशाई, गोंन-बाब तालुका-कामरेज जिला-सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मधुभाई गोरधनभाई बक्त गोंव-वाव, तालुका कामरेज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 615 है, जो गोंव-वाव तालुका कामरोज में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं० 312 से ता० 3-5-1979 को सब रिजस्ट्रार कामरेज से रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 20 नवम्बर 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ----

ज्ञायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के झधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11, शहमवाबाव

श्रद्धमदाबाव, दिनोक 23 नवस्वर 1979

निदेश नं॰ एसीक्यु-23-I-2361 (890)/16-6/79-80

-- मतः मुझे, एस० एन० माडल

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मधिक है

षोर जिस की सं० 252 वर्ग गज जमीन पर ईमारत है। तथा को लिकोण बाग के सामने, राजकीट में स्थित है (षौर इससे उपाधद्व मनुसूची में षौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता घिषकारी के कार्यालय, राजकीट में रजिस्ट्रीकरण घिषिनिषम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन 1-5-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीधक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई कियी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भधीत कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः मन, उक्त मिधिनियम की घारा 269-ग के मन्सरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :——
17—436 GI/79

- (1) श्री विषिनचन्द्र सेम वोरा तथा धन्य राजकोट के (भन्तरक)
- (2) श्री कीरीटकुमार सी० कामदार 38: प्रह्लाव प्लाट, राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो जकत प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

ईमारत जो 252 वर्गगज जमीन पर खड़ी है तथा जिकोषधाग राजकोट में स्थित है तथा विकी दस्तावेज ग॰ 2424/ मई-1979 से रिजस्ट्री कर्ती प्रिषिकारी राजकोट हारा रिजस्टर्ड किया गया है याने प्रापर्टी का जैसा पूर्ण वर्णन इसमें विवा नया है।

> य्स० व्**न० नोवल** सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 11 **ग्रहम**दाबाव

विनोंक: 23-11-1979

प्ररूप भाई० टी॰ 👙 ्ष०----

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचन.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (ििः

श्चर्जन रेंज-I, ग्रह्मदादाद

ग्रहमदाबाग, दिनांक 28 नवम्बर 1979

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के श्रधीन अक्षय प्राधिकारी को एक विश्वास करने का कारण है कि स्थावर परगत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रूपण् ने श्रिवित है

भीर जिस की सं० 47 है तथा जो गांव-श्रोक्त, ताल्या-सर्ट, श्रहमदाबाद में स्थित है (और उपने उपाबद्ध शनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ये स्ट्रास्त श्रीधकार, के दार्यालय, श्रहमदाबाद में रिविस्ट्रीक्रण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन मई 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित का जार घुला ने सम के दृश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुसे यह विश्वान करने का करणा है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उपमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह पतिशत सम्बंधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के भीय ऐसे अन्तरण के लिए तय पत्ता गया जी कर निम्नतिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक हम स अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की वाबन. उक्ने अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी श्राध पर किसी जन या अना श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राधकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

• शबः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपवारः (1) के सभीन; निकासिक्त व्यक्तियों अर्थात:——

- (1) 1 श्रो महालक्ष्मा श्राईस फैक्टरी, भागीदार (1) सर्वश्रा मगनभाई विट्डलभाई पटेल, मोजे ग्रडाल तालुका पिरमगाम।
 - रमणलाल नारणदाम लक्कर विरमगाम (भ्रन्तरक)
- (2) श्राः भारत श्राईस फैक्टरी भागीदार
 - मर्बश्चः सिंधाभाई जोईताराम श्रोजा, मार्जे जोराणा, िनना भरेमाणा
 - 2. काममभाई ब्रादमभाई मोडला विरमगाम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिप:---

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाणत की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्तिद्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्मःदी हरण:→-इपमें त्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों हा, जो उक्त आधि -निमन के अश्याय 20 ह में ारिमायित हैं, वहीं श्रर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन (स्ट्रक्चर के साथ) जिसका क्षेत्रफल 4000 वर्ग गज हैं जिसका मर्वे नं० 47 हैं जो गांव ओकक तालूका-सिटी अहमदाबाद में स्थित हैं जो निम्नलिखिन नरह से सीमित हैं ——

पूर्व--श्री सोमाभाई नायक की जमीन पश्चिम---जमीन जिमका सर्वे नं० 47 हैं उत्तर---परकारी नेरो मार्ग

दक्षिण--उषा को० श्राप० हा० सो० लोमी की प्रापटी किकी दस्तावेज नं० 4861/79 से रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी श्रह्मदाबाद द्वारा रिजस्टर्ड किया गया है, मई-79 याने उसमें जैसे प्रापटीं का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-I म्रहमदाबाद

दिनांक: 28 नवम्बर 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

स्रायकर स्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निदेश नं॰ एसीक्यु॰-23-I-2847 (900)/1-1/79-80--- स्नात: मुझै, एस॰ एन॰ मांडल,

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मिन्ना सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० फायनल प्लाट 189, सब प्लाट बी, टी०पी० एस०-6 का है। तथा जो पालडी, मुख सरखेज मार्ग, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; स्रोर/या
- (ख) ऐसी िनसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के ग्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:— (1) श्री दीनेशकुमार राजेन्द्रकुमार वकील स्वयं तथा सगीर कुन्तल दीनेशभाई के गार्डीयन के रूप में 'राजेन्द्रभुवन', फतेहपुर के सामने सरखेज रोड, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

- (2) पालडी शोपिंग सेन्टर एण्ड पलेट स्रोनर्स एसोसियेशन चेयरमेन—श्री किशोर हुक्मीचन्द
 3-बी, हाईलेन्ड पार्क सोसायटी, गुलबाई टेकरा, पोलीटेकनीक के पास, एलोसब्रोज, श्रहमदाबाद सकेटरी—श्री जयप्रकाश किशनचन्द तुलसोयानो भवन, वासुदेव कोलोनी, भुलाभाई पार्क के पास, गीतामंदिर रोड श्रहमदाबाद के मारफत (श्रन्तरिती)
- (3) 1. शंकरलाल भवरलाल
 - 2. श्री यशवंतराव गणपतराम
 - 3. श्रो मानसींघ रामसींघ
 - श्री फुलसींच मोतो सींच
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः --इतमंत्र प्रकृत शब्दों श्रीर नदीं हा, जो उक्त श्रिष्ठ-तितन के श्रश्नाय 20 ह में यथा तरिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

293 वर्ग मोटर क्षेत्रफल वाला खुलो जमीन का ण्लाट स्ट्रक्चर के साथ याने उस पर खड़। 4 रूम्स जिसका फायनल प्लाट नं० 189, सब प्लाट नं० 'बो', टो॰ पी॰ एस॰-6 का जो पालडा, मेईन सरखेज रोड ग्रहमदाबाद में स्थित हैं तथा रजिस्ट्रेशन नं० 4258 ता॰ 7-5-1979 से रजिस्टर्ड बिकी दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 6 दिसम्बर 1979 मोह्रर: प्ररूप प्राप्ति टी० एत० एस०---

प्रामकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

श्रह्मवाबाव, दिौनक 6 दिसम्बर 1979

निदेश सं० ए सीक्यु-23-1-2847 (901)/1-1/79-80-अतः मुझे, एस० एन० मांडल
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के घंघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/वपए से घंधिक है

भीर जिसकी सं० कायनल प्लाट नं० 189, सब प्लाट नं० ही० टी०पी० सी० 6 का प्रहमदाबाद हैं तथा जो पालड़ी मेईन सरखेज रोड़ प्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-5-1979 को पूर्वीकत सम्पत्ती के उजित बाजार मूहम से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिये श्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्यक्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अग्तरण से हुई िक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाबिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः प्रश्न जन्त अधिनियम ी धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, जन्त प्रधिनियम नी धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिश्वित व्यक्तियों, प्रशीत्ः⊶

- (1) श्रो राजेण राजेन्द्रकुमार वकील 'राजेन्द्रभुवन' फतेह्युर के सामने सरखेज रोड़ ग्रहमदाबाद (ग्रन्सरक)
- (2) उदयभाण को० भ्राप० रा० सोसायटी भायोजक---1. भरवीदशुमार जयराम गोस्वामी गारदा एलेटस भुदरपरा भहमदाबाद। 2. दौलतराम रेलुमल तुलसीपानी भुवन, वासुदेव कोलोनी, भलाभाई पार्च के पास गीतामंदिर रोड़, श्रह्मदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रमुखा गढ़ीं भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम क प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रमुलूची

खुली जमीन का जाट जिसका क्षेत्रफल 322 वर्ग गज हैं जिसका कायनल ज्लाट नं० 189, सब ब्लाट नं० डी॰ टी॰ पी॰ पी॰ एस॰-6 का जो पालडी मेईन सरखेज रोड पर अहमदाबाद में स्थित हैं तथा रजिस्ट्रेशन नं० 4259 ता॰ 1-5-1979 से रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गमा हैं।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, प्रदुमदाकाद

दिनांक: 6 दिसम्बर 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन सूचना

भारत मरकार कार्यालय, महायक, श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्णन रॅंज-1, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनोक 7 दिसम्बर 1979

निवेश नं एसीक्यु-23-I-2392(902)/10-1/79-80--ग्रतः, मृशे, एस० एन० मण्डल ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 211-215(1), ण्लाट नं० बी-41 है तथा जो सरू सेक्शन रोड पर, एम० पी० शाह उद्योगनगर, जामनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कामलिय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन 2-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पग्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिक्त, निमालिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण
लिखित में वास्तिबक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से तुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित्:---

- (1) रिद्धी-सिद्धी इंजीनियरिंग वर्क्स, भागीदार :----1. श्री वर्सेतराय मथुरवास
 - 2. श्री विट्ठलभाई मधुरदास के मारफत, इंजीनियर्स भाफिस के पास, जामनगर।

(भन्तरक)

- (2) मैसर्स धानाजी प्रोडक्टस भागीदार :--
 - 1. श्री जवेरचन्द नाथुभाई
 - 2. श्री ग्रमृतलाल नायुभाई
 - 3. श्री केशवलाल नायुपाई
 - 4. श्री रतीलाल नायुभाई
 - 5. श्री मनसुखलाल नायुभाई
 - 6. श्री भरतकुमार शांतिलाल शाह
 - 7. श्री मुकेश शान्तिलाल शाह दीग्वीजय ग्लाट, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाणन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अय्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दोक्तरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फौन्टरी का मकान जो 12689-10 वर्ग फुट जमीन पर सदा है जिसका सर्वे नं० 211-215/1 तथा प्लाह नं० बी-41 है जो सरू सेक्शन रोड पर एम०पी० गाह उद्योगनगर, जामनगर में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन न० 999 ता० 2-5-79 से रिजिस्टर्श बिकी दस्तावेज में जैसे पूर्णवर्णन दिया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रह्मवाबाद

दिनोक : 7 दिसम्बर 1979

मोद्दर:

प्रकृष भाई • डी • एन • एस • —

आपकर अविनियम, 1961 (1961 हा 43) की बारा 398-च (1) के ग्रजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निदेश नं∘ एसी≉यु-23-I-2867 (908)/16-6/79-80-श्रतः, मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर भेषितिया, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चाल 'उका धिमिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मध्यम पश्चिकारी को यह विश्वास करने का क(रण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका छजित बाशार मूस्य 25,009-स से घाषक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 451, पैकी प्लाट नं० 44 है। तथा जो रैया रोड तथा कालावड रोड के वीच, राजकोट में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपायद्ध श्रनुसची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई 1979

को पूर्वाक्त सम्सान के उचित एक र मृत्य से कान के दृश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की तर्त ने और मुझे यह विश्वास करने का अपना दें कि यथापूर्वोक्त सम्मिष्ठा का उचित व जार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत स अधिक है और सन्तर्भ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य व इक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरप सें हुई किसी आय की शावा 'उक्त श्रीक्षेत्रियम' के ध्रवान कर देन के अभ्तरक के दायित्व में क्यी करते या उससे अचने में मृक्षिधा के लिए; श्रीर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी वन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिविनयम, ग्राविनयम, ग्राविनय

अतः अव, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसर्थ में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भाईशंकर दयाशंकर जोषी भीडभंजन शेरी राजकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अनील कुमार मनसुखलाल 14, लक्ष्मीवाडी, राजकोट

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना नारी हरके पूर्वीना पश्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन क वश्वंग्ध में कोई भी ग्राक्षेय:-

- (क) इस प्रवता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस मृचनः कें राजपत में प्रकाशन की नारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिधिनियद के मह्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्च होगा, जो उस धड़्याय में दिया क्या है।

वमुगू जो

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 451, पैकी प्लाट नं० 44 जिसका क्षेत्रफल 496 वर्ग गंज है जो रैयारोड तथा कालावाड रोड के बीच राजकोट में स्थित है तथा रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी द्वारा मई 1979 में बिकी दस्तावेज नं 2315 से रिजस्टर्ड किया गया है याने प्रापर्थी का उसमें जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 18 दिसम्बर 1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

ग्नायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायह ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निदेश नं ० एमीक्यु-23-I-2372 (907)/16-6/79-80---ग्रतः, भुझे, एस० एन० मण्डल,

श्रायकर श्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीत मञ्जप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रुपये से अधिक है और जिसकी संग् सर्वे नंग 451 पैकी प्लाट नंग 44 हैं। तथा जो रैया रोड तथा कालावाड रोड के बीच में, राजकोट में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है श्रीर भन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निग्तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिश्चिम्यम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उना प्रिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, श्रवः, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-बरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा . (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः--

- (1) श्री भाईशंकर दयाणंकर जोधी, भीड भंजन शेरी, राजकोट। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमणीकलाल माधवजी टांक, माधवक्तुंज, सहकारनगर, मार्गै-३, राजकोट । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त समात्ति के यर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्नत सम्पत्ति के प्रजीत के गम्बन्य में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूबता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रकी ना क्यंत्रंत्री व्यक्तियों पर सूबना की तामीत में 30 दिन की प्रक्ति, जो भी प्रकित बाद में समाप्त होती हो, के भोतर प्रक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर नमाति में दितजब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवीतस्थाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्सण्टीकरण :—-इसर्वे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के प्रध्याय 20-७ में क्रिसायिक है, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 451 पैकी प्लाट नं० 44—अन्नेत्रफल 427 वर्गगज जो रैया रोड तथा कालावाड रोड के बीच शेरी नं० 6, सहकारनगर, राचकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी द्वारा विकी दस्तावेज नं० 2314/मई 1979 से रजिस्ट्रेड है याने प्रापर्टी का जैसे उसमें पूर्ण वर्णन दिया गया है।

्ष्या एस० एस० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 18 दिसम्बर 1979 मोहर:

प्रारूप आई• टी• एन• एत•---

आयकर ध्राविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ध्रधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यात्रम, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 831 एसी क्यु-23-II/1576/19-7/79-80---श्रतः, मुझे, एस० एन० मण्डल प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिक है श्रीर जिस की सं० नींध नं० 931, केलानी वस्तार है तथा जो वार्डन० 12, सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में

स्रोर जिस का स० नाध न० 931, कलाना वखार ह तथा जो बार्ड न० 12, सुरत में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कायिलिय सुरत में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 21-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-श्ररण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रामीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रामीत्:—

- (1) 1. जारबानु खरशेदजी मेवावाला,
 - 2. पालनजी खरशेदजी मेवावाला,
 - सरोश खरशेवजी मेवावाला मठुगोर महोल्लो, सूरत ।

(भन्तरक)

(2) 1. श्री ईश्वरलाल मूलचन्द

2. श्री सनमुखलाल मूलचन्द, लालगेट, सूरत । (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदौं का, जो उक्त श्रधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है

भनुसूची

मकान भ्रौर जमीन जिसका नोंद्य नं० 931, वार्ड नं० 12, जो केलानी वक्षार सूरत में स्थित है तथा 21-5-1979 को सूरत में रजिस्टर्ड हुआ है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भाषकर भाषुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II भहमदाबाद

दिनांक: 6 दिसम्बर 1979

प्रकृत भाई० टी० एन० एन०------

प्राथकार पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) क प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-∐, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निदेश नं० पी० आर० 834 एक्बी० 23-6-1/79-80---अतः मुझे एस० एन० मांडल,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीत सन्नम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उन्नित ग्राजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधक है

स्रोर जिसकी सं० स्रार० एस० नं० 503/1/49, कसबा प्लाट है। तथा जो नं० 4, स्रार० सी० दस रोड़ बडौदा में स्थित हैं। (श्रोर इससे उपाबक अनुस्ची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा, में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 23-5-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के तिए प्रत्तरित को गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कियापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐस दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिगत से श्रीक ह सौर सन्तरक (सन्तरकों) मौर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत उसत अधिनियम के मधीन कर देने क भ्रम्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर पिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था 4: किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए;

अतः अब, उस्त धिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 18—436GI/79 ्र जशुमाइ मनीमाइ पटेल 2. रत्नलाल मनीमाइ पटेल 3. प्रधान मनीभाई पटेल ज्ञार० एन० दत्त रोड बहोदा श्रन्तरक)

(2) मैं० अन्जु बिलर्डमं अन्जिती चेम्बर्म, श्रार० मी० दत्त रोड, बड़ौदा-390005

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदी का, ओ उक्त ग्रीध(नयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा नो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 11832 स्कवेयर फिट है भीर जो भ्रार० एस० नं० 503/1/49, कसका प्लाट नं० 4, सम्पतराय कालोनी भ्रार० मी० दन रोड बड़ौदा में हैं। श्रीर जो दिलाराम बंगले के करीब में हैं श्रीर जो गवर्नमेंट श्राफीसर्थ क्याटर्स के सामने हैं। के मालिकन का रिजिस्ट्रार दस्तावेज नं० 709 है श्रीर ये रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिकारी बड़ौदा के कार्यालय में ता० 23-5-79 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एन० मांडले, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज- , श्रह्मदाबाद

दिनांक: 18 दिसम्बर 1979

प्रमण श्राई० टी० एन० एस०—— श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज Π_{i} महमदाबाद

भ्रहमदाबाद , दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निद्देश नं० पी० आर० 840 एक्वी० 23/19-8/79-80---अतः मुझे एस० एन० मांडल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त स्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- रु० से स्रधिक है

2500/- रु० से श्रिधिक हैं।

ष्रौर जिसकी मं नोंध नं ० 407, वार्ड नं ० 10, गांधी चौक हैं। तथा जो मनसाली पोल सुरन में स्थित हैं और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूम से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य ये कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान तिफल का पन्द्रह् असिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) स्नन्तरण में हुई किसी आम की बाबत, उक्त स्रधिनियम के पधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन किस्निखित व्यक्तियों अर्थान:--- (1) श्री हरिकणनवास दुर्लभवास मोदी बोम्बे हाउस, परेंला मझला, रुम नं० 104, पानीनी मान, मुरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जमनलाल हरीलाल काथावाला गांधी चौक, मनसाली पोल, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, पूर्वीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्ययन 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गमा है।

ग्र<u>म</u>ुसुची

जमीन और मकान जो मनसाली पोल, बार्ड नं० 10, नोंध नं० 407 सूरत में हैं और जो रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी सूरत द्वारा ता० 25-5-1979 को नं० 205/79 द्वारा रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज II श्रहमकाबाद

दिनांक : 22 दिसम्बर 1979

SUPREMF COURT OF INDIA

New Delhi, the 23rd January 1980

No. F. 22/80-SCA-Genl.—The Supreme Court of India shall remain closed on Thursday, January 31, 1980 on account of Id-e-Milad or Milad-un-Nabi.

R. SUBBA RAO Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 26th December 1979

No. A. 12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following Assistant Superintendent (Holl.) in the office of Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis as Section Officer (DP) for the period from 1-12-1979 to 29-2-1980, or until further orders, whichever is earlier.

- 1. Shri S. P. Bansal,
- 2. Shri B. R. Gupta,
- 3. Shri M. M. Sharma.

The 5th January 1980

No. A. 35017/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri K. L. Katyal, a Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to the ex cudre post of Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission on an ad horbasis for a period of three months w.e.f. 1-1-1980, or until further orders, whichever is earlier.

Shri K. L. Katyal will, be on deputation to the ex cudice post of Accounts Officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Deptt. of Expenditure) O.M. F. 10(24)/E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN, Under Secv. for Secy. Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi, the 9th January 1980

No. A 35018/6/78-Ad-I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri R. G. Dubey, P.S.I. an officer of Gujarat State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Ahmedabad Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 10-12-1979 until further orders.

The 11th January 1980

No. A-22013/6/79-Ad.V.—The Director, Central Burcan of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby grants proforma promotion to Shri R. D. Verma, Inspector (F.P.), Central Finger Print Bureau, Calcutta, who is at present on deputation as Director in the Finger Print Bureau. C.I.D., Haryana, to the rank of Deputy Supdt. (F.P.) in the Central Finger Print Bureau with effect from the forenoon of 19-11-79 on ad-hoc basis and until further orders.

Q. L. GROVER Administrative Officer(E) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 7th January 1980

No O.II-1279/75-Fist.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF, Capt. Mehar Singh (Retd) relinquished charge of the post of Deputy Sundt of Police, AWS, C.R.P.F., Hyderabad on the afternoon of 26-8-79.

The 9th January 1980

No. O.II-76/76-Estt.—Consequent on expiry of 120 days E.L., Shrt K. S. Chaturvedi, an IPS officer of Gujarat cadre on deputation to the C.R.P.F. as Commandant, repatriated to his parent state w.e.f. 29-11-79.

B. K. KARKRA Asstt. Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SCEURITY FORCE

New Delhi-110019, the 9th January 1980

No. E-28013/1/79-PERS.—On attaining the age of superannuation, Shri N. L. Gupta, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, (JAO), Zonal HQrs (EZ), CISF, Calcutta w.e.f. the afternoon of 30th November 1979.

(Sd.) ILLEGIBLE INSPECTOR GENERAL

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 10th January 1980

No. 10/32/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. D. Dargan, Section Officer in the Directorate General, Doordarshan, as Assistant Director in the office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 24 December, 1979, until further orders.

- 2. His headquarters will be at New Delhi.
- 3. His appointment, on deputation, will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)E.HI/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.
- No. 11/1/79-Ad.I-1112.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint by promotion Shri S. P. Arora, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar as Deputy Director of Census Operations, on regular basis, in a temporary capacity, in the same office, with effect from the forenoon of 12 December, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Srinagar.

No. 11/29/78-Ad.1-1109.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Hari Kishan as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Director of Census Operations. Tanul Nadu, Madras in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the forenoon of 28 November, 1979, until Jurther orders.

His headquarters will be at Madras.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF FCONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 9th January 1980

F.No. BNP, C/5/79.—In continuation to this Deptt.'s Notification of even number dated 12-10-79 the ad-hoc appointment of Shri Ashok Joshi, as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 12-1-1980 or till the post is filled on the regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

P. S. SHIVARAM General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 14th January 1980

No Admin 1/8(14)11/4202,—In partial modification of Notification No. Admin. 1/8(14)11/2501 dated 15-9-79 the

Comptroller and Auditor General of India has sanctioned, with the concurrence of the Ministry of Finance, the revision of the date of permanent absorption of Shri S. Padmanabhan, A.C. in the Computer Maintenance Corporation Ltd. from January 1, 1979 to April 1, 1979.

M. S. SARNA Director of Audit

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT NORTHERN RAILWAY

New Delhi the 4th January 1980

No. Admn./17-22/73.—The Director of Audit, Northern Railway, New Delhi is pleased to appoint Shri Balkrishan Mittal, officiating Audit Officer, in a substantive capacity in the Audit Officer grade w.e.f. 1-1-79.

K. M. BHARTI PRASAD Dy. Director of Audit/Admn.

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 8th January 1980

No. 1/80/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Krishnalal Debnath, substantive and permanent A.S.O. and Himanshu Bhusan Sensharma, substantive and permanent Assistant, Temporary A.S.O., retired from service with effect from 31-12-79 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI, ADGOF/Admin. for Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE) OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF

IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th January 1980 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No. 6/1275/79-Admn.(G)/179.—The Chief Controller of Imports and Epxorts hereby appoints Shri S. K. Prasad. an Assistant in the Ministry of Social Welfare, New Delhi as Controllet of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports. Ahmedabad in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18th December, 1979, until further orders.

2. Shri S. K. Prasad on his appointment as Controller will draw pay as admissible under the rules in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 10th January 1980

No. A-19018(443)/79-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri N. Srinivasa. a permanent Small Industries Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) in the Small Industries Service Institute, Bangalore as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation Data Bank) on ad hor basis in the same office with effect from the forenoon of 1st September, 1979 until further orders.

No. A-19018(374)/79-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri P. P. Puri as Assistant Director

(Gr. I) (Leather/Footwear) at the Central Footwear Training Centre, Agra with effect from the forenoon of 14th November, 1979, until further orders.

No. A-19018(376)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. Pandian, as Assistant Director (Gr. I) (Leather/Footwear) in the Leather Finishing Centre, Erode, Madras with effect from the forenoon of 30th March. 1979, until further orders.

No. A-19018(415)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Biswas as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) at Branch Small Industries Service Institute, Siliguri with effect from the forenoon of 27th September, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA, Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th January 1980

No. A-19011(185)/79-Estt.A. Vol.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri C. N. Vasanth, Asstt. Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in an officiating capacity with effect from the 22-10-1979 forenoon.

S. BALAGOPAL Head of Office

SURVEY OF INDIA

Dehradun, the 7th January 1980

No. C-5589/718-A.—Shri K. V. Krishnamurthy, Officiating Superintendent (Sr. Scale), Pilot Map Production Plant. Survey of India, is appointed to officiate as Establishment & Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad-hoc basis in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 3rd October 1979 (FN) vice Shri S. K. Majumdar, Establishment & Accounts Officer retired.

K. L. KHOSLA, Major General Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 9th January 1980

No. A. 19019/8/79/CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) P. S. Phadke to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Bombay on a temporary basis with effect from the forenoon of 9-4-1979.

No. A. 19019/9/79/CGHS-I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Prahlad. Kumar Aggarwal to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Patna on a temporary basis with effect from the forenoon of 28-11-1979.

The 10th January 1980

No. A. 19019/18/79/CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. N. Dharua to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme. Pune on Temporary basis with effect from the forenoon of 21st November, 1979 until further orders.

M. N. GHOSH, Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 8th January 1980

No \ 12025/22/78-NICD/Admn.I—The President is pleased to appoint Shri Arun Kaut Chakravarty to the post of Assistant Director (Non-medical) (Veterinarian) in the

Kala-Azar Unit, National Institute of Communicable Diseases, Patna, with effect from the forenoon of 23-8-1979 in a temporary capacity and until further orders.

The 11th January 1980

No. A.12025/21/77(NMEP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Ashok Kumar Mukhopadhyay to the post of Deputy Assistant Director (Entomology) in the National Malaria finalication Programme, Dtc., with effect from the forenoon of 2nd November, 1979 in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12026/32/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Mahadeva Ayyar to the post of Chief Administrative Officer, Lady Harding Medical College and Smt. S. K. Hospital. New Delhi with effect from the foremon of the 15th December, 1979, on an ad-hoc basis and until further orders.

No. A.19019'15/77-Admn.l.—While proceeding on leave preparatory to retirement Dr. Inderjit Singh relinquished charge of the post of Dentist, Maxillofacial (Prosthodentist), Safdarjang Hospital, New Delhi on the forenoon of 8th October, 1979.

On attaining the age of superannuation, Dr. Indejit Singh. Dentist Maxillofacial (Prosthodentist) Sefadarjang Hospital, New Delhi retired from Govt. service on the afternoon of 30th November, 1979.

S. L. KUTHJALA. Dy Director of Admn. (O&M)

MINISTRY OF RURAL RE-CONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 10th January 1980

No. A-19025/28/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri C.M. Tabhane has been appointed as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagnur we.f 15-12-79 (F.N.) until further orders

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 27th December 1979

No. 7(14)/79-Confirmation/4245. The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints in a substantive capacity the undermontioned officers presently borne on the rolls of Directorate of Purchase and Stores against the permanent post of A sistant Stores Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from 31-12-73.

Sl. No. Name	Present Grade	Pmt. Post already held in BARC
1 2	3	4
S/Shri 1. T.C. George	Assistant Stores Officer.	Storekeeper
2. K.K. Sharma	Stores Officer	Storokeeper.
3. N.S. Nair	Stores Officer.	Upper Division Clerk.

No. 7(14)/79-Confirmation 4246—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints in a substantive capacity the undermentioned officers presently borne on the rolls of Directorate of Purchase and Stores against the permit of

post of Assistant Purchase Officer in Bhabha Atomic Research Centre, with effect from 31st December 1973.

- Sl. No., Name, Present Grade & Pmt. post already held in BARC
- Shri C. J. Mulchandani, Assit, Purchase Officer—-Purchase Assistant.
- Shri M. Narayanan, Asstt. Purchase Officer—Upper Division Clerk

H. V. AWATRAMANI Deputy Establishment Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd November 1979

No. A 19012/3/79-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. Mani as Hindi Officer in the Civil Aviation Department with effect from 24th October, 1979 (Forenoon) on ad-hoc basis and until further orders and post him in the Office of the Regional Director, Civil Aviation Department, Calculta Airport, Calculta

H. L. KOHLI,
Director of Administration
for Director General of Civil Aviation.

Now Dolhi the 8th January 1980

No. A. 32013/9/78-EC—In continuation of this Department Notification No. A.32013/9/78-EC, dated 30-4-79, the President is pleased to continue ad-hoc appointment of the undermentioned four Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer at the station and for the period of six months beyond the dates mentioned against each or till the regular appointments are made to the grade whichever is earlier:—

S. No. Name	Station of posting	Period of continued ad-hoc appointment.	
1 2	3	4	
S/Shri			
1. T.R. Shastri	A.C.S., Bombay.	Beyond 29-11-79	
2. M. Aruldos	A.C.S., Madras	Beyond 28-9-79	
 K. Chandra Chudhan 	A.C.S. Madras.	Beyond 28-9-79	
4. N.R.N. Iyengar	A.C.S., Gauhati	Beyond 28-9-79	

No. A. 32014/4/79-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Communication Assistants to the grade of Asstt. Communication Officer on adhoc basis with effect from the date indicated each:—

S. No. Name F		ion Station to government	
1 2	3	4	5
S/Shri			
 V.S. Gupta 	A.C.S.,	A.C.S. Bombay	7-12-79 (FN)
	Bombay		
2. Victor Chandran	Do.	Do.	Do.
3. K.G. Nair	A.C.S.,	A.C.S. M. dr. s	Do.
	Madras		
4. R.P. Burton	A.C.S.	\mathbf{D} o	18-12-79 (FN)
	Bangalore		

No. A.38013/1/79-EC.—Shri L. P. Singh, Technical Officer. Radio Construction and Development Units, New Delhi relinquished charge of his office on the 30-11-79 (AN), on retirement from Government service, on attaining the age of superannuation.

R. N. DAS, Assistant Director of Administration

New Delhi, the 8th January 1980

No. A-32013/5/79-EA.—The President has been pleased to appoint Shri S. S. Bevli, to the grade of Deputy Director/Controller of Acrodromes, on purely ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the 31st December, 1979, or till the post is filled on regular basis, whichever is applied. earlier.

2. Shri Bevli is posted as Principal, Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad).

> V. V. JOHRI Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 11th January 1980

No. 1/439/79-EST.—The Director General, Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar. Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the following periods against short-term vacancies purely on *ad-hoc* basis:—
(1) from 8-10-79 to 31-10-79
(2) from 5-11-79 to 30-11-79

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Admn.) for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Baroda, the 7th January

No. 1/80.-Shri H. R. Bhatia, Superintendent of Central Excise, Group 'A' Ahmedabad Division-I has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-12-1979.

> J. N. VERMA Collector of Central Excise, Baroda.

Nagpur, the 5th January 1980

No. 6/79.—Consequent upon his promotion as Assistant Collector of Central Excise, (Jr. Scale) in the Indian Customs and Central Excise Service, Group 'A' Shri S. W. Agwan, Superintendent of Central Excise Group 'B' has assumed charge of Assistant Collector of Central Excise Division, Amravati of this Collectorate in the forenoon of the 11th December, 1979 (relieving Shri J. T. Dongre), Assistant Collector, Central Excise Division-II, Nagpur of his additional charge. additional charge.

> K SANKARARAMAN Collector

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRFCTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 11th January 1980

No. 2-SH(1)/78.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Captain R. K. Vyas as Nautical Surveyor in the Directorate General of Shipping. Bomby, in a temporary capacity with effect from 1st March 1979 (F.N.) until further orders.

> S. M. OCHANEY Dy. Director Generalof of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 a Subudhi Traders and Manufacturers Private Limited. Act. 1956 and of

Cuttack, the 8th January 1980

No. 50-425/79-4464(2).- Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sabudhi Traders and Manufacturers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jagannath Minerals Private Limited.

Cuttack, the 8th January 1980

No. 50-683/79-4462(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Jagannath Minerals Private Limited has this day been struck off the Register and the Company is dissolved. said

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Orissa Chromate Private Limited.

Cuttack, the 8th January 1980

No. 50-693/79.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Orissa Chromate Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

> D. K. PAUI Registrar of Companies, Orissa, Cuttack.

In the matter of the Companies Act, 1956 Asha Lucky Scheme and Finance Private Limited, 1956 and of

Simagar, the 6th October 1979

No. Pc/370.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Asha Lucky Scheme and Finance Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Hotel Burza International Limited Nawa Kadal, Srinagar Kashmir.

Srinagar, the 7th January 1980

No. Pc/350/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hotel Burza International Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the sald company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Kashmir Power Industries Private Limited. Nicofer Building, Barzalla Srinagar, Kashmir.

Srinagar, the 7th January 1980

No. Pc/369/75.—Notification is here by given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kashmir Power industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Asha Lucky Scheme & Finance Private Limited. c/o Smt Asha Bakshi, w/o Sh. A. K. Bakshi, Baghat Barzatta. Shrinagar, Kashmir.

Srinagar, the 7th January 1980

No. Pc/(560)/370/72.—Notification is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Asha Lucky Scheme & Finance Private I imited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of MIs Rollmetra & Company Private Limited Lower Gumul Road, Jammu.

Srinagar, the 7th January 1980

No. Pc/422.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Rohmetra & Company Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

M. M. SINGH Registrar of Companies. Jammu & Kashmir

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Shiva Ram Singh & Bros (Coal) Private Limited

Calcutta, the 11th January 1980

No. 28001/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expitation of three months from the date hereof the name of the Shivaram Singh & Bros (Coal) Private limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Galaxy Electricals Private Limited.

Calcutta, the 11th January 1980

No. 29253/560/3.— Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Galaxy Electricals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registerar and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR Registrar of Companies

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX

Patna, the 7th January 1980

NOTICE

No. GC-3/XV-1/78-79/43215—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expendient in the public interest to publish the names and other particulars in respect of persons in default of tax exceeding Rs. one lakh, I hereby notify a/s 287 of the I.T. Act, 1961 for publication the names and other particulars of the assesses in Bihar Charges I & II from whom tax has been due for a priod of two years or more at the end of the financial year 1977-78.

Sl. No Name and address	Amount of tax duc	
1 2	3	
1. Late Rahmat Khan, Ranchi .	Rs. 2,15,561/	
2. M/s Jagannath Nandlal, Ranche	Rs. 1,06,159/-	
 M/s Jaiswal Trading Corpn., Ranchi 	Rs. 1,05,000/-	
4. M/s Laxminarain Ramnarain, Ranchi	Rs. 2,27,000/-	
 Atma Singh Rajendra Singh, Ranchi 	Rs. 7,43,613/-	
Abdul Wadud Khan, Jamshefpur	Rs. 1,40,000/-	
7. Gajanand Choubey, Jamshodpur	Rs. 1,13,000/-	
8. Shri G.C. Kapoor, Ranchi.	Rs. 1,03,295/-	
9. Sardar Sewa Singh	Rs. 10,79,768/-	

S. DWIDVEDI, Commissioner of Income-tax, Bihar-I, Patna

FORM ITNS-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORIE-560001

Bangalore-560001, the 19th December 1979

C.R. No. 62/24491/79-80/ACQ/B,—Whereas. I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Basavanagudi, Bangalore, Document No. 1123/79 80 on Bangalore-560 002,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basananagudi, Bangalore, Document No. 1123/79-80 on 20-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ameer Amenulla Khan, 441, 2nd Cross, Wilson Garden, Bangalore.
 - (Transferor)
- (2) M/s B. S. Refined Metal Mart Metal Merchants, No. 114/10, Naz Talkies Road, Bangalore, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1123/79-80, dated 20-7-1979). House property bearing Municipal No. 3/1, New Bamboo Bazar, Bangalore-560002.

Boundries : North : Private property,

South: Municipal drain & Foot path, Fast: Naz Talkies, West: Private property.

P. RANGANATHAN.
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range. Bangalore.

Dtac: 19-12-1979

Seal:

 Shri M. K. Subramanian, 33-C, Shanti Colony, Madras-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. Ramalingam & Bros. 77, Ramaswamy St., Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1980

Ref. No. 7266.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 84, situated at Lloyds Roads, Madras-10 (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 814/79) on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—436GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovsble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said' Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 84, Lloyds Road, Madras-14. (Doc. No. 814/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-II.
Madras-600 006

Dated: 8-1-1980

Scal:

1() T. V. Arunachala Nadar, 104, Thomas St., Coimbatore.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1980

Ref. No. 10110.—Whereas, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26/330, situated at Rangey Grounder St., Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc.2806/79) on June 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sld Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Shri V. Balasundaram S/o Shri Venkatachala Mudr. 33/113, Dharmaraja Koil St., Colmbatore.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 26/330, Rangey Gounder St., Coimbatore.

(Doc. No. 2806/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 5-1-1980

T. V. Arunachala Nadar, 104, Thomas St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri S. Rajagopal S/o Shri Shanmugha Mudaliar. 21/11, Kembatti Colony 4th St., Coimbatore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-600 006, the 5th January 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 10110.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 26/330, situated at Rangey Grounder St., Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 2805/79) on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Land and building at 26/330, Rangey Gounder St., Coimbatore. (Do. No. 2805/79)

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 5th January 1980

Ref. No. 10110.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26/330, situated at Rangey gounder St., Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2804/79) in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri T. V. Arunachala Nadar, 104, Thomas St., Coimbatore.

 (Transferor)
- (2) Shri V, Aruchamy S/o Vellingiri Mudaliar For Senthil Srinivasan 33/113, Dharamaraja Koil St., Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 26/330, Rangey Gounder St., Coimbatore.

(Doc. 2804/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10096.—Whereas, I, RADHA, BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30, situated at Kalidas Road, Ramnagar, Coimbatore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 3078/79) in May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familisating the respectation of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. Joseph Muthurian S/o Anthoni V. K. C. Nataraja St., D. No. 20, Kavundampalayam Coimbatore Dt.

(Transferor)

(2) Shri G. Vasantha W/o R. Govindaraj 29, Kalidas Road, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Berlanations—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 30, Kandaswamy Naidu layout, Kalidas Road, Coimbatore.

(Doc. No. 3078/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10204.--Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S.F. No. 1193-B, situated at Senapathipalayam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kangeyam (Doc. No. 988/79) on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. K. Kumaraswamy Ponnuswamy Perlaswamy Muthur Road, Kaspa Vellakoll.

(Transferor)

(2) Shri K. A. Subbaraya gounder Karuttupalayam, Muthur Village S. S. Ponnuswamy, Semalaigounden Velasu, Mettupalayam P. Sakthivel, S/o Periaswamy, Nambagoundenpalayam, Mangalapatti, Darapuram Tk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S.F. No. 1193B, Senapathi palayam. (Doc. No. 988/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

FROM ITNS----

(1) M/s Tufflite Plastics Ltd., Krishnarayapuram, Avanashi Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Praga Industries (P) Ltd., 47B, Krishnarayapuram, Avanashi Road, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10106.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 47B, Krishnarayapuram situated at Avanashi Road, Combatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2734/79) on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 47B, Krishnarayapuram, Avanashi Road, Coimbatore.

(Doc. 2734/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10208.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/38, situated at Northpet Road, Sathyamangalam Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam (Doc. 984/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Rukmani W/o Late S. K. Muthu Mariammankoil St., Varadampalayam, Sathyamangalam. (Transferor)
- (2) Shri Hajee Janab Hidayathulla Sahib 68, Northpet, Sathyamangalam T.P.S. Abdul Jaffar 10/29, Peria Pallivasal, Sathyamangalam Anwari Amanullah, 56, Big Mosque St., Sathyamangalam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building with machineries 5/38, Northpet Road, Sathyamangalam.

(Doc. 984/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

MADRAS-600 006

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, Madras-600006

Madras-600 006, the 8th January 1980

Ref. No. 8611.—Whereas, I, RADHA, BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,060/- and bearing

No. Karikar Building, situated at Jawaharlal Nehru St., (and more fully described in the schedule annexed hereto)

Pondicherry.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy (Doc. No. 876/79) in May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—436 GI/79

(1) Mrs. Raji Sahasram S. Anand, 31, Luz Avenue, Madras-4 and Mrs. Seethalakshmi Karikar, Shanthi Nagar, Ilango Nagar, Extension, Pondicherry-605 011.

(Transferor)

(2) Smt. Jayashree W/o C. R. Narayanan Shanthi Nagar Ilango Nagar Extension Pondicherry-605011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Jawaharlal Nebru St., Pondicherry (6/25th share).

(Doc. No. 826/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-1-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1980

Ref. No. 7238.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, 1st Main Road, situated at Indira Nagar, Madras-20, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Saidapet (Doc. No. 2220/79) in May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shiri K. Parthasarathy 40, I Main Road. Indira Nagar, Madras-600 020.

(Transferor)

(2) Dr. A. Mahadevan 27, Damodaramurthy Road, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 40, I Main Road, Indira Nagar, Madras-20,

(Doc. No. 2220/79)

RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

 Sri Venkatesa Metal Industries Kurudampalayam Tudialur (PO) Coimbatore Tk.

(2) Hindustan Textiles Kurudampalayam Tudialur (PO).

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th January 1980

Ref. No. 10103.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17, situated at Kurudampalayam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. No. 2810/79) in May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S.F. No. 292/1, Kurudampalayam Tudialur (PO).

(Doc. No. 2810/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10339.—Whereas, I, RADHA, BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.F. Nos. 540 and 541/2 situated at Sanganur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 1670/79) in May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. D. Balakrishnan, S/o Dasa Naidu, 9/34, Rajaji St., Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferor)

(2) Shri Kakkamellan and L. Raman S/o N. Linga Gowder, Bengalmattam Post Nilgiri Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S.F. No. 540 and 541/2, Sanganur Village Coimbatore Taluk (40 Cents).

(Doc. No. 1670/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

(1) Mrs. Mehrunnisa Sadiq, Spring Glen, Hatherley Road, Coonoor-643 101.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S. Ramakrishnan Timber Merchant Main Road, Mettupalayam-641 301. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10205.—Whereas, J RADHA, BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-4-19, situated at Chickadasampalayam, Mettupalayam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. No. 893/79) on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12.4.19, Chickadasampalayam Mettupalayam.

(Doc. No. 893/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10117.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4/2 C.D.E. & F situated at Kondasami Ayyar Road, Ramanathapuram, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2604/79) on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri V. V. Rajalakshmi W/o S. Thangaraj Kalidas Road, Ramnagar, Coimbatore.
 (Transferor)
- (2) M. Mary Thavamani W/o Paul Raj 1, Subramaniaswami Koil St., Fort, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4/2 C.D.E. & F. Kondasami Ayyer Road, Ramanathapuram, Coimbatore.
(Doc. 2604/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10211.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murugan Rice Mill situated at Uthukuli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uthukuli (Doc. No. 301/79) in May 1979, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri T. S. Muthumarappa Mudaliar Thalikattipalayam, Uthukuli.
 - (Transferor)
- (2) Shri N. R. Marappan S/o Ramasami Gounder Ramalakshmi W/o N. R. Marappan, Uthukuli Village. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Sri Murugan Rice Mill Uthukuli.

(Doc. No. 301/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income--tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

Scal:

[PART III— SEC. 1

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri A. K. Viswanathan, A. K. Alagirieswamy, 12B, Bharathi St., Veerappanchatram, Erode Tk. (Transferor)

(2) Shri V. K. Rangaswamy, 43, Bharathi St., Veerappanchatram, Erode Tk. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10201.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12B, situated at Bharathi Road, Veerappan Chatram, Erode,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 2148/79) in May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Laud and building at 12B, Bharathi Road, Veerappan Chatram, Erode.

(Doc. No. 2148/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madros-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10203.-Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 114, situated at Cutchery St., Erode,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Erode (Doc. No. 2182/79) in May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-21-436GI/79

(1) Shri A. P. Nallaswamy S/o Periaswamy gounder N. Radhakrishnan S/o A. P. Nallaswamy Minor N. Ravisankar, 114, Cutchery St., Erode.

(Transferors)

(2) Shri M. Selvaraj S/o S. R. Muniappa Mudaliar M. Soundararaj, 8A, Vakkilswamy Iyer St., M. Venugopal Iyer, 8A, Vakkilswamy/St., Erode.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 114, Cutchery St., Erode, (Doc. No. 2182/79)

RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Hotel Ganesh (P) Itd., 103. Nungambakkam High Road. Madras 34.

(Transferor)

(2) Murugesh Narendran, Naresh Narendran Ramesh Narendran Anvil Ashraman Quilon Kerala. (Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 5th January 1980

Ref. No. 7315.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 103, (Ganpat Building), situated at Nungambakkam High Road, Madras-34,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. No. 698/79) on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of shop of about 945 sq. ft. in Ganpat Building at 103, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Doc. No. 698/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-1-1980

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 5th January 1980

Ref. No. 7294.--Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 136/137, situated at Habibullah Road, Madras-600 017, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. No. 603/79) in May 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer . with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- (1) Dr. K. Natarajan for V. Sundararajan 300, First Cross St., Madras Indira Nagar. (Transferor)
- (2) V. Ramachandran, 23, Balaji Avenue Madras-600 017. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE $^{\prime}$

Vacant land at 136/137, Habibullah Road, Madras-600 017. (Doc. No. 603/79)

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th January 1980

Ref. No. 10224.—Whereas, I RADHA, BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 30/209, situated at Sukkirawarapet St., Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. 2464/79), in May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Shri Kunjahamed S/o K. Kunjutty Saibu Pookode Village, Pillakkadu Desam Savakad Tk. Trichifr

(Transferor)

(2) Shri L. Arunachalam (Alias) Saravanan C/o L. A. R. Lakshmanan 209, Sukkrawarpet, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid peesons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 30/209, Sukkirawarapet, Coimbatore.

(Doc. 2464/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, Madras-600 006

Date: 4 1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/May-79/5392.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16/5 situated at West Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Subhash Chander S/o Shri Harbans Lal Wadhwa and Smt. Swaran Kanta w/o Shri Subhash Chander, R/o 16/5, West Patel Nager, New Delbi. (Transferor)
- (2) Shri Prithvi Raj Kawatra S/o Shri Behari Lal Kawatra, R/o 34/32, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government Built Qr. No. 16/5, West Patel Nagar, New Delhi, bounded as under :-

North: Road

South: Govt. Qr. No. 16/4 East: Service Lane

West: Road

R. B. L. AGGARWAL Competent Authorty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-1-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/May-79/5330,-Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL.

Competent being the Authority under 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-6/2-A situated at Rana Partap Bagh

Subzi Mandi Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Shri Om Parkash Singhal S/o Shri Rulia Ram Singhal, R/o House No. D-6/2-A Rana Partap Bagh, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chalti Devi W/o Shri Ram Kumar Goal, Smt. Narbadi Devi W/o Shri Banwari Lal Goal and Smt. Parbati Devi W/o Shri Bhola Ram, R/o H. No. A-11, C.C. Colony, Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house bearing No. D-6/2-A with Municipal No. 604 situated in the Wadi of Rana Partap Bagh on Grand Trunk Road Main Subzi Mandi, Delhi and bounded as under :-

North: House on Plot No. D-6/1 South: House on Plot No. D-6/2

East: Road
West: House on Plot No. D-6/15

R. B. L. AGGARWAL Competent Authorty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-1-1980

 $p^{-1} = p^{-1} = p^{-1} = 0$

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI-110002

New Delhi, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/May-79/5292,--Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-1/4 situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at (16 Delhi on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfetor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Seema Manocha W/o Di. Virender Kumai Manocha. R/o No. D-1/4 Rana Partap Bagh, Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Daryai tal Kalra S/o Shri Ladha Singh Kalra, Sanjit Kumar Kalra S/o Daryai Lal Kalra of D-6/8 Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-1/4 Rana Partap Bagh Delhi area of Village Sadhora Kalanin Mahaldar Khan Garden Delhi, and bounded as under :-

North: Road 30 ft. South: Property of Leela Vati East: Property on Plot No. D-1/5 West: Property on Plot No. D-1/3

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI-110002

New Delhi, the 14th January 1980

Ref. No IAC/Acq-II/1955/79-80/May-79, 5307.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Qr. No. 30/15A situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surjit Lal s/o Shri Ram Lal R/o 30/15A, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Bhim Sain s/o Shri Bhola Ram R/o 90, Vasdev Nagar, Andha Mugal, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built Qr. No. 30/15A, West Patel Nagar, New Delhi bounded as under:

North: Road South: G.B.P. East: Road West: Service Lane

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authorty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-1-1980

رون در <u>محمد به صفحت کند.</u> دکتر

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/May 79/5357.—Whoreas, I, R. B. L. AGGARWÂL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 26-A, Block A situated at Rajori Garden, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--22-436GI/79

(1) Shri Chiman Singh s/o Shri Khera Singh, R/o WZ-59, Guru Nanak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Om Parkash, (2) Shri Ved Parkash, (3) Shri Rajiv Kumar Sons of Shri Malak Ram, A-27, Rajori Garden, N. Delhi, that Rajiv Kumar is minor under the guardianship of his mother Smt. Sumitra Devi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 224.1/4 sq. yds. 3/4th share of plot No. 26-A Block A, Rajori Garden, N. Delhi bounded as under :— East: Plot No. A-27 South: Plot No. A-26 and A-27

West: Plot No. A-26

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, · Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/1906/79-80/5294/May 79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

Plot No. 7/E situated at Mansarover Garden, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Hari Singh Bhayana
 S/o Shri Nanak Singh Bhayana
 R/o 149, Sector No. 16, Faridabad, Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar Goel s/o Shri Badri Dass Goel R/o 26/146, West Patel Nagar, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7/E measuring 433.3 sq. yds. Mansarover Garden, N. Delhi, bounded as under :—

North: Road
East: Plot No. E/8
South: Lane
West: Plot No. E/6.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th January 1980

Ref. No. IACIACQ,II/2054/May-79/5342.—Whereas R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-41, situated at Nehru Road, Adarash Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Shri Bihari Lal Chawla, s/o Sh. Jhangi Ram Chawla & Sh. Siri Kishan s/o Sh. Bihari Lal Chawla r/o C-41, Nehru Road, Adarsh Nagar, Delhi-33.

(Transferors)

(2) Shri Ram Kanwar Kansal, Jai Kishan Kansal & Roshan Lal Kansals, sons of Sh. Pale Ram Kansal, r/o B-10, Muhatma Gandhi Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-41, Nehru Road, Adarsh Nagar, Delhi-33, measuring 200 sq. yds. out of khasra No. 262/263/258/217/4, situated in the area of Bharola Delhi State, Delhi consists of five rooms kitchen, leterine, bath, two shops and coutryard sewar electric, on the ground floor, and stair case, and barasti on first floor. bounded as under:

North: Service lane
East: House No. 42
South: Nehru Road & Park
West: House No. 40.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L., NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/May-79/5301.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. C/21,

situated at Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Delhi on 8-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rama Kant Bhageria s/o
 Sh. Mata Din Bhageria
 r/o No. 40, B.D. Estate, Lucknow Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath Chopra, s/o Sh. Jiwan Dass, r/o 4532, Aryapura S/Mandi. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. C/21, area 400 sq. yds. on cottage Road, Adarsh Nagar, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-1-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/May-79/5312. -Whereas I, R. B. L. AGGARŴAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No. 21, situated at Block No. 24(24/21), Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-5-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) Shri Ram Nath s/o Sh. Dal Chund, r/o Village Nangloi Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukh I al s/o Sh. Lahri Singh, r/o 23/3 G. T. Road, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given 🗷 that Chapter.

THE SCHEDULE

A Free hold piece of land, Plot No. 21, Block No. 24, (24/21) measuring 33'-9" x80'-0"=250 Sq. Metres at Shakti Nagur, (Roshanara Extension Scheme) Delhi, bounded as under

East : Service Lane West : Plot No. 24/20 (occupied by Ch. Partap Singh) North : Service Lane

South: Road,

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/May-79/5314.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 20, Block No. 24,

situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ram Nuth s/o Sh. Dal Chand r/o Village Nangloi, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ch, Partap Singh s/o Sh. Kanwar Singh, r/o 25/103, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Free hold piece of land, plot No. 20, Block No. 24 (24/20) measuring $33\%-9\%80\%-9\%\pm250$ sq. meters at Shakti Nagar bounded as under:—

East : Plot No. 24/21 West : Rolad

North: Service Lane South: Road.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/!4A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/1-80/986.—Whereas I, G. C. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion No. 110 (1st Floor)

situated at 'DLF House' 40-E, Con. Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 31-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s DLF United Ltd., 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi-16.

(Transferor)

(2) Shri Sheikh Fashijuddin & Sheikh Tajjuddin sons of Sheikh Shijauddin, R/o K-116, Hauz Khas Enclave, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 110 on the 1st Floor of Front Building of 'DLF House' 40-F, Con. Place, New Delhi, admeasuring 365.06 sq. ft. bounded as under:—

North Passage

South: Others property
East: Portion No. 109
West: Portion No. 111.

G. C. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/ Λ cq-I/1-80/985.—Whereas I, G. C. Λ GGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Portion No. 104 (1st Floor).

situated at DLF House, 40-F, Con. Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s DLF United Ltd., 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Jain, W/o Suresh Chand Jain. Prop. M/s Gift Emporium, B-1/30A, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The tems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 104 on the 1st Floor of the Front Building of 'DLF House' 40-F. Con. Place, New Delhi, admeasuring 461.22 sq. ft. bounded as under:—

North: Others property. South: Passage East: Portion No. 105 West: Portion No. 103.

> G. C. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1, 4/14A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 10th January 1980

No. IAC/Acq-I/1-80/982.—Whereas I, G. C. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion No. 101 (1st Floor)

situated at DLF House 40-F, Con. Place, New (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

23-436GI/79

M/s DLF United Ltd., 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand, s/o Late Sh. Nandoo Mal Jain, R/o B-1/30A, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 101 on the 1st Floor of the Front Building of 'DLF House' 40-F, Con. Place, New Delhi, admeasuring 630.75 sq. ft. bounded as under:—

North: Others property.
South: Part of passage and Portion No. 111
East: Portion No. 102 and stair case
West: Open.

G. C. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/1-80/983.---Whereas I, G. C. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Portion No. 102 (1st Floor),

situated at DIF House 40-F, Con. Place. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 31-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s DLF United Ltd., 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delh!.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Jain, S/o Late Sh. Nandoo Mal Jain, R/o B-1/30A, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 102, on the 1st Floor of the Front Building of 'DI.F House' 40-F, Con. Place, New Delhi, admeasuring 400.35 sq. ft. bounded as under :—

North: Others property. South: Stair Case East: Portion No. 103 West: Portion No. 101,

> G. C. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1980

Seal ;

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th January 1980

Ref. No. 1AC/Acq-I/1-80/984.—Whereas I, G. C. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Portion No. 103 (First Floor), situated at 'DLF House', 40F, Con. Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 31-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s DI.F United Ltd., 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Jain (HUF) through its Karta Sh. Suresh Chand Jain s/o Late Shri Nandoo Mal Jain, R/o B-1/30A, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 103, on the 1st Floor of the Front Building of 'DLF House', 40-F, Con. Place, New Delhi, admeasuring 416.86 Sq. ft. bounded as under:—

North: Others property South: Passage East: Portion No. 104

West: Portion No. 102 and passage.

G. C. AGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD. **NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 10th January 1980

No. IAC/Acq-I/1-80/987.—Whereas I, G. C. Ref. AGARWAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 20, Block 7, Part 'C', situated at 7-Prithviraj Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 18th May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Nemi Chand Jain, A-2/25, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Punjab Properties Limited B-45-47, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 20, Block 1, Part-C, of Back portion of 7-Prithvi Raj Road, now known as 46, Ratendon Road, New Delhi with plot of land measuring 574,93 sq. yds together with three servant quarters.

> G. C. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s L. N. Gadodia & Sons Ltd.,
 1112 Kucha Natwa, Ch. Ch., Delhi through
 Sh. Tej Pal Gadodia.

(Transferor)

(2) Sh. Damodar Dass Saraf s/o Sh. Murari Lal Saraf, & Smt. Pramila Saraf w/o Sh. Damodar Dass Saraf, 10A/10 Shakli Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 16th January 1980

Ref. No. IAC/Acq.-11/1858/79-80/5-79/5280.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/3.

situated at Alipur Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 8/3, Alipur Road, Delhi bounded as under:-

North: Bungalow No. 10 South: Bungalow No. 6

East : Alipur Road, West : Church Mission School.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 16th January 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/1859/79-80/5-79/5281.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

8/4, situated at Alipur Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s L. N. Gadodia & Sons Ltd., 1112 Kucha Natwa, Ch. Ch., Delhi through Sh. Tejpal Gadodia.

(Transferor)

(2) Smt. Vandna Saraf w/o Sh. Vijay Kumar Saraf, r/o 10A/10 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 8/4, Alipur, Delhi bounded as under:-

North: Bungalow No. 10 South: Bungalow No. 6 Fast: Alipur Road,

West : Church Mission School.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. 2001.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Gatta Badshah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sh. Gurdial Singh S/o Wasan Singh S/o Sukha Singh R/o Kand Wala Hazar Kha Teh. Fazilaka C/o Joginder Singh S/o Gurbachan Singh Mukhtiarm Gurbachan Singh. 2. Wasan Singh S/o Sukha Singh R/o Kand Wala Hazar Kha Teh. Fazilka.
 - (Transferor)
- (2) Shri Mohan Singh, Amar Singh SS/o Sh. Kishan Singh S/o Wadhawa Singh Vill, Gata Badshah Teh. Zira,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration sale Deed No. 1798 of June 1979 of the Registering Authority, Zira.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 5th January 1980

Ref. No. A.P. 2002.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Kallar Khera (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Shanti Devi D/o Madan Chand Alias Madan Lal R/o 22 E Block Siri Ganga Nagar. (Transferor)
- (2) Shri Gurdev Singh, Nachotter Singh SS/o Sarwan Singh R/o Vill. Panni Wala Mohalla Teh. Fazilka. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2
- (4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale Deed No. 1144 of July, 1979 of Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Jullundur, the 5th January 1980

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Ref. No. A.P. 2003.—Whereas, I B. S. DFHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Ajeem Garh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Abohar on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

24-436 G1/79

- (1) Shri Dev Raj S/o Amin Chand R/o Vill. Ajeem Garh Teh. Fazilka
 - (Transferor)
- (2) Shri Rukmal Siri Krishan Pisran, Purkha Ram Vill. Ajeem Garh Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 (Persons in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration sale deed No. 1186 of July 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-1-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th January 1980

Ref. No. A.P. 2004.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per Schedule situated at Vill. Bhange Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muktser on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Avtar Singh S/o Sh. Chanan Singh S/o Bur-Singh R/o Bhange Wala Teh. Muktsar Distt. Farid-kot

(Transferor)

(2) Shri Rur Singh 2. Diwan Singh Ss/o Maghar Singh S/o Sh. Nand Singh R/o Dader Sahib Tehsil Taran Taran Distt. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 (Persons in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 752 of June 1979 of the Registering Authority, Muktsar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-1-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. 2005.-Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-No. As per Schedule situated at Vill, Jattan Wali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Zira on June 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consi-

deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nazar Singh—Ajeet Singh S/o Chur Singh S/o Lal Singh R/o Vill. Gatti Ifari Ke P.O. Hari Ke Teh Zira.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh S/o Inder Singh S/o Ishar Singh R/o Vill. Jattan Wali Teh. Zira. Disttt. Fcrozepur.

(Trasnferee)

- (3) As per Sr. No. 2 (persons in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registering sale Deed No. 2235 of June 1979 of the Registering Authority, Zira.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. 2006.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Doda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsur on June 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shrimati Harnam Kaur D/o Dhian Singh S/o Sh. Sobha Singh R/o Hari Ke Kalan Teh. Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Ajaib Singh 2. Naib Singh 3. Sarwan Singh Ss/o Sh. Jugraj Singh S/o Prem Singh R/o Vill. Doda Teh. Muktsar.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2
 [Persons in occupation of the proptrty]
- (4) Any other person interested in the property.

[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registering sale deed No. 1054 of June, 1979 of the Registering Authority, Muktsar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. 2007. -Whereas, J. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Nand Garh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardulgarh on June 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value—of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer—as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Santa Singh S/o Narain Singh S/o Sehba Singh, Vill, Nand Garh Teh. Sardulgarh.

(Transferor)

(2) Shri Bhag Singh S/o Narain Singh S/o Schba Singh Vil. Nand Garh, Sub. Teh. Sardulgarh.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2.

[Persons in occupation of the proptrty]

(4) Any other person interested in the property.

[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 463 of June 1979 of the Registering Authority, Sardulgarh.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. No. 2008.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Sardulgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardulgarh on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jai Singh S/o Share Singh 2. Lal Singh S/o Jai Singh 3. Pala Singh S/o Jai Singh, Vill. Sardulgarh.

(Transferor)

(2) Shri Banta Singh S/o Gurbaksh Singh Vill. Sardulgarh.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration sale deed No. 687 of June 1979 of the Registering Authority, Sardulgarh.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. No. 2009.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Kallar Khera (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Abohar on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Shanti Devi D/o Madan Lal R/o Boharwasi, Ganga Nagar IE Block.

(Transferor)

(2) Shri Sarwan Singh S/o Prem Singh, Shri Nachhattar Singh—Gurjant Singh Ss/o Sarwan Singh R/o Vill. Panniwala Mahla Teh. Fazilka.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration sale deed No. 1215 of July 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 5th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2010.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Sangba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sardulgarh on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jarnail Singh S/o Harbans Singh Vill. Sangha (Transferor)
- Shri Wazir Singh S/o Lachman Singh Vill. Bahavdin. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 185 of June 1979 of the Registering Authority, Sardulgarh.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date: 5-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2011.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Kikar Khera (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-436GT/79

 Shri Balbinder Singh, Mohinder Singh Ss/o Harnam Singh R/o Vill. Kiker Khera Teh. Fazilka Distt. Abohar.

(Transferors)

(2) Shri Bhaira Ram S/o Sh. Asa Ram R/o Vill. Kikar Khera Teh. Fazilka Distt. Abohar.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows

son whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 1088 of July, 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. No. 2012.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Khokhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fackitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sham Singh S/o Kala Singh S/o Sujjan Singh through Puran Singh S/o Palu Singh R/o Vill. Khokhar. Teh. Mukatsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdit Singh S/o Narain Singh S/o Shri Sheer Singh R/o Vill Dhiman Wali Teh. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 1475 of July 1979 of the Registering Authority, Muktsar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd January 1980

Ref. No. A.P. No. 2013.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Madan Lal S/o Milkhi Ram S/o Radhe Mal R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hans Raj S/o Sh. Sadhu Ram S/o Sh. Shankar Mal, 2. Shri Pal Chand S/o Shri Brij Lal S/o Shri Bhagat Ram, 3. S/Sh. Madan Lal, Krishan Kumar Ss/o Shri Hans Raj R/o Maur Mandi.

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 1505 of June 1979 of the Registering Authority, Bhatinda.

> B. S. DEHIYA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Juliundur.

Date: 2-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 2nd January 1980

Ref. No. A.P. No. 2014.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bhatinda on June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under seb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Durga Devi Wd/o Sh. Milkhi Ram S/o Shri Radhe Mal R/o Bhatinda. (Transferor)
- (2) (i) Sh. Pal Chand S/o Sh. Brij Lal S/o Sh. Bhagat Ram (ii) S/Sh. Madan Lal, Krishan Kumar SS/o Sh. Hans Raj R/o Maur Mandi C/o M/s Brij Lal Pal Chand Maur Mandi (Cloth Merchant).
 (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 1692 of June 1979 of the Registering Authority, Bhatinda.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 2-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2015.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Gulabe wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Sajan Singh S/o Harnam Singh S/o Hira Singh, (ii) Sampuran Singh, Jang Singh SS/o Waryam Singh S/o Hira Singh, (iii) Smt. Dalip Kaur Wd/o Sham Singh S/o Hira Singh & Mukand Singh S/o Sham Singh S/o Hira Singh Self and as a General Attorney real brother Major Singh, Gurdita Singh Ss/o Sham Singh R/o Chack No. 5 M.P.O. Phuse wala Teh. Sri Karan pure Disti. Ganga Nagar. (Transferor)
- (2) Shri Jabarajung Singh, Sher Singh SS/o Sh Kishan Singh S/o Fata Singh R/o Vill. Gulabe wala P.O. Muktsar Teh. Muktsar.

(Transferce)

- "(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 1428 of July 1979 of the Registering Authority, Muktsar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ULLUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. No. 2016.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Plot No. WG 526/2 in Moh. Suraj Ganj, Jullundur

(and more fully described in the schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Juitundur on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any tacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the argresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Lyal Pur Khalsa Higher Secondary School, Nakodar Road, Jullundur throung Shri Hari Singh Advocate.
 - (Transferor)

(Transferee)

- (2) S/Shri Ram Partap (ii) Ram Sarup (iii) Romesh Kumar (iv) Prithvi Raj SS/o Shri Fakir Chand C/o Bhardwaj Furniture House Nakodar Road, Jullundur.
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. 1169 of May 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 26-12-1979.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. No. 2017.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at House No. 417 Adarsh Nagar, Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Montogomery Guru Nanak, Educational Trust Through Hon Secretary Sh. Charanjit Singh, Adarsh Nagar, Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Adarsh Kalra, 94, Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur.
 - (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration sale deed No. 830 of May 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ULLUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. No. 2018.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at V. Shakar Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957)27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narinder Singh Aulakh: S/o Shri Kartar Sinhg S/o Jai Singh R/o Shakar Pur Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) S/Shri Sadhu Singh ii. Shish Pal Singh iii. Amrik Singh iv. Darshan Singh SS/o Narain Singh R/o Gorhi Bakhsa. Teh. Jullundur.

 (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed No. of May 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ULLUNDUR

Jullundur, the 26th December 1979

Ref. No. A.P. No. 2019.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. As per Schedule situated at VIII. Shakar Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 andor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26-436GI/79

- (1) Shri Narinder Singh Aulakh S/o Shri Kartar Sinhg S/o Jai Singh R/o Shakar Pur Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) S. Shri Sadhu Sinhg ii. Shish Pal Singh iii. Amrik Singh iv. Darshan Singh SS/o Narain Singh R/o Garhi Baksha, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the nforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration sale deed No. 1198 of May 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullandar, the 9th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2020. -Whereas, I.B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. As per Schedule situated at Kothi No. 259, New Jawahar

No. As per Schedule situated at Kothi No. 259, New Jawahar Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Singh S/o Bhagat Singh R/o 271-N,M. Moh. Krar Khan, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh, Rajinder Singh SS/o Shri Jot Singh R/o 4-B Model House, Juliundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration sale deed No. 1139 of May 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 9-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2021.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Khurla Kingra (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Miss Repu Chandi D/o Capt, Hardarshan Singh R/o Jandu Singha Distt, Jullundur through P.A. Bhupinder Singh s/o Jagjit Singh R/o Kapurpind. (Transferor)
- (2) Shrimati Ashu Dhingra W/o Dalip Kumar Dhingra R/o Khurla Kingra Distt. Jullundur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration safe deed No. 1187 of May 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 11-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ΛCT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2022.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (kereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Sikander Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Rakha Singh S o Jawala Singh V. & P.O. Sikander Pur Distt. Jullundur.

 (Transferor)
- (2) Shri Harbhajan Singh S/o Shanker Singh Vill. Sikander Pur. Distt. Jullandur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 967 of May 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2023.—Whereas, I.B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Kandhala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bawa Singh S/o Pheru Vill. Kandala Kutu Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Rattan Chand S/o Sh. Banta Ram ii. Smt. Ajit Kour W/o Sh. Ratan Chand. R/o Sadana Teh. Jullundur. (Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act are defined in Chapter XXA of the said Act that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 899 of May 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2024.—Wheras, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jamail Singh S/o Kartar Singh S/o Ganga Singh R/o Shankar through Karam Singh S/o Surjit Singh Mukhtar Amm R/o Dingrian Distt, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Nirmal Singh-Dilbar Singh Dilbag Singh S/o Chanan Singh S/o Ran Singh R/o Mandiala Teh. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 509 of May 1979 of the Registering Authority, Nakodar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-1-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2025.—Whereas, I.B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/-and bearing

No. As per Schedule situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari Bakhsish Kaur D/o Sohan Singh S/o Banta Singh, Ajaib Singh S/o Banta Singh S/o Ganga Singh, Smt. Sukhbir Kaur W/o Gian Singh S/o Banta Singh R/o Shankar, Jarnail Singh S/o Kartar Singh through Karam Singh S/o Surjit Singh R/o Dingrian Distt, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Nirmal Singh, Dilbir Singh, Dilbag Singh SS/o Chanau Singh R/o Mandiala, Nirmal Singh Sukhehain Singh, Iqbal Singh SS/o Bakhsish Singh R/o Mohem and Tirath Ram S/o Telu Ram S/o Raja Ram R/o Nakodar.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 510 of May 1979 of the Registering Authority, Nakodar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2026.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ajaib Singh s/o Banta Singh s/o Ganga Singh, r/o Village Shankar, Teh, Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Singh, Sukhchain Singh, Iqwal Singh s/o Bakhsish Singh, r/o Mohem Singh, Tch. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 366 of May 1979 of the Registering Authority, Nakodar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS. SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE. **JULLUNDUR**

Jullundur, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2027-Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,

situated at Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income aising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-27--436GI/79

(1) Shrimati Bakhsish Kaur w/o S. Sohan Singh s/o Banta Singh r/o Village Shankar, Teh. Nakodar. Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shashi Kanta Sandhu w/o Sh. Kulwant Singh Sandhu 5/0 Chanan Singh, 2. Shri Tirath Ram Kalia s/0 Sh. Telu Ram, R/o Nakodar.

- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 365 of May 1979 of the Registering Authority, Nakodar.

> B. S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Julinndur

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2028.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,

situated at Nakodar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nakodar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sukhbir Kaur w/o Gian Singh s/o Banta Singh r/o Vill. Shankar, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur

(Transferor)

(2) Shrl Pritam Singh Tiger s/o Santa Singh s/o Vir Singh, Jasprlt Singh s/o Pritam Singh, r/o Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 551 of May 1979 of the Registering Authority, Nakodar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2029.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Village Boparai

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhulath on May 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amer Singh s/o Inder Singh, r/o Butter, Teh. Jullundur,

(Transferor)

(2) Shri Pal Singh, Gurdip Singh, Tarsem Singh, ss/o Gurbachan Singh, Village Buttar.

(Transfences)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 324 of May 1979 of the Registering Authority, Bhulath.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2030.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule, situated at

Jullundur on May 1979

Vill, Sikander Pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Rakha Singh s/o Jawala Singh, Vill. & P.O. Sikander Pur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Gurmeet Singh s/o Shankar Singh, Vill. & P.O. Sikander Pur, Teh. Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 971 of May 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-1-1980

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1980

Ref. No. A.P. No. 2031.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on May 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ravinder Nath Seth s/o Jagan Nath, Kapal Dev, Ramesh ss/o Balkishan Seth, r/o Kucha Kahan Chand, Ferozepur City now at Bombay.

(Transferors)

(2) Shri Nand Kishore s/o Diwan Chand, r/o Kaushi Nagari, Ferozepur City.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 896 of May 1979 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD PUNE

Pune-411009, the 28th December 1979

Ref. No. CA5/SR Solapur/464/79-80.—Whereas, 1, S. K. TYAGI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 6160/1, situated at Solapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR SOLAPUR on 15-5-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sou. Shobhabai R. Magavi, 295, Mangalwar Peth, Solapur.

(Transferor)

(2) Solapur Shaher Shadikhana Trust, 294, Mangalwar Peth, Solapur.

(Transferee)

(3) Tenants (person in occupation of the property).

(4) Sindhi Panchayat Solapur.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at C.S. No. 6160/1, Solapur. (Property as described in the sale deed under document No. 1115 dt. 15-5-1979 registered in the office of the Sub-Registrar, Solapur.

S. K. TYAGI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 28-12-1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD

Pune-411009, the 28th December 1979

Ref. No. CA5/SR Haveli-I/465/79-80.---Whereas, I, S. K. TYAGI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 554/1 & 554/2, situated at Shivajinagar, Pune-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Haveli-I on July 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Modern Builders, 1187/20, Ghote Road, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

 M/s. Dnyanesh Co-op. Housing Society, 1179, Dnyanesh Apartments, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at F.P. No. 554/1 and 554/2 at Shivajinagar, Pune-5.

(Property as described in the document No. 1934 dt. 31-7-1979 registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Distt. Pune.)

S. K. TYAGI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 28-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 19th December 1979

Ref. No. U-24/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 21 & 22, Plot Nos. 447, 454, 1762/5 & 1762/6, situated at Moballa-Civil Lines, Matalika Chhauni-Sadar,

Pargana-Mecranpur Distt., Sultanpur

1402

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sultanpur on 21-5-79

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mohd. Nasir Khan, (2) Mohd. Bashir Khan, (3) Mohd. Asir Khan & (4) Smt. Musra Bibi.
- (2) (1) Sardar Uttam Singh, (2) Sardar Darshan Singh,
 (3) Sardar Mahendra Singh, (4) Sardar Daljit Singh
 & (5) Sardar Rajendra Pal Singh.

(Transferce)

PART III- SEC. 1

- (3) Above sellers and 6 tenants 1, Mohd. Kalim, 2. Mohd. Khurshid, 3. Mohd. Sadique, 4. Sri Rajaram Yadav, 5. Sri Govind Prosad and 6. Sri Girdhar Prasad.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Kamrul Nisan.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheyer period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21 and 22 near Police Club, plot No. 447, 454, 1762/5 and 1762/6, Mohalla—Civil Lines Matalika, Chhauni-Sadar, Pargana-Meeranpur, Tchsil & Distt, Sultanpur and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 1011/79 and sale-deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Sultanpur, on 21-5-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I ucknow

Date: 19-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. S-40/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 17, in the campus of Waldorf Hotel situated at Mallital, Nainital area 1531.59 sft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nainital on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
28—436 GI/79

- (1) S/Shri 1. Pam Prakash; 2. Vishnu Autar; 3. Suraj Autar; 4. Om Autar; 5. Rujeev Kumar; 6. Rakesh Kumar; & Ashok Kumar Goel.

 (Transferor)
- (2) S/Shri Govind Lal Sah & Devi Lal Sah.
 (Transferee)
- (3) Sellers.
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land marked as No. 17, area 1531.59 sft. in the campus of Hotel Waldorf, Mallital, Distt. Nainital and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 262/79 and sale-deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Nainital on 9-5-79.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. P-73/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5, in the campus of Waldorf Hotel situated at Mallital, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 9-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or veny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- Vishnu Autar; 3. Suraj (1) S/Shri 1. Ram Prakash; 2. Autar; 4. Om Autar; 5. Anil Kumar; 6. Rajiv Kumar; 7. Rakesh Kumar; & 8. Ashok Kumar Goel. (Transferor)
- (2) Shri Prem Nagar Ashram (Regd.)

(Transferce)

(3) Sellers.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in campus of Woldrof Hotel, Mallital, Dist. Nainital measuring 1342.13 sft. (124.74 Sqm.) and marked as Plot No. 5 bounded as below:

East—Public Road to Post Office West—6 feet wide common road North—Drain thereafter land of vendeors South—Plot No. 16 of Rajendra Pal Singh & others and

all that description of the property which is mentioned in Form 27-G No. 263/79 and sale-deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Namital on 9-5-79.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1979

Ref. No. P-74Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Two storeyed house and land Khasra No. 7 situated at Vill. & Mauza-Shivdaspur, Pargana-Dehat Amanat, District-Varanasi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasj on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramji (2) Shri Lalji.

(Transferor)

- (2) M/s. Punjab Automobiles, Nadesar, Varanasi. (Trasnferee)
- (3) Above sellers & 2 tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on the land Khasra No. 7 measuring 1 Biswa (6½ dec.) situate at village and Mauza -Shivdaspur, Pargana-Dehat Amanat, District—Varanasi, and all the description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 4197 and the sale-deed and in the site plan which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 30-5-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-12-1979.

(1) Shri Bhurey Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Pawati Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1979

Ref. No. P-75/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

a double storeyed house including building & land, situated at Mohalla—Gandhi Nagar, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house including entire building and land measuring 167.225 sq. metres situate at Mohalla—Gandhi Nagar, Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 2902/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 23-5-79.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1979

Ref. No. P-76/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Mohalla—Koocha Moti Mansukh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 16-5-1979

Bareilly.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ajit Kumar & Smt, Jagdamba Devl.
 (Transferor)
- (2) Shri Prem Prakash.

(Transferce)

(3) Above sellers.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situate at Mohalla—Koocha Moti Mansukh, Bareilly and al that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 2498/1/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 16-5-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. M-111/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred immovable property, having a fair market value exceeding to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1, measuring 1568.60 sft. (145.79 Sqm.) situated at the campus of Waldorf Hotel, Mallital, Distt. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 9-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

(1) S/Shri 1. Ram Prakash; 2. Suraj Autar; 3. Vishnu Autar; 4. Om Autar; 5. Anil Kumar; Rakesh Kumar; 7. Ashok Kumar Goel; & 8. Rajcev Kumar.

(Transferor)

() Shri Masood Ahmad.

(Transferee)

(3) Sellers
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 situate in the campus of Waldorf Hotel, Mallital, Distt. Nainital shown by red-shaped in the site plan and measuring 1568.60 sft. (145.79 Sqm.) and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 260/59 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Nainital on 9-5-79.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. M-112/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No 4 in the campus of Waldorf Hotel, area 197.61 sq.m. situated at Mallital, Dist. Nainitul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nainital on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

S/Shri

- (1) 1. Ram Prakash
 - 2. Suraj Autar 3, Vishnu Autar
 - 4. Om Autar 5. Anil Kumar
 - Rajiv Kumtar
 - Rakesh Kumar & Ashok Kumar Goel.

(Transferors)

(2) Shri Masood Ahmad through Rais Ahmad attorney Sellers.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, situated in campus of Waldorf Hotel, Mallital Distt. Nainital shown by red-shaded in site-plan and bounded as below measuring 2126.30 sft (197.61 sq.m.);

East: 8' stripe of raised land of Hotel Waldorf and thereafter remaining land and building of Hotel Waldorf-

West: Plot No. 3 of Hotel Waldorf to be sold to Mohd. Shahid-

North: 7: wide common passage and thereafter remaining plots of Waldorf Hotel—
South: Remaining land of Hotel Waldorf

all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 261/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Nainital on 9-5-1979.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

Dute: 15-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Thakur Jitendra Pal Singh.

(Transferors)

(2) Smt. Meena Devi & Rakesh Kumar.

(Transferce)

(3) Seller.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. M-113/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Plot of land measuring 239.52 sq.m., situated at Katghar, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moradabad on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 239.52 sq.m. part of plot measuring 759.63 sq. m. situated at Mohalla Katghar, Dist. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 2552/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Moradabad on 9-5-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-12-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th December 1979

Ref. No. S-185/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing

House No. 147 D-7,

situated at Mohalla-Kisraul, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 29-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

29-436 GI/79

(1) Shri Vikarul Islam.

(Transferor)

(2) Shri Shabbir Ahmed.

(Transferee)

(3) Above seller.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 147 D-7 situated at Mohalla Kisraul, Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 1310/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 29-5-1979.

A. S. BISEN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 19-12-1979

Shri Kr. Kali Mohan Nath Misra;
 Smt. Madhuri Misra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Brij Behari Lal Jauhari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1979

Ref. No. B-88/Acq.—Whereas I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. land situated at Mohalla Phool Bagh, Saleh Nagar, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barcilly on 20-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the trasferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 1493.864 Sqm. situate at Mohalia Phool Bagh, Saleh Nagar, Bareilly and all that descript on of the property which is mentioned in Form 37G and sale-deed which is duly registered at the office of the Sub Registrar, Bareilly on 20-5-79.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-121X
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 20-12-79,

(1) Shri Bhushan Lal Bahri

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 19th December 1979

Ref. No. G-41/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17/6, Windsor Place, Havelock Rond, situated at Eucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Lucknow on 29-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Shri J. P. Sharma, Advocate & Smt. Parwati Sharma

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 17/6, Windsor Place, Havelock Road, Lucknow (besides Haider Ali Canal) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 2813 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Lucknow on 29-5-79.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 19-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th December 1979

Ref. No. G-42/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 43/136 Ka including building situated at Mohalla Nawal Kishore Road, Lucknow

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sunder Das Arora S/o Shri Shankar Das Arora 2. Smt. Bimla Devi W/o Sri Sunder Das Arora. (Transferor)
- (2) Shri Girish Kumar Rastogi S/o Shri Makunda Lal Rastogi.

(Transferee)

(3) Above vendors,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 43/136 Ka, having 400 Sq. ft. freehold land with building appurtenant to it, situate at Mohalla—Nawal Kishore Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 2256 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 5-5-79.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 28-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1979

Ref. No. V-43/Acq.--Whereas 1, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Arazi Nos. 57/15 and 57/13 situated at Mauza Bhojpur, Tehsil Chandauli, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rom Nagar, Voranasi on 25-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri Abdul Ghani,
 - 2. Iqbal Ahmad,
 - 3. Mushtaq Ahmad 4. Ishtiyaq Abmad.

(Transferor)

(2) Vishnu Textile Mills through Shri Suresh Chandra and Subhash Chandra.

(Transferee)

(3) Vendors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 1.69 acres situate at Mauza Bhojpur, Pargana-Ralhupur, Tehsil-Chandauli, Distt. Varanasi and all that description of the property which is mentioned in Form 37-G No. 435 and sale-deed duly registered at the office of the Sub-Registrar, Ram Nagar, Distt. Varanasi, on 25-5-1979.

A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

Date: 20-12-1979.

FORM !!NS----

(1) Smt. Shanti Devi Wohra.

(3) Above seller

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Rama Devi Yadav

rested in the property).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIR'I H MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th December 1979

Whereas I, AMAR SINGH BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000.'- and bearing

House No. 45-A(A) measuring 12,000 Sq. 1t. situated at Mohalla Krishna Nagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 10-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person whom the undersigned knows to be inte-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 45-A(A), measuring 12,000 Sq. ft. situate at Mohalla—Krishna Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 2382/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 10-5-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range,

Date: 28-12-1979.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st December 1979

Ref. No. 151-A/P.N./Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mecrut on 14-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dev Sharma Kashpay s/o Shri C. L. Sharma r/o Kallyun Nagar, Garh Road, Meerut.

 (Transferor)
- (2) Shyam Sunder & Shri Kishan Chandia s/o Lala Dhaluran r/o 64/7, Choigal Street, Meerut Cantt Member of Kallvan Nagar Cooperative House Society Ltd., Meerut.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 13 (Hall No. 89) measuring 256 sq. yds. more or less situated at Mohalla: Kallyan Nagar, Garh Road, Meerut.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 21-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1979

Ref. No. 792/Acq/Agra/79-80,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As Per Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agua on 19-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ranjit Kaur Widow of Shri Ratan Singh, Gurucharan Singh s/o Shri Ratan Singh, Jasbir Kaur, Kamaljit Kaur daughter of Shri Ratan Singh r/o 67/1, Balkeshwar Colony, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Kasturi Lal Taneje s/o Shri Tara Chand, Lajpat Rai & Shri Jaswant Rai s/o Shri Kasturi Lal r/o [17, Industrial Fstate Nunihai, Agra.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesa'd persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House proerty bearing No. 43, Nagarmahapalika Agra No. 33/155 B.H.W., Shivpuri, Balkeshwar Road, Agra

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpu

Date: 11-12-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1979

Ref. No. 52/Acq/Firozabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 25-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in resect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—30—436 GI/79

(1) Shri Hriom, Harishanker and Radheyshyam s/o Shri Bhagwati Prasad, Shri Bhagwan s/o Bharat Singh, Basdeo and Shyam Bihari s/o Jhunni Lal r/o Roopaspur, Firozabad, Agra.

(Transferors)

(2) Shri Kirtram s/o Shri Nandlal, Harpal Singh and Bhujbir Singh s/o Kirt Ram, Smt. Har Pyari Wife of Kirt Ram r/o Muja Roopaspur Gudau, Teh: Firozabad, Agra.

(Transferces)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day; from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land (Bhumidhari) Khasara No. 116-A measuring 1/4 Part at South side it means 7 Bigha, 11Biswa and 11 Biswansi of 30 Bigha, 6 Biswa situated at Mauja: Roopaspur, Teh: Firozabad, Distt: Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 11-12-1979

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1979

Ref. No. 272-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Stetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 29-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abdul Hamid s/o Shri Hazi Abdul Rajjak t/o 96/37, Colonal Ganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Khemchand s/o Shri Sital Das r/o 11/254, Suterganj, Kanpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same metaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 12/470 situated at Gwaltoli, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-12-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1979

Ref. No. 337-A/Mussoorie/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussooric on 19-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Δ ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Δ ct, to the following persons, namely:—

(1) The Friends Foreign Missionary Society, Damascus, Ohio 44619, U.S.A. acting by its duly appointed General Attorney Miss E. Anna Nixon, of Union Biblical Seminary Yavatmal, Maharashtra-445001.

(Transferor)

(2) Shri Jyto Emanuel, adopted son of Miss W. M. Goode, r/o Pine Point, Landour, Mussoorie, U.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that immovable property called 'Pine Point' Estate, situated at in Municipal Area, containing by admeasurement about 2 acre more et less, Tehri Road, Mussoorie.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kuppur

Date . 12-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1979

Ref. No. 981-A/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mccrut on 31-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. K. N. Seth (Karam Narain Seth) s/o Late Paras Ram Seth r/o Mohalla: Patel Nagar, Jali Kothi, Meerut.

(Transferor)

(2) Dr. Smt. Amrit Kaur Phull W/o Dr. Sardar Varinder Singh Phull S/o Major Sardar Narendra Singh Phull Retd. r/o Dufferin Hospital, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall hhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

54.96×4 ·

Govt. Built Quarter No. 11-C, D Municipal No. 26, Juli Kothi Colony known as Mohalla Patel Nagar, Meerut City.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 12-12-1979

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1979

Ref. No. 267-A/Kanpur/79-80.—Whereas J, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-(ax Act, 1961 (43 of -1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kanpur on 22-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gomti Devi Wife of Lala Sriram r/o 12/202, Gwaltoli, Kanpur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Ram Naresh (Nabalig) s/o Shri Vijay Narain Dewavedi Vilayat and Smt. Chhunni Devi r/o Mauaj: Surijita, Parg: Ghatampur, Distt: Kanpur. (Transferees)

(11.....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in thes aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 8/48-A situated at Arya Nagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-12-1979

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kampor, the 18th December 1979

Ref. No. 236-A/Ghaziabad/79-80,—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

As Per Scheduled situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghazinhad on 16-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Narend Kumar Jain s'o Shri Raghubir Saran Jain r/o B-164, Lohia Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Snit. Santosh Jain w/o Shri Jai Bhagwan Jain r/o B-164, Lohia Nagar, Ghaziabad.

(Trasnferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 164 measuring 1/2 part of 376 sq. mtr. situated at Lohia Nagar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. C. Mittar, 1/0 7/152, Swroop Nagai, Kanpur, Smt. Shyamli Parajaye "Shanti". Apte Road, POONA, Smt. Anjali Raina r o D-150, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Narain Awasthi, r/o 3/2-D, Aarya Nagar, Kanpur, Arun Narain Awasthi, 8/2-D, Aarya Nagar, Kanpur, (Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1979

Ref. No. 275-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

Kanpur on 30-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair markt value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pondion of House Property No. 7/152 measuring 1184 situated at Swkaroop Nagar, Kanpur.

B. C. CHATURVFDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1979

Ref. No. 276-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 30-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M. C. Mittar 7/152, Swaroop Nagar, Kanpur, Sint. Shyamli Parajaye "Shenti", Apte Road, Poona, Snit. Anjali Rama, D-150, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- Kamal Prakash Arora, Jugal Kishore Arora, Vijai Kumai Arora and Harsh Bardhan Arora all r/o 111-A/ 250, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7/152 measuring 1566 Sq. Mtr. (back side) Swaroop Nagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rnge, Knpur

Date: 12-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP.TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st January 1980

Ref. No. 320-A/P.N./Meerut/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mawana on 30-5-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—436GI/79

 Jagjit Singh s/o Hans Raj Singh, Rajendra Singh s/o Mahendra Singh r/o Nagla Gasai Pargana Kithore Teh, Mawana Distt. Meerut.

(Transferor)

Raj Kumar Singh, Maheshpal Singh, Yashpal Singh, Bir Singh Adults, Jaipal Singh, Ajai Kumar minots sons of Ved Singh, Dhir Singh, Ombir Singh minors sons of Dalel Singh R/O Nagla Gosai, Pargana Kithere Teh, Mawana Distt Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 740 and 758 measuring 20 (2) and 3(iii)3 situated in Nagla Gosai Pargana Kithore Teh. Mawana Distt Meerut.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-1-1980

 Smt. Noor Jahan Begum w/o Shri Rasiq Elahi, R/o House No. 85, Mohalla Ganj Bazar, Sadar Meerut Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt, Rahmat w/o Shri Yasin, Akhtar, Mobin sons of Shri Hafeez R/O Parva Ahmed, Meerut City. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kaupur, the 1st January 1980

Ref. No. 231-A/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As Por Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 18-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said roperty may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North portion of the house No. 126, area 1407 Sq. Ft. which contains three shops and house situated in Purva Faiyaz Ali, Meerut City.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-1-1980

(1) Shri Dulli s/o Shri Ram Sarup, V. Gadpuri Teh. Palpat Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Hari Kishan, Kishan Lal, Mathura son of Shri Chet Ram V. Hatana, Teh. Chhata Distt Mathura (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th December 1979

Ref. No. 788(Acq)/Chhata/79-80/Mathura.---Whereas, I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhata on 14-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Nagla Hasanpur Teh. Chhata Disti Mathura measuring 10.15 Acre No. 565, 645, 762, 763, 765 F.M.V. of which is Rs. 65000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 24-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th December 1979

Ref. No. 771-A/P.N./NKP/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 31-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Indrani Devi, Shri Radhey Shiam, Baboo Lal sons of Late Shri Jwala Pd. 46/112 Hatia Kanpur. (Transferor)
- Shri Ram Dayal S/o Shri Bal Dhari Pd 46/112 Hatia Kanput. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property No. 46/112, Area 80 Sq. Yds. situated in Hatia Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. 1.40, 447

Date: 28-12-1979.

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1979

Ref. No. 773/Acq/Mathura,—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 30-5-79

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per rent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Radhey Rani Jauhari W/O Late Shri Gopi Mohan Jauhari r/o 14, Jagannathpuri, Mathura. (Transferor)

 Smt. Nirmala Devi w/o Shri Om Prakash r/o Gali Durga Chand, Smt. Kiran Devi w/o Shri Bihari Lal, r/o Gali Durga Chand, Mathura, Nagendra Mohan s/o Dau Dayal, Advocate, 15, Jagannathpuri, Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House (single story) measuring 11.70.25 sq. mtr. situated at Jagannathpuri, Mathura.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1979

Ref. No. 675/Acq/Agra.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No.

As Per Schedule situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 8-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Kiran Devi Vidow of Shri Ram Chand d/o Mohan r/o 6/95, Kachaura Bazar, Belongani, Agra. (Transferor)
- Pooran Chand Agarwal, Satyendra Kumar Agarwal, Kailash Chand Agarwal and Krishna Kumar Agarwal s/o Late Shri Ram Chand r/o 6/95, Kachaura Bazar, Belonganj, Agra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 6/95, situated at Kachaura Bazar, Belonganj, Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-12-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1979

No. 675/Acq/Agra.—Whereas, I, S. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 8-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kiran Devi, wd/o
 Shri Ram Chand, d/o
 Shri Mohan Lal, r/o
 6/95, Kachaura Bazar, Belonganj, Agra.
 (Transferor)

(2) S/Shri Pooran Chand Agrawal, Satyendra Kumar Agarwal Kailash Chand Agarwal and Krishna Kumar Agarwal, Ss/o Late Shri Ram Chand, r/o 6/95, Kachaura Bazar Belonganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 6/95, situated at Kachaura Bazar, Belonganj, Agra.

S. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-12-79

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Naliniben Chandulal Bhabhaliya, Shahstrinagar, Dhoba Tand, Dhanbad-002 (Bihar).

(Transferor)

(2) Shri Deepakbhai Vastabhai Nodhanvadra, Jayant Society, Maydi Plot, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th October 1979

No. Acq.23-I-2627(876)/16-6/79-80.—Whereas, J, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 374 situated at Jayant Society, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 8-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heeeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 560 sq. yds. bearing S. No. 374 situated at Jayant Society, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2580/8-5-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-!,
Ahmedabad.

Date: 26-10-1979

 Shardaben Dolatrai Desai P.A. Holder of Shri Kishorkumar Dolatrai Desai, Mahadevnagar, Billimora.

(Transferor)

(2)Shri Jayantilal Lallubhai Mistry, Mahadevnagar, Billimora.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmdabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 740Acq.23/7-3/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 412/2 paiki City S. No. 3046 situated at Deshra, Billimora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandevi on 31-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—436GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 412/2 paiki, City S. No. 3046 admeasuring 1200 sq. mts. area, situated at Deshra-Billimora, duly registered with the registering authority at Gandevi on 31-5-1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 15-3-1979

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1979

Ref. No. P.R. No. 787Acq.23/19-2/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Block No. 173 situated at Village Vav, Tal. Kamrej (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on 11-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Dahiben Ganeshbhai Vanmali; Village Vav, Tal. Kamrej.

(Transferor)

(2) Shri Babubhai Bhagubhai Patel, Village Vav, Tal. Kamrej.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Block No. 173, situated at village Vav, Taluka Kamrej duly registered on 11-5-1979 at Kamrej.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 27-9-1979

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th October 1979

Ref. No. P.R. No. 792Acq23/7-4/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Block No. 18 paiki B. No. 1 situated at Opp. Swaminarayan Temple, Ashanagar, Navsari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Navsari on 31-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Ishverlal Jagjivandas Bhathela, Fort, Bazar Street, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Ranchhodbhai Sukhabhai Patel, Ashanagar Opp. Swaminarayan Temple, Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 378-02-36 sq. mts. of land situated at Ashanagar, Opp. Swaminarayan Temple, Navsari duly registered on 31-5-1979 with registering authority at Navsari.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 10-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 16th October 1979

Ref. No. P.R. No. 793Acq23/19-7-/79-80.—Whereas, I, · S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Survey No. 96, 97-127 paiki situated at Village Sultanabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Chimanlal Mulchand, Navapura, Fakir Punjani Sheri, Surat

 Chandrakant Mulchanddas, Navapura, Nagardasni Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Govindbhai Dahyabhai Patel, Bhimporta, Choryasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 96, 97-127 paiki land situated at village Sultanabad, admeasuring 13378.08 sq. mts. duly registered on 22-5-1979 with registering authority at Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Ahmedabad.

Date: 16-10-1979

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 16th October 1979

Ref. No. P.R. No. 794Acq23/19-7/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 1962, Wd. No. 10, situated at Hanuman Pole, Soni Falia, Surat

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Jayantilal Girdharlal,
 Nav Nirman Society,
 Timaliavad, Surat.

Nativarial, Girdharlai,
 Picnic Park Society, Rander Rd. Surat.
 Ashokkumar Girdharlai,

 Ashokkumar Girdharlal, B-6970, Kailashnagar Apartments, Sagrampura Surat

Sagrampura, Surat.
4. Hasmukhlal Girdharlal,
47-Kotyarknagar Society
Rander Road, Surat.

Rander Road, Surat.
5. Maheshkumar Girdharlal,
47-Kotyarknagar Society
Rander Road, Surat.

 Manojkumar Girdharlal, 47-Kotyarknagar Society Rander Road, Surat.

(Transferors)

1. Dalsukhbhai Virchand Parekh;
 2. Padmaben Dhirajlal Parekh,
 Ambaji Road, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Hanuman Pole, Soni Falia, Nondh No. 1962, Wd. No. 10, Surat, duly registered with registering authority at Surat on 30-5-1979.

S. C. PARIKH.
Competent Authority.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 16-10-1979

 Sushilaben Niranjan Galiyara, 721, Urmi-niketan, Ashanagar, Navsari.

(Transferor)

(2) Shashikant Harilal Parekh, Adhar, Bapunagar, Navsari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 24th September 1979

Ref. No. P.R. No. 778Acq.23/7-4/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 12-A, Tika No. 69 City S. No. 4002 paiki S. No. 248 situated at Alka Coop. Housing Society, Chhapra Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 12A Tika No. 69 City S. No. 4002 paiki S. No. 248, situated at Alka Coop. Housing Society Ltd., Chhapra Road, Navsari duly registered on 30-5-79 at Navsari.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 24-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kiritbhai Dolatrai Desai, 2/4377, Sagrampura, Chapgar Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Gitaben Prabodhbhai Desai, Prabodh Manibhai Desai, Navsari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 24th September 1979

Ref. No. P.R. No. 779Acq.23/7-4/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Rev. S. No. 256 paiki land Plot No. 28, S. No. 4182 situated

Rev. S. No. 256 paiki land Plot No. 28, S. No. 4182 situated at Nutan Coop. Housing Society, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on 24-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Rev. S. No. 256 paikl, Plot No. 28, S. No. 4182 Tika No. 68, situated at Nutan Coop. Housing Society, Navsari admeasuring 6232 sq. ft. duly registered on 24-5-1979 at Navsari.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II4
Ahmedabad.

Date: 24-9-1979

Soal ;

FORM ITNS (1) Zaverlal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1979

Ref. No. P.R. No. 802Acq.23/4-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 32/1 situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Zaverlal Sakarlal Gandhi, Kanchanlal Sakarlal;
 Goya Bazar, Ankleshwar.

(Transferor)

- (2) 1. Imail Ishakji Patel, Umarwada
 - Umarwada.
 2. Ambalal Chimanlal Gandhi,
 Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 32/1. admeasuring Acre 3 Guntha 00 situated at Ankleshwar duly registered with the registering authority at Ankleshwar on 2-5-1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 26-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. 812Acq.23/19-7/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 16-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

33--436GI/79

 Shri Rajesh Jayantilal, Dr. Dayamurti Shantiniketan Society, Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferors)

(2) 1. Sitaram Nandlal Sabu
B. No. 97, Shantiniketan Society,
Sumul Dairy Road, Surat.
2. Bhagvatidevi Sitaram

 Bhagvatidevi Sitaram
 No. 97, Shantiniketan Society, Sumul Dairy Road, Surat.
 Tarachand Ranglal Goyanka

 Tarachand Ranglal Goyanka Anupam Apartment, Surat,
 Sushilaben Tarachand

B. No. 97, Shantiniketan Society, Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 330 sq. mts. at Adarsh Society, Opp. Chaupaty, Athwa Lines, Surat, duly registered on 16-5-1979 at Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 5-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th November 1979

Ref. No. Acq.23-I-2408(887)/1-1/79-80.---Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Final Plot No. 127/5 of T.P.S. 4 situated at

Khokhara, Mahmedabad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jaydevlal Punjalal Pandya, Mandavini Pole, Padi Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) I. Shri Mahendrakumar Bhagwandas Raval, Maninagar, Charrasta, Ganesh Gali, Ahmedabad.
 - Bhailalbhai Ranchhodbhai Patel, Shankarkrupa, Radhavallabh Colony, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 1062 sq. yds. bearing Final Plot No. 127, Sub-plot No. 5, of T.P.S. 4 Khokhra Mehmedabad, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4539 dated May 1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 13-11-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHM!:DABAD-380009

Ahemedabad-380 009, the 13th November 1979

Ref. No. Acq.23-I-2697(885)/16-6/79-80.—Whereas, I. S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building on land 158-3-0 sq. yds. with 14-7-72 sq. yds. situated at Dharmendra Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acs, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shri Prabhudas Jethalal Mehta, Dharmendra Road, Nr. Maharana Mills, Retail Shop, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Lalitkumar Harilal Vasani & Others, at 10, Harilal Mohanlal, Lati Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (back portion) on land 158-3-0 & 14-7-72 sq. yds. situated at Dharmendra Road, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2632/10-5-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 13-11-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th November 1979

Ref. No. Acq.23-I-2697(886)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building on land sq. yd. 78-2-4 (Frontside) situated at Dharmendra Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prabhudas Jethalal Mehta & others, Dharmendra Road, Nr. Maharana Mills, Retail Shop, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Lalitkumar Harilal Vasani & Others, at 10, Harilal Mohanlal, Lati Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (front side) on land sq. yd. 78-2-54 situated at Dharmendra Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 2633/May, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 13-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th November 1979

Ref. No. P.R. No. 817Acq.23-II/19-2-/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 515 situated Village Vav, Taluka; Kamrej

Block No. 515 situated Village Vav, Taluka; Kamrej (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on 8-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Gauriben d/o Becharbhai Jivanji Patel;
 Jamnaben d/o Jivanji Dahyabhai Patel;
 Kadodara; Taluka: Kamrej.

(Transferor)

(2) Smt. Hetiben Wd/o Jethanand Harpaldas Motiani, Sunit Nagar Colony, House No. 20, Rander, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Block No. 515, situated at village Vav, Taluka Kamrej, duly registered on 8-5-1979 with Sub-Registrar, Kamrej under registration No. 319.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 20- 11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1979

Ket. No. P.R. No. 818Acq.23-II/19-2/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Block No. 615 situated at Village Vav, Taluka Kamrej (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kamrej on 3-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Gajraben Ratanji Desai, Village Vav, Taluka: Kajrej. Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Madhubhai Gordhanbhai Bakt, Village, Vav, Taluka: Kamrej.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Block No. 615, situated at village Vav, Taluka-Kamrej duly registered with the Sub-Registrar, Kamrej on 3-5-1979 under Registration No. 312.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II,
Ahmedabad

Date: 20-11-1979

THE GAZETTE OF INDIA, FEBRUARY 2, 1980 (MAGHA 13, 1901)

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd November 1979

Ref. No. Acq.23-I-2361(890)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Building on land adm. 252 sq. yds. situated at

Opp. Trikon Baug, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-5-1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bipinchandra M. Vora & Others, of Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Kiritkumar C. Kamdar & Others, 38, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 252 sq. yds. situated at Trikon Baug, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2424/May, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 23-11-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1979

Ref. No. Acq.23-I-2436(897)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. 47, situated at Village: Okaf, Tal. City, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or . মন্দ্ৰ প্
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. The Mahalaxmi Ice Factory. Partners:

 - S/Shri Maganbhai Vithalbhai Patel, Moje Adla, Tal. Viramgam.
 Ramanlal Narandas Thakkur, Viramgam,

(Transferor)

- (2) The Bharat Ice Factory,
 - 1. S/Shri Sendhabhai Joitaram Oza,
 - Moge Iotana, Dist. Mehsanai 2. Kasambhai Adambhai Mandli,

Viramgam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with structure) adm. 4000 sq. yds. bearing S. No. 47, situated at Okaf, Tal. City, Ahmedabad, and bounded as under :-

East: Land of Shri Somabhai Nayak West: Land bearing S. No. 47,

North: Government narrow road.
South: Property of Usha Co-Op. Hous. Soc. Ltd.,
duly registered by Registering Officer at Ahmedabad vide
Sale-deed No. 4861/79, May 79 i.c. property as fully described therein.

> S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Competent Authority, Ahmedabad.

Date: 28-11-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1979

Ref. No. Acq.23-I-2847(900)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F. P. 189, Sub-plot No. B, of T.P.S. No. 6 situated at Paldi, Main Sarkhej Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad 7-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34-436GI/79

- Shri Dineshkumar Rajendrakumar Vakil, self and as a guardian of Minor Kuntal Dineshbhai, Rajendra Ghuvan, Opp. Fatehpura, Sarkhej Road, Ahmedabad.
- (Transferor)

 (2) Paldi Shopping Centre & Flat Owners Association, through Chairman:
 Shri Kishore Hukmichand,
 3-B, High Land Park Society,
 Gulbai Tekra, Nr. Polytechnic,
 Ellisbridge, Ahmedabad.
 Secretary:
 Shri Jayprakash Kishanchand.
 Tulsiyani Bhuvan, Vasudev Colony,
 Nr. Bhulabhai Park,
 Gitamandir Road, Ahmedabad.

(Transferec)

- (3) 1. Shri Shankerlal Bhaverlal
 - 2. Shri Yashwantrao Ganpatram
 - 3 Shri Mansingh Ramsingh4. Shri Fulsingh Motisingh

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 293 sq. mtrs. with structure i.e. 4 rooms standing on it, bearing final plot No. 189, sub-plot No. B of T.P.S. 6 situated at paldi Main Sarkhej Road, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4258 dt. 7-5-1979.

S. N. MANDAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1.
Ahmedabad.

Date: 6-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 6th December 1979

No. Acq. 23-I-2847(901)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F.P. No. 189, sub-plot No. D of T.P.S. 6, A'bad situated at Paldi, Main Sarkhej Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajesh Rajendrakumar Vakil, Rajendra Bhuvan, Opp. Fatehpura, Sarkhej Road, Ahmedabad, (Transferor)
- Udhybhan Co. Op. Housing Society, through: Organisers:

 Arvindkumar Jayram Gouswami, Sharda Flats, Bhudarpara, Ahmedabad.
 Daulatram Relumal, Tulsipani Bhuvan, Vasudev Colony, Nr. Bhulabhai Park, Gitamandir Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 322 sq. yds. bearing F.P. No. 189, Sub-Plot No. D of T.P.S. No. 6, situated at Paldi, on Main Surkhej Road, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4259 dt. 1-5-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Ahmedabad,

Date: 6-12-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th December 1979

Ref. No. Acq.23-1-2392(902)/10-1/79-80.---Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 211-215 (1), Plot No. B-41, situated at M. P. Shah Udyognagar on Satu Section Road, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Riddhi Siddhi Engg. Works,
 - through: partners:
 1. Shri Vasantray Mathuradas
 2. Shri Vithalbhai Mathuradas Nr. Engineer's Office, Jamnagar.

(Transferors)

- (2) M/s. Dhanani Products,
 - through partners:
 1. Shri Zaverchand Nathubhai
 2. Shri Amratlal Nathubhai
 3. Shri Keshavlal Nathubhai

 - 5. Shri Ratilal Nathubhai
 5. Shri Mansukhlal Nathubhai
 6. Shri Bharatkumar Shantilal Shah
 7. Shri Mukesh Shantilal Shah,
 - Digvijay Plot, Jamnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A factory building standing on land adm. 12689.10 sq. ft. bearing S. No. 211-215-1, & Plot No. B-41, situated at M.P. Shah Udvognagar on Saru Section Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 999 datéd 2-5-79.

> S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7-12-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1979

Ref. No. P.R. No. 831Acq.23-11/1576/19-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Nondh No. 931, Kelani Vakhar; situated at Wd. No. 12 Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 21-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Jarbanu Kharshedji Mewawala,

Palanji Kharshedji Mewawala,
 Sarosh Kharshedji Mewawala,
 Athugor Mahollo, Surat.

(Transferors)

Shri Ishvarlal Mulchand,
 Shri Sanmukhlal Mulchand,
 Lalgate, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 931, Wd, No. 12, situated at Kelani Vakhar, Surat, duly registered on 21-5-1979 at Surat.

S. N. MANDAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II,
Ahmedaba

Date: 6-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1979

Ref. No. Acq.23-I-2372(907)/16-6/79-80.---Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 451 Paiki Plot No. 44 situated at Between Raiyya Road & Kalawad Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhaishanker Dayashanker Joshi, Bhid Bhanjan Sheri, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Ramniklal Madhavji Tank. Madhavkunj, Shankar Nagar, Marg-3, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 427 sq. yd. bearing S. No. 451-Paiki Plot No. 44—situated between Raiyya Road & Kalwa Road in Street No. 6, Sahkar Nagar, Rajkot—duly registered by Registering Officer, vide sale-deed No. 2314/May 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 1-812-1979

3.44

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Bhaishanker Dayashanker Joshi, Bhidbhanjan Sheri, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Anikumar Mansukhlal,14, Laxmiwadi, Rajkot.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1979

Ref. No. P. R. No. Acq. 23 I-2867(908) /16-6, 79-80.—Whereas I, S. N. MANDAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

and bearing No. S. No. 451, Paiki Plot No. 44 situated between Raiya Road & Kalawad Road, Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Ass. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ass. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 451, Parki Plot No. 44, administration 476 sq. yd. situated between Raiyya Road and Ethawad Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer in the month of May, 1979 vide sale-deed No. 2315 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAI

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-L.
Ahmedabad

Date: 18-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1979

Ref. No. P.R. No. 834Acq.23-6-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

R.S. No. 503/1/49 of Baroda Kasba Plot No. 4 of Sampatrao Colony situated at R.C. Dutt Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Jasubhai Manibhai Patel,
2. Ratilal Manibhai Patel,
3. Pravin Manibhai Patel,
C/o Anjali Chambers,
R C. Dutt Road, Baroda.

(Transferors)

(2) M/s. Anju Builders, 'Anjali Chambers', R. C. Dutt Road, Baroda-390005.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 11,832 sq. ft. at R.S. No. 503/1/49 of Baroda Kasba, Plot No. 4 of Sampatrao Colony abutting R. C. Dutt Road, adjoining Dilaram Bungalow and Opp. to State Government Officers' quarters, R.C. Dutta Road, Baroda and fully described as per sale deed No. 709 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 23-5-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-II,
Ahmedabad.

Date: 18-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA Shri Harikisandas Durlabhdas Modi; Bombay House, 1st Floor, Room No. 104, Pani-ni Bhit, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Gamanlal Hurilal Kathawala, Gandhi Chowk, Bhanshali Pole, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1979

Ref. No. P.R. No. 840Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nondh No. 407, Ward No. 10, situated at Gandhi Chowk, Bhanshali Pole, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 22-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Bhan Shali Pole, Ward No. 10, Nondh No. 407, Surat duly registered at Surat on 25-5-1979 vide No. 2053/79.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition RangeII,
Ahmedabad.

Date: 22-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th December 1979

C.R. No. 62/24130/79-80/ACQ/B.—Whereas, RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sy. No. 133, situated at Pattandur Agrahara Village, K. R. Puram Hobli, B'lore South Taluka, B'lore Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

B'lore South Taluk, B'lore Dist. Doc. No. 538/79-80 on 16-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri M. Ramachandran, S/o M. Srinivasa Acharalu, No. 30, "Sudarshanam", Sri Krishna Road, B'lore-4.
- (2) M/s. M. Srinivasacharlu & Co., No. 74, N. R. Road, B'lore-2.

(Transferor)

(1) M/s uken India Limited, White Field Road, B'lore-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 538/79-80, dated 16-5-79).

Converted Land situated in the S. No. 133, Pattandur Agrahara Village, K. R. Puram, Hobli, B'lore South Taluka, B'lore Dist. Total Area: 1943-37 sgm, with building thereon measuring 958-82 sqm.

Bounded on: East: By property of the purchaser,
West: By the remaining property
vendor in Sy. No. 133.
North: By Sy. No. 134 & 135.
South: By Sy. No. 122 & 131. property of the

P. RANGANATHAN. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-12-79